हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची ● मंगलवार ● 23.09.2025 ● वर्ष : 16 ● अंक : 61 ● पृष्ठ : 12 ● आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

जीएसटी बचत उत्सव : पीएम मोदी ने देशवासियों को लिखा खुला पत्र

दुकानदारों से की 'मेड इन इंडिया' उत्पाद बेचने की अपील

एजेंसी

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'जीएसटी बचत उत्सव' पर देशवासियों को खुला पत्र लिखा है। पीएम मोदी ने लोगों को लिखे पत्र में कहा, इस वर्ष त्योहारों में हमें एक और उपहार मिल रहा है। 22 सितंबर से अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधार लागू होने के साथ ही पूरे देश में 'जीएसटी बचत उत्सव' की शुरूआत हो गई है। इन रिफॉर्म्स से किसान, महिला, युवा, गरीब, मध्यम वर्ग, व्यापारी, लघु उद्योग, कुटीर उद्योग, सभी को फायदा होगा।

इंश्योरेंस से लेकर घर के सामान तक सब सस्ता हुआ- पीएम मोदी
पीएम मोदी ने कहा, नए जीएसटी रिफॉर्म्स की विशेषता यह है कि अब मुख्य रूप से सिर्फ दो ही दरें रहेंगी। रोजमर्रा की जरूरी चीजें जैसे खाना, दवाइयां, साबुन, टूथपेस्ट और कई अन्य सामान अब जीरो टैक्स- यानी 5% की दर से ही मिलेंगे। बाकी सामानों पर टैक्स दरें भी कम हुई हैं। घर और परिवार से जुड़ी ज्यादातर चीजें और सेवाएं अब 5% टैक्स दर से ही उपलब्ध होंगी। यानी इंश्योरेंस से लेकर घर के सामान तक सब सस्ता हुआ है। आने वाले समय में और आसान होता जाएगा। नए इंश्योरेंस प्लान भी अब जीएसटी को छोड़कर ही दिए जाएंगे।

उन्होंने लिखा, मुझे ये देखकर अच्छा लगा कि कई दुकानदार और व्यापारियों ने अपने यहां 'पहले और अब' के बोर्ड लगाए हैं, जिसमें लोगों को दिखाया जा रहा है कि कोई सामान कितना सस्ता हो गया है। हमारी जीएसटी यात्रा 2017 में शुरू हुई थी। तब सरकार ने अनेक वस्तुओं के टैक्सों को खत्म कर कारोबारियों को बहुत राहत मिली थी। अब ये नेक्स्ट जनरेशन जीएसटी रिफॉर्म्स हमें और आगे ले जा रहे हैं। इसमें सिस्टम को और सरल बनाया गया है। इससे हमारे दुकानदार साथियों, लघु उद्योगों की सहूलियत और बढ़ेगी।

पीएम मोदी ने कहा, नागरिक देवो भव हमारा मंत्र है। पिछले 11 वर्षों में हमारे प्रयासों से 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए हैं। देश में एक बड़ा मिडिल क्लास तैयार हुआ है। अब इसे और सशक्त बनाना हमारा संकल्प है। हमारे मध्यम वर्ग की मेहनत को मजबूती देने के लिए 12 लाख करोड़ रुपये से अधिक की आयकर में छूट दी जा चुकी है। अब जीएसटी रिफॉर्म्स से भी मध्यम वर्ग को सीधे लाभ मिल रहा है। नए जीएसटी रिफॉर्म्स को लागू करने से देशवासियों को सालाना लगभग 2.5 लाख करोड़ रुपये बचेंगे। उन्होंने लिखा, देश को 2047 तक विकसित भारत बनाने के हमारे संकल्प को सिद्ध करने के लिए आत्मनिर्भरता का रास्ता बहुत महत्वपूर्ण है। अभी जो नए जीएसटी रिफॉर्म्स आए हैं, उनसे आत्मनिर्भर भारत अभियान को भी तेज गति मिलेगी। आत्मनिर्भरता के लिए आवश्यक है कि हम स्वदेशी को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं। जब भी आप अपने देश के कारीगरों, श्रमिकों और इंडस्ट्री के बनाए सामान को खरीदते हैं, तो आप कई परिवारों की रोजी-रोटी में मदद करते हैं और देश के युवाओं के लिए रोजगार पैदा करते हैं। पीएम मोदी लोगों से अपील करते हुए लिखा कि मैं अपने दुकानदारों और व्यापारियों से भी अपील करता हूं कि वे स्वदेशी सामान ही बेचें। आइए गर्व से कहें, ये स्वदेशी है। आपके घर की बचत बढ़े, आपके सपने पूरे हों, आप अपने पसंद की चीजों को और त्योहारों की खुशी को बढ़ाएं... इसी यही कामना है। एक बार फिर, मैं आपको नवरात्रि के साथ ही 'जीएसटी बचत उत्सव' की शुभकामनाएं देता हूं। मोदी ने कहा, इस बार नवरात्रि का यह शुभ अवसर बहुत विशेष है। जीएसटी बचत उत्सव के साथ-साथ स्वदेशी के मंत्र को इस दौरान एक नयी ऊर्जा मिलने वाली है। आइए, विकसित और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प की सिद्धि के लिए सामूहिक प्रयासों में जुट जाएं।

कई वस्तुओं पर जीएसटी की कम दरें सोमवार से लागू होंगी, जिसकी तुलना मोदी ने रविवार को राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में बचत उत्सव से की थी।

झारखंड की ग्रामीण महिलाओं को प्रोत्साहित करने सरस मेला दिल्ली पहुंची मंत्री

दिल्ली में झारखंडी व्यंजनों का स्वाद रहा हिट, राष्ट्रीय स्तर पर मिला तीसरा पुरस्कार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : नयी दिल्ली के मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में 5 से 22 सितम्बर तक आयोजित सरस आजीविका मेले में झारखंड की ग्रामीण महिलाओं ने अपनी उद्यमिता और परंपरागत कला से खास पहचान बनाई। पलाश एवं आदिवा ब्रांड के सात स्टॉलों के माध्यम से महिलाओं ने 25 लाख रुपये से अधिक का कारोबार किया। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन एवं ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पाण्डेय सिंह ने भी ट्वीट कर इन महिलाओं के प्रयासों की सराहना की और झारखंड के हस्तनिर्मित उत्पादों को राष्ट्रीय पहचान दिलाने के लिए शुभकामनाएं दीं।

झारखंड की महिलाओं का अपना ब्रांड 'पलाश' का सरस आजीविका मेले में शानदार प्रदर्शन रहा। पलाश के अंतर्गत उपलब्ध खाद्य उत्पाद जैसे रागी लड्डू, शुद्ध शहद, काले गेहूं का आटा और अरहर दाल, तथा गैर-खाद्य उत्पाद जैसे साबुन, लेमन ग्रास ऑइल इत्यादि दिल्लीवासियों के बीच बेहद लोकप्रिय रही। पूरे मेले के दौरान इन उत्पादों की कुल बिक्री 25 लाख रुपये से ज्यादा रही, जो ग्रामीण महिलाओं की मेहनत, हुनर और लगन का प्रतीक है। पलाश के उत्पाद न केवल गुणवत्ता और स्वाद में श्रेष्ठ हैं, बल्कि झारखंड की ग्रामीण महिलाओं की पहचान और उनकी आत्मनिर्भरता को भी दशार्ते हैं। हर उत्पाद में इन महिलाओं के प्रयास, परंपरा और नवाचार का अनूठा संगम देखने को मिला, जिसने पलाश को राष्ट्रीय मंच पर एक अलग पहचान बनाई।

ग्रामीण विकास मंत्री, दीपिका पाण्डेय सिंह ने सरस आजीविका मेले का दौरा किया और महिलाओं के स्टॉल पर जाकर पलाश ब्रांड के उत्पादों का अवलोकन किया।

उन्होंने कहा, इन ग्रामीण महिलाओं की मेहनत और हुनर काबिले तारीफ है। उन्हें राष्ट्रीय मंच पर अपनी कला और उत्पाद प्रदर्शित करने का पूरा अवसर मिलना चाहिए। पलाश ब्रांड और सरस मेला इसी दिशा में एक कदम है मंत्री ने ग्रामीण महिलाओं को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रोत्साहित किया और उनकी कला को और विकसित करने के लिए झारखंड सरकार द्वारा हर संभव सहयोग उपलब्ध कराने का विश्वास दिलाया। ग्रामीण महिलाओं द्वारा बनाए गए पारंपरिक आभूषणों को पहचान देने के लिए हेमन्त सोरेन के मार्गदर्शन में आदिवा ब्रांड की शुरूआत वर्ष 2021 में की गई थी। आदिवा ब्रांड को राष्ट्रीय पटल पर ले जाने के लिए ग्रामीण विकास विभाग ने हर संभव प्रयास किया और इसी कड़ी में सरस आजीविका मेले में आदिवा ज्वेलरी का प्रदर्शनी सह बिक्री स्टॉल लगाया गया। सरस मेला में झारखंड के पारंपरिक व्यंजनों ने विशेष पहचान बनाई। सखी मण्डल की महिलाओं द्वारा तैयार किए गए धूसका, दाल पीठा और घूग्नि ने दिल्लीवासियों का दिल जीत लिया। इन व्यंजनों की लोकप्रियता से महिलाओं ने 3 लाख रुपये से अधिक का कारोबार किया।

एक नजर

सड़क हादसे में तीन की मौत

गोड्डा : जिले के महागामा थाना क्षेत्र के एकचारी–महागामा मुख्य मार्ग पर शीतल ग्राम के समीप सोमवार की दोपहर दर्दनाक सड़क हादसे में ऊर्जानगर निवासी जोगेंद्र यादव सहित दो महिलाओं की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, दुर्गा पूजा को लेकर कहलगांव से गंगा स्नान कर लौट रहे जोगेंद्र यादव परिजनों के साथ टियागो कार से घर आ रहे थे। इसी दौरान वाहन अनियंत्रित होकर मुख्य मार्ग पुल के नीचे जा गिरा। हादसा इतना भीषण था कि कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और सभी लोग उसमें फंस गए। घटना की सूचना पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी चंद्रशेखर आजाद, पुलिस इंस्पेक्टर उपेंद्र कुमार महतो और हनवारा थाना प्रभारी राजन कुमार दलबल के साथ मौके पर पहुंचे। कड़ी मशक्कत के बाद जेसीबी मशीन की मदद से कार को बाहर निकाला गया। जोगेंद्र यादव की असामयिक मौत से राजमहल परियोजना अस्पताल में सहकर्मी और परिजनों में शोक की लहर है।

एचडीएफसी के देवघर शाखा में करोड़ों की लूट

देवघर : देवघर जिले के मधुपुर थाना क्षेत्र में स्थित एचडीएफसी बैंक में सोमवार को दिनदहाड़े करोड़ों रुपये की बड़ी लूट की वारदात सामने आई है। घटना को करीब 6 की संख्या में आए हथियारबंद अपराधियों ने अंजाम दिया। जानकारी के अनुसार, अपराधी बैंक में घुसते ही कर्मचारियों को अपने कब्जे में लेकर मारपीट करने लगे। इसके बाद उन्होंने हथियार के बल पर बैंक में रखे नकद रुपये, सोने के सिक्के और अन्य कीमती सामान को कैश बैग में भर लिया। लूट के बाद अपराधियों ने बैंक के बाहर से शटर बंद कर दिया और मौके से फरार हो गए। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है। बैंक कर्मियों द्वारा घटना की सूचना स्थानीय पुलिस को दी गई, जिसके बाद मधुपुर थाना की टीम मौके पर पहुंच कर जांच में जुट गई है।

बाढ़ प्रभावित पंजाब के लिए व्यापक राहत पैकेज घोषित करे केंद्र : राहुल गांधी

एजेंसी

नयी दिल्ली : कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने एक बार फिर पंजाब में बाढ़ से प्रभावित लोगों के पुनर्वास के लिए केंद्र सरकार द्वारा दिए गए 16 सौ करोड़ रुपए के प्रारंभिक राहत पैकेज को लोगों के साथ अन्याय करा दिया। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी से राज्य के लिए व्यापक पैकेज की अपील की।

राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक 10 मिनट 52 सेकंड की डाक्यूमेंट्री पोस्ट की। इसमें वाह पंजाब में स्थानीय कांग्रेस के नेताओं के साथ बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करके लोगों की समस्याएं सुनते हुए नजर आ रहे हैं। वीडियो में उनके साथ पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी भी नजर आ रहे हैं। उन्होंने अपने पोस्ट में कहा कि पंजाब में बाढ़ से 20 हजार करोड़ का नुकसान हुआ है और सरकार ने प्रारंभिक राहत पैकेज के तौर पर सिर्फ 16 सौ करोड़ रुपए जारी किए हैं, जो पंजाब के लोगों के साथ अन्याय है। उन्होंने इस भीषण बाढ़ में डटे रहने पर राज्य के लोगों की तारीफ करते उन्होंने सहारा और मजबूती देने की अपील की।

राहुल ने कहा कि बाढ़ में लाखों घर उजड़ गए। 4 लाख एकड़ से ज्यादा फसल बर्बाद हो गई। बड़ी संख्या में मवेशी बह गए। इन सबके बावजूद राज्य के लोगों ने अद्भुत हिम्मत और साहस दिखाया।यह लोग फिर उठ खड़े होंगे, बस उन्हें सहारे और मजबूती की जरूरत है। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी से राज्य के पुनर्वास के लिए व्यापक पैकेज की अपील की।

वीडियो में वह राज्य के अलग-अलग बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में जाकर लोगों की समस्याएं सुन रहे हैं। लोग उन्हें बता रहे हैं कि कैसे बारिश और बाढ़ ने लोगों का आशियाना, असबाग और उनके सपने छीन लिए। वीडियो में एक महिला रोते हुए उन्हें उसका घर गिर जाने, मवेशी बह जाने और बच्चों को खाना न खिला पाने की बात भी कह रही है।

जबकि एक अन्य व्यक्ति भी बाढ़ की रात कैसे त्रासदी आई और लोगों ने कैसे संकट को झेला यह भी बता रहा है।

रामगढ़ में बस और ट्रक की टक्कर में तीन की मौत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : सदर थाना क्षेत्र के छतरमांडू में सोमवार को भीषण सड़क हादसा हुआ। यात्रियों से भरी बस और कोयला लदे ट्रक के बीच हुई टक्कर में तीन लोगों की मौत हो गई। इस हादसे में लगभग से 24 अधिक यात्री घायल हो गए हैं। छह यात्रियों की हालत गंभीर बताई जा रही है। मृतकों में ट्रक चालक बेंगावरी केरेडारी हजारीबाग निवासी मनीष कुमार और जेनामोड़ बोकारो निवासी महिला विलासो देवी शामिल हैं। प्राथमिक उपचार के बाद आधा दर्जन से अधिक यात्रियों को बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल से रिम्स रेफर किया गया है। घटना की सूचना मिलते ही रामगढ़ पुलिस मौके पर पहुंची और राहत बचाव कार्य शुरू किया। जानकारी के अनुसार धनबाद से रामगढ़ की ओर आ रही श्री गोकुल नामक बस संख्या (जेएच 10 बीएम 8219)के चालक ने ओवरटेक करने के चक्कर में विपरीत दिशा से आ रहे कोयला लदे ट्रक संख्या (जेएच 13 सी 0232) से टकरा गई। इस हादसे में ट्रक चालक और एक महिला यात्री की मौत मौके पर ही हो गई।

घायलों को पहुंचाया गया अस्पताल

पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से घायल यात्रियों को सदर अस्पताल पहुंचाया। यहां चिकित्सक ने गंभीर रूप से छह घायलों का प्राथमिक उपचार के बाद रिम्स रेफर कर दिया। वहीं, दर्जनों यात्रियों का सदर अस्पताल में इलाज किया गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों वाहनों का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। सड़क दुर्घटना में जो बस क्षतिग्रस्त हुई उस पर एक अधिवक्ता भी सवार थे। रामगढ़ बार एसोसिएशन के सदस्य अधिवक्ता गोला निवासी अरविंद कुमार पाठक भी रामगढ़ के लिए बस में बैठे थे। उन्हें क्या पता कि उनकी यह यात्रा उनके लिए आखिरी होगी। इलाज के दौरान रिम्स में उन्होंने दम तोड़ दिया।

दुर्घटना में बस सवार घायलों में बिजेंद्र रजवार और कान्हू कुमार (चास बोकारो), सूरज रजवार (बालीडीह, बोकारो), मधु रानी (बोकारो स्टील सिटी), सरिता कुमारी और डब्लू महतो (कतरास, धनबाद), सुरखी पांडेय एवं मंटू कुमार (पेटरवार), सगुफ़्ता उर्फ पम्मी (इंद्राजारा चरही), शिबू साव और पानो देवी (जैनामोड़ बोकारो), बसंती देवी (रांगामाटी, चास) के अलावा बोकारो निवासी एक ही परिवार के पांच बच्चे सहित आठ के अलावा अन्य के नाम शामिल हैं।

छत्तीसगढ़ के नारायणपुर में सुरक्षा बलों ने 40-40 लाख के 2 इनामी नक्सली किए ढेर

एजेंसी

जगदलपुर : छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले के अभूझमाड़ क्षेत्र में सोमवार को सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में दो बड़े माओवादियों को मार गिराया। इन दोनों पर छत्तीसगढ़ सरकार ने 40-40 लाख रुपए का इनाम घोषित कर रखा था। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा, मुझे पूर्ण विश्वास है कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के नेतृत्व और प्रधानमंत्री मोदी के विजन के साथ मार्च 2026 तक नक्सलमुक्त भारत का संकल्प अवश्य साकार होगा। मुठभेड़ में मारे गए माओवादियों की पहचान सीपीआई (माओवादी) की केंद्रीय समिति के सदस्य राजू दादा उर्फ कट्टा रामचंद्र रेड्डी और कोसा दादा उर्फ कादरी सत्यनारायण रेड्डी के रूप में हुई है। ये दोनों तेलंगाना के करीमनगर जिले के निवासी थे और बीते तीन दशक से दंडकारण्य विशेष क्षेत्रीय समिति के तहत सक्रिय रूप से माओवादी गतिविधियों में लिप्त थे। नारायणपुर के पुलिस अधीक्षक रॉबिन्सन ने बताया कि छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र की सीमा पर स्थित अभूझमाड़ इलाके में माओवादियों की गतिविधियों की सूचना मिलने के बाद सुरक्षा बलों ने सर्च ऑपरेशन चलाया था। सोमवार सुबह से ही माओवादियों और सुरक्षा बलों के बीच रुक-रुक कर फायरिंग होती रही। जब मुठभेड़ थमी तो मौके से दो माओवादियों के शव, हथियार, विस्फोटक और अन्य सामान बरामद किया गया।

तोड़ी जा रही है लाल आतंक की रीढ़ : शाह

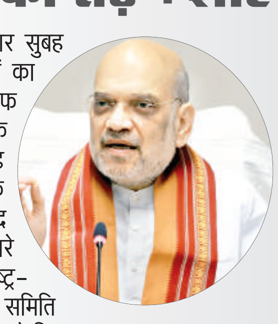

नयी दिल्ली : छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले के अबूझमाड़ क्षेत्र में सोमवार सुबह सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में दो शीर्ष नक्सली नेताओं का सफाया कर दिया गया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इसे नक्सलवाद के खिलाफ एक बड़ी जीत बताते हुए कहा कि हमारे सुरक्षाबल लगातार संगठित रणनीति के तहत नक्सलियों के शीर्ष नेतृत्व को खत्म कर रहे हैं और लाल आतंक की रीढ़ तोड़ रहे हैं। अमित शाह ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर जानकारी दी कि इस मुठभेड़ में मारे गए नक्सलियों की पहचान केंद्रीय समिति सदस्य कट्टा रामचंद्र रेड्डी और कादरी सत्यनारायण रेड्डी के रूप में हुई है। उन्होंने कहा, आज हमारे सुरक्षाबलों ने नक्सलियों के खिलाफ एक और बड़ी जीत हासिल की है। महाराष्ट्र–छत्तीसगढ़ सीमा पर नारायणपुर के अबूझमाड़ क्षेत्र में हमारे बलों ने दो केंद्रीय समिति सदस्य नक्सल नेताओं का सफाया कर दिया। यह अभियान इस बात का प्रमाण है कि सुरक्षा बल देश से नक्सलवाद का खात्मा कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि सुरक्षाबलों ने अभियान के दौरान मुठभेड़ स्थल से दो वदीर्धारी नक्सलियों के शव बरामद किए हैं। सर्चिंग अभियान में एके–47 रायफल समेत अन्य हथियार, भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री, नक्सल साहित्य, प्रचार–प्रसार सामग्री और दैनिक उपयोग की वस्तुएं भी जब्त की गई हैं। मोदी सरकार ने मार्च 2026 तक नक्सलमुक्त भारत का संकल्प लिया है।

पाकिस्तान पर एयर स्ट्राइक से हमला, बमबारी में 30 लोगों की मौत

एजेंसी

खैबर पख्तूनख्वा : पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा राज्य में देर रात हुए एक हवाई हमले ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। यह कोई बाहरी हमला नहीं था, बल्कि इस बार हमला खुद पाकिस्तान की वायुसेना ने अपनी ही जमीन पर किया है। आतंकवाद के खिलाफ चलाए गए इस ऑपरेशन में आम नागरिकों की जान चली गई - जिनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। यह दिल दहला देने वाली घटना खैबर पख्तूनख्वा के तिराह घाटी क्षेत्र में स्थित मत्रे दारा गांव में घटी। रात करीब 2 बजे, पाकिस्तान एयरफोर्स के JF-17 लड़ाकू विमानों ने यहां LS-6 गाइडेड बम गिराए। रिपोर्ट्स के अनुसार, लगभग 8 बम गिराए गए, जिससे गांव में भारी तबाही मच गई। इस हमले में करीब 30 लोगों की मौत हो गई है और 20 से अधिक लोग घायल बताए जा रहे हैं। चश्मदीदों का कहना है कि हमले के समय ज्यादातर लोग गहरी नींद में थे, जिसके कारण उन्हें संभलने का मौका भी नहीं मिला। मरने वालों में कई महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं, जिससे यह हमला और भी दर्दनाक बन गया है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, जब पूरा गांव गहरी नींद में था, तभी अचानक आसमान में लड़ाकू विमानों की तेज गड़गड़ाहट सुनाई दी।

मोदी सरकार ने बचत उत्सव का दिया तोहफा, विकसित भारत के लिए स्वदेशी अपनाना जरूरी : मनीष जायसवाल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : त्यौहारों के मौसम से पहले मोदी सरकार द्वारा जीएसटी में किए गए सुधारों के बाद भाजपा हजारीबाग इकाई ने सोमवार को एक जागरूकता अभियान चलाया। भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानंद सिंह की अध्यक्षता में, हजारीबाग के सांसद मनीष जायसवाल सहित सैकड़ों कार्यकताओं के साथ सड़क पर उतरे। प्रचंड धूप और गर्मी के बावजूद सांसद सेवा कार्यालय से शुरू हुए इस अभियान के दौरान सांसद मनीष जायसवाल ने दुकानदारों और ग्राहकों दोनों को नई जीएसटी दरों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने दुकानदारों से मिलकर नई दरों के अनुरूप सामान बेचने का आग्रह किया। इस दौरान सांसद जायसवाल अपने हाथों में ₹हर घर स्वदेशी, घर घर स्वदेशी₹ की तख्ती लिए हुए थे और उन्होंने कई दुकानों पर जीएसटी दरें घटाने के लिए प्रधानमंत्री मोदी का आभार जताते हुए स्वदेशी अपनाने से संबंधित फ्लेक्स भी लगवाए। अचानक सड़क पर सांसद को देखकर दुकानदार और ग्राहक दोनों हैरान रह गए। कई लोगों ने सांसद मनीष जायसवाल का स्वागत फूल-मालाओं और मिठाई से किया साथ ही उनके साथ सेल्फी भी ली। लोगों ने उन्हें आश्वासन दिया कि वे जीएसटी सुधारों का पालन करेंगे और स्वदेशी को बढ़ावा देंगे। यह जागरूकता अभियान सांसद सेवा कार्यालय से शुरू होकर झंडा चौक, मेन रोड, पैगोडा चौक, गुरु गोविंद सिंह रोड, कांग्रेस ऑफिस रोड, भगत सिंह चौक और मालवीय मार्ग होते हुए वापस झंडा चौक पर समाप्त हुआ। मौके पर सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि मोदी सरकार ने बचत उत्सव का तोहफा दिया है इसके लिए हम सभी मोदी सरकार को धन्यवाद दे रहें हैं और लोगों से विकसित भारत के लिए स्वदेशी अपनाने का आग्रह भी कर रहें है। मौके पर बड़ी संख्या में भाजपा नेता-कार्यकर्ता, सांसद प्रतिनिधिगण और आवाम भी साथ मौजूद रहें।

56 मौजा के विस्थापितों को ठगना बंद करें डीवीसी : कृष्णा यादव

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : चंदवारा प्रखंड के ग्राम पंचायत उरवां फार्म में डीवीसी विस्थापित संघर्ष समिति उरवां जिला कोडरमा एवं हजारीबाग के तत्वाधान में अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन जारी है। सोमवार को लगातार दसवां दिन भी अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन कार्यक्रम हुआ। अध्यक्षता वींरेन्द्र पासवान जी एवं संचालन शीतल यादव के द्वारा किया गया। अनिश्चितकालीन धरना को संबोधित करते हुए बरही के पूर्व विधायक प्रत्याशी कृष्णा यादव ने कहा कि डीवीसी विस्थापितों को लगभग 75 सालों से ठगती आ रही है । यह आंदोलन अब रुकने वाला नहीं है। जब तक डीवीसी एवं जिला प्रशासन विस्थापितों के द्वारा आठ सूत्री मांगों को लिखित तौर पर पूरा नहीं करती है, तबतक धरना जारी रहेगा। अनिश्चितकालीन धरना में मोती दास, सयैद अनवर, मथुरा यादव, बालकिशुन यादव, गुलाब यादव, बजरंगी यादव, बिरजू यादव, पप्पू दास, महेश यादव, दिलीप यादव, रेणु देवी, सबिया देवी, बसंती देवी, कंचन देवी, सुनीता देवी, रामसेवक यादव, कैलाश वर्मा, राजू दास, संजीत कुमार, रितलाल प्रसाद, रणदीप कुमार, छोटन यादव सहित कई लोग मौजूद रहे।

बारिश से दौरवा गांव में तीन परिवार बेघर, तिरपाल तले गुजर रही जिंदगी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : झारखंड सरकार की अबुआ आवास योजना या केंद्र सरकार की पीएम आवास योजना, दोनों योजनाओं का लाभ हजारीबाग जिले के बरही प्रखंड अंतर्गत खोड़ाहार पंचायत के दौरवा गांव में गरीब परिवारों को नसीब नहीं हो रहा है। लगातार हो रही बारिश के कारण दौरवा गांव में चार परिवार का कच्चा मकान पूरी तरह गिर गया है या गिरने के कगार पर है। जिसके कारण ये लोग अपने घर के अंदर नहीं रहकर घर के बाहर तिरपाल लगाकर रहने को मजबूर है। देश आजाद हुए आठ दशक होने को है लेकिन अब तक पक्का आवास गरीब घटवार परिवार को नहीं मिलना, यह साबित करता है कि अब तक विकास की रोशनी गांवों तक नहीं पहुंची है। अब तक इन ग्रामीणों को आवास नहीं दिला पाने में स्थानीय प्रशासन के साथ साथ

स्थानीय जन प्रतिनिधियों की भी हिम्मत नहीं हुई। इन बेघर हुए परिवार की माने तो पिछले एक सालों से कभी प्रखंड कार्यालय तो कभी मुखिया तो कभी अन्य जन प्रतिनिधियों के पास गुहार लगाकर थक चुके हैं। लेकिन लगता है इनकी सक्रियता नहीं है। रविवार को राष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन की एक टीम प्रदेश अध्यक्ष कृष्णा प्रजापति के नेतृत्व ने इन चारों परिवारों से मिलकर उनकी वर्तमान स्थिति का जायजा लिया। पाया कि सरकारी प्रशासनिक एवं जन प्रतिनिधियों की उदासीनता के कारण दौरवा गांव की पूजा देवी, फगुनी देवी, यशोदा देवी पति रूपलाल घटवार , गुड़िया देवी पति परमेश्वर घटवार एवं कुंती देवी पति योगेश्वर घटवार को अब तक किसी भी योजना से आवास नहीं मिला है। जिसके कारण ये लोग घर के बाहर तिरपाल लगाकर अपने छोटे छोटे बच्चों के साथ रहने को मजबूर हैं। बच्चों की पढ़ाई बाधित हो रही है। बाहर रहने से जंगली जानवर एवं सर्प बिच्छू का डर बना रहता है। सभी ने एक स्वर से कहा कि क्या हमलोगों को आवास तब मिलेगा जब हमलोग घर में दबकर मर जाएंगे।

शोषित-पीड़ित, गरीब दलित-मुस्लिम की उम्मीद एआईएमआईएम : सूरज दास

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : एआईएमआईएम पार्टी झारखण्ड की ओर से बरही टाऊन हॉल में राज्य स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें झारखण्ड के भिन्न-भिन्न जिलों से कार्यकर्ताओं ने शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता एआईएमआईएम नेता सूरज दास ने किया। कार्यक्रम के पूर्व झारखंड के दूर-दूर से से आए अतिथियों व कार्यकर्ताओं का स्वागत ढोल-ताशा द्वारा युवराज होटल पर किया गया। वहां से सभी बरही चौक पर पहुंचें उसके बाद बाराटांड़ स्थित बाबा साहब डॉ० आंबेडकर साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। उसके बाद टाऊन हॉल में कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम में अतिथियों को बुके देकर एवं माला पहनाकर स्वागत किया गया। उसके बाद वक्ताओं ने अपनी-अपनी बात

रखी। सभा को संबोधित करते हुए बरही विधानसभा के एआईएमआईएम नेता सूरज दास ने कहा कि आए दिन मॉब लिंचिंग सहित अनेक घटनाएं घटती रहती है। लेकिन कोई कार्रवाई नहीं होती। गरीब का कोई सुनने वाला नहीं है। प्रदेश नेता समीर अली ने सभा को संबोधित करते हुए संगठन की मजबूती एवं जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं को जोड़ने की बात कही। कहा कि पार्टी के लिए कार्यकर्ता महत्वपूर्ण होते हैं ।इसलिए कार्यकर्ताओ को समय-समय पर कैडर मीटिंग एवं इस तरह का प्रमंडल स्तरीय कार्यक्रम होते रहना की अत्यंत जरूरी है। भारत देश धर्मनिरपेक्ष देश है। यहाँ सभी धर्म के लोग रहते हैं और सबको अपने अपने तरीके से धर्म मानने का आजादी है। लेकिन आई लव मोहम्मद कहने पर एफआईआर कर देने की घटना बहुत चिंताजनक है। सभा में झारखंड प्रदेश के नेता समीर अली, शाहिद अयूबी, हैदर अली आफताब उर्फ बंटी, इम्तियाज अंसारी, रकीब खान, तौफीक आलम, आकिब खान, हाफिज शाहिद जी, कादिर, शमशेर, अब्दुल कलाम, जहांगीर सहित सैकड़ों कार्यकर्ता शामिल हुए।

गौरियाकरमा में प्रिन्स स्पोर्ट्स क्लब का फुटबॉल टूर्नामेंट शुरू

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : बरही प्रखण्ड के गौरियाकरमा पंचायत अंतर्गत धोबीयाटांड में सोमवार को प्रिन्स स्पोर्ट्स क्लब द्वारा आयोजित फुटबॉल टूर्नामेंट का शुभारंभ हुआ। उद्घाटन बरही विधायक मनोज कुमार यादव ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर विधायक मनोज यादव ने कहा कि खेलकूद केवल स्वास्थ्य और फिटनेस के लिए ही नहीं, बल्कि युवाओं में अनुशासन, टीम भावना और प्रतिस्पर्धात्मक भावना को बढ़ाने का सबसे अच्छा माध्यम है। इस तरह के आयोजन युवाओं को प्रेरित करते हैं और स्थानीय खेल प्रतिभाओं को आगे आने का अवसर प्रदान करते हैं। मैं सभी खिलाड़ियों को सफल और स्वस्थ प्रतियोगिता की शुभकामनाएं देता हूँ। उद्घाटन समारोह में विधायक प्रतिनिधि रमेश ठाकुर, स्थानीय मुखिया प्रतिनिधि राजन यादव, उप मुखिया संजय कुमार, पूर्व मुखिया मनोज कुमार, विजय कुशवाहा, प्रकाश कुमार, खोरठा कलाकार दिलीप कुमार, सागर यादव, सुरेश यादव, प्रदीप यादव, वार्ड सदस्य मनोज कुमार सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान के तहत सांसद ने किया स्वास्थ्य स्टालों का निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन हेतु सोमवार को हजारीबाग के मेडिकल कॉलेज अस्पताल में जिला स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित कार्यक्रम से संबंधित विभिन्न स्टालों का हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल ने निरीक्षण कर जायजा लिया। इस दौरान सांसद मनीष जायसवाल ने खुद अपने हाथों से कई किशोरियों के बीच सैनेटरी पैड का वितरण किया और अपना बीपी भी नापवाया। यहां ट्रॉमा सेंटर के बाहर में लगाए गए विशेष कैंप के स्वास्थ्य स्टालों पर स्वास्थ्य कर्मियों

के द्वारा महिलाओं, किशोरियों और बच्चों के लिए एनसीडी (बीपी, शुगर), एनीमिया, सिकल सेल, मानसिक स्वास्थ्य जांच एवं परामर्श दिए जा रहें थे। इस कैंप के माध्यम से गर्भवती महिलाओं का एएनसी, पोषण परामर्श एमसीपी का वितरण, बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं का टीकाकरण, मासिक धर्म स्वास्थ्य, पोषण एवं जीवन शैली जागरूकता अभियान, रक्तदान व अंगदान हेतु जागरूकता, पीएमजेएवाई आयुष्मान कार्ड, अबुआ स्वास्थ्य सुरक्षा कार्ड एवं आभा कार्ड निर्माण एवं वितरण, निक्षय मित्र, वालंटियर पंजीकरण एवं टी.बी. मरीजों का पोषण कीट व परामर्श, सामाजिक जागरूकता हेतु लोक संवाद, नाटक, सम्मान आदि, विकलांगों के स्वास्थ्य जांच हेतु विशेष कैंप का आयोजन के साथ जांचप्रराँत मेडिकल बोर्ड द्वारा विकलांग प्रमाण पत्र जारी किया जाना, आयुष आधारित वैलनेस योग, आयुर्वेद हर्बल को बढ़ावा देने हेतु जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। मौके पर सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि यह अभियान पीएम नरेंद्र मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर से शुरू होकर 2 अक्टूबर तक चलेगा। उन्हें। क्षेत्र में सभी/माता बहनों को अपने नजदीकी आयुष्मान आरोग्य केंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और जिला सरकारी अस्पतालों में सहित अन्य जगहों पर आयोजित स्वास्थ्य शिविरों पहुंचकर आप सभी अपना स्वास्थ्य जांच एवं परीक्षण जरूर कराएं। मौके पर हजारीबाग जिले के सिविल सर्जन डॉ. अशोक कुमार, जिला भी.डी. एम. पदाधिकारी सह नोडल पदाधिकारी डॉ.कपिल मुनि प्रसाद, जिला लेखा प्रबंधक अनल कुजूर, जिला डाटा प्रबंधक दिवाकर अंबष्ठा, भाजपा नेता अनिल मिश्रा, हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र में सांसद प्रतिनिधि रंजन चौधरी, सदर विधानसभा क्षेत्र के सांसद प्रतिनिधि अजय कुमार साहू सहित अन्य गणमान्य लोग साथ मौजूद रहें।

एक नजर

प्रशासन की सख्ती अवैध गिट्टी लदा वाहन जब्त

चौपारण : ढाब सलोनिया क्षेत्र में अवैध खनन का मामला लगातार गंभीर होता जा रहा है। सोमवार को गिट्टी लदी गाड़ी जेएच 02बीटी–3455 को सीओ संजय यादव ने कार्रवाई करते हुए पकड़ा। इस दौरान थाना प्रभारी सरोज सिंह चौधरी मौके पर पहुंचे और स्थानीय निगरानी तथा प्रशासनिक सहयोग सुनिश्चित किया। ग्रामीणों का कहना है कि ढाब सलोनिया में प्रतिदिन दर्जनों गाड़ियां खुलेआम गिट्टी लेकर गुजरती हैं और बिना सुरक्षा इंतजाम के चल रही खुदाई किसी भी समय बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है। इस बीच थाना प्रभारी की सक्रियता और स्थानीय निगरानी ने स्थिति को नियंत्रित करने में मदद की। बड़े खनन माफियाओं का नेटवर्क इतना मजबूत है कि लगातार निगरानी और ठोस कार्रवाई ही इसका समाधान कर सकती है। थाना प्रभारी सरोज सिंह चौधरी ने मौके पर न केवल सहयोग किया, बल्कि इलाके में आगे संभावित खनन गतिविधियों पर भी नजर रखी।

जिप उपाध्यक्ष ने ट्रांसफार्मर का किया उद्घाटन

बरही : प्रखंड के विजैया चौधरी टोला के लोगों की लंबे समय से चली आ रही बिजली की समस्या आखिरकार दूर हो गई। बीते दिन नया ट्रांसफार्मर लगाया गया और जिला परिषद उपाध्यक्ष किशुन यादव ने फीता काटकर इसका उद्घाटन किया। इस अवसर पर ग्रामीणों ने जिला परिषद उपाध्यक्ष का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि खराब ट्रांसफार्मर के कारण बिजली आपूर्ति बाधित हो रही थी, जिससे उन्हें काफी असुविधा हो रही थी। जिला परिषद उपाध्यक्ष किशुन यादव ने कहा कि क्षेत्र के लोगों की सुविधा उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने आश्वासन दिया कि वे उनकी समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए सदैव तत्पर रहेंगे। नए ट्रांसफार्मर के लगने से ग्रामीण बेहद खुश हैं और अब नियमित बिजली आपूर्ति की उम्मीद कर रहे हैं।

ग्राम सलगा में पांच सौ से अधिक श्रद्धालुओं ने निकाली कलश यात्रा

केरेडारी : प्रखण्ड अंतर्गत ग्राम पंचायत सलगा में पिछले वर्ष कि भांति इस भी दुर्गा पूजा धूमधाम से मनाने जा रहा है। आज दिनांक 22/09/2025 को सलगा के सियानी मैदान में दुर्गा पूजा स्थान में मुखिया पार्वती के द्वारा फीता काट कर कलश उठा का शुभारंभ किया गया दुर्गा स्थान सियानी मैदान से कलश ले कर टंडवा के सायल नदी में सबसे पहले गंगा मा पूजन करके नौ पवित्र बच्चियों के द्वारा जल उठाव का कार्यक्रम शुरू किया गया उनके बाद सारी। कल शास्त्रियों के द्वारा जल उठाओ का कार्यक्रम किया गया इस इस दुर्गा पूजा के अध्यक्ष कुंवर प्रसाद साहू सचिव राजेंद्र, महतो कोषाध्यक्ष बलराम साव वह उपाध्यक्ष विनोद कुमार राम, सह उपाध्यक्ष प्रमोद कुमार साव संरक्षक मुखिया पार्वती देवी संचालन कर्ता जयराम साव कलश यात्रा में उपस्थि पूर्व विधायक अंबा प्रसाद शामिल हुवे और दुर्गा पूजा के कमेटी के सभी सदस्य गण और जन प्रतिनिधि एवं बुद्धिजीवी लोग शामिल हुवे कलश यात्रा सायल नदी से जल उठाव कर पूरे सलगा गांव चार किलोमीटर पैदल भ्रमण किए उसके बाद सियानी दुर्गा मा के प्रांगण में कलश रखा गया। आज शाम से आरती का कार्यक्रम भव्य तरीके से किया जाएगा केरेडारी प्रखंड के विभिन्न गांव में दुर्गा पूजा का कलश यात्रा का कार्यक्रम किया जैसे केरेडारी, जोरदाग, पेटो, गार्री में गया इस कलश यात्रा यह त्यौहार हिंदुओं के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है और पूरे भारत में दुर्गा मा का पूजन होता है ग्राम सलगा में यह पांचवा साल दुर्गा पूजा पूर्ण हो रहा है।

संक्षिप्त खबरें

बरही में कलश स्थापना के साथ शुरू हुआ नवरात्र, कलश यात्रा में उमड़ी भीड़

बरही : बरही में श्रद्धा एवं भक्ति के साथ शारदीय नवरात्र की शुरूआत कलश स्थापना के साथ हुआ। नवरात्र के पहले दिन सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति धनबाद रोड, गया रोड, पटना रोड एवं करियातपुर, रसोइया धमना, गोरिया कर्मा, चतरो, बिजैया एवं बरसोत में धूमधाम से कलश यात्रा निकाली गई। सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति धनबाद रोड बरही द्वारा निकाली गई कलश यात्रा में बतौर मुख्य अतिथि विधायक मनोज कुमार यादव शामिल हुए। इस दौरान पूजा समिति अध्यक्ष अमित केशरी एवं पदाधिकारियों ने विधायक मनोज कुमार यादव को अंगवस्त्र देकर उनका स्वागत किया। विधायक यादव ने कलश यात्रा की शुरूआत महिलाओं को कलश सौंप कर किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि नवरात्र सिर्फ एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति और परंपरा का दर्पण है। कहा कि मां दुर्गा बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक हैं। हमें उनके आशीर्वाद से प्रेरणा लेकर समाज में फैली कुरीतियों, नशाखोरी और भेदभाव जैसी बुराइयों को मिटाने का संकल्प लेना चाहिए। मौके पर जिला परिषद उपाध्यक्ष किशुन यादव, विधायक प्रतिनिधि रमेश ठाकुर, पूजा समिति के अध्यक्ष अमित केशरी, भाजपा मण्डल अध्यक्ष भगवान केशरी, उदय केशरी, शिवा निषाद, विनोद केशरी, पप्पू केशरी, अभिषेक निषाद, शैलेन्द्र केशरी, बलराम केशरी, मुकेश मधेसिया, सुजीत सिंह, अध्यक्ष महेंद्र केशरी, रितेश मधेसिया, भुनेश्वर साव, अमित, सुरेश साव, राजेश केशरी, बबलू साव, अशोक केशरी, विजय साव, कैलास केशरी, पवन केशरी, बिरजू शर्म, सुधीर सिंह, चन्दन केशरी, राजकुमार रविदास, संतोष केशरी, अनिल जायसवाल, राजेंद्र भगत, डोमन पाण्डेय सहित कई अन्य श्रद्धालु जन उपस्थित थे।

अग्रसेन जयंती के भव्य शोभायात्रा का हजारीबाग यूथ विंग ने किया स्वागत

हजारीबाग : महाराजा अग्रसेन जयंती के शुभ अवसर पर मारवाड़ी अग्रवाल समाज द्वारा सोमवार को शहर में भव्य शोभायात्रा निकाली गई। इस शोभायात्रा का स्वागत हजारीबाग यूथ विंग ने महेश सोनी चौक के निकट बड़े ही उत्साह और श्रद्धाभाव के साथ किया। कार्यक्रम की शुरूआत महाराजा अग्रसेन की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर की गई। तत्पश्चात शोभायात्रा में शामिल श्रद्धालुओं पर पुष्पवर्षा की गई। उपस्थित लोगों के बीच पेयजल एवं जूस का वितरण किया गया। समाज के वरिष्ठ जनों एवं पदाधिकारियों को अंगवस्त्र एवं माला पहनाकर सम्मानित किया गया। मारवाड़ी अग्रवाल समाज ने हजारीबाग यूथ विंग की इस सेवा भावना और निष्ठा की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया। अग्रवाल युवा मंच की ओर से पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए संस्था को पौधा भेंटकर अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर संरक्षक चंद्र प्रकाश जैन ने कहा कि महाराजा अग्रसेन ने समाज को एकता, सेवा और समर्पण का जो मार्ग दिखाया, हम सभी को उसी मार्ग पर चलना चाहिए। हजारीबाग यूथ विंग जिस समर्पण से समाज और धर्म की सेवा कर रही है, वो हमेशा करते रहेगी। वहीं अध्यक्ष करण जायसवाल ने कहा कि हजारीबाग यूथ विंग की स्थापना का उद्देश्य ही समाज सेवा और धार्मिक आयोजनों में सक्रिय योगदान देना है। अग्रसेन जयंती जैसे पावन अवसर पर सेवा का अवसर मिलना हमारे लिए गर्व की बात है। आने वाले समय में संस्था और भी बड़े स्तर पर सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करेगी। इस मौके पर संस्था के संरक्षक चंद्र प्रकाश जैन, सचिव रितेश खण्डेलवाल,उपाध्यक्ष विकास तिवारी, संस्था के मार्गदर्शक जय प्रकाश खण्डेलवाल एवं संजय कुमार, कार्यकारिणी सदस्य रोहित बजाज,प्रमोद खण्डेलवाल,प्रणीत जैन,विवेक तिवारी,उदित तिवारी, गौरव कुमार सहित कई लोग उपस्थित रहे। हजारीबाग यूथ विंग ने आश्वस्त किया कि संस्था समाज और धर्म की सेवा के लिए हमेशा तत्पर रहेगी तथा सामाजिक सरोकारों में अपनी सक्रिय भूमिका हमेशा निभाते रहेगी।

शिक्षा को बढ़ावा एवं नशाखोरी के खिलाफ महासमिति चलाएगी जागरूकता अभियान : मो क्यूम

बरही : रसोइया धमना स्थित फूड प्लाजा में अल्पसंख्यक कल्याण महासमिति विधानसभा कोर कमिटी की बैठक हुई। अध्यक्षता अध्यक्ष मो क्यूम एवं संचालन तौकीर रजा ने किया। 20 सूत्री अध्यक्ष इकबाल रजा सहित कोर कमेटी के सभी सदस्य शामिल हुए। बैठक में समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर करने और समाज में शिक्षा को बढ़ावा देने का संकल्प लिया गया। अल्पसंख्यक कल्याण महासमिति के अध्यक्ष मो कैयूम ने संगठन विस्तार पर चर्चा करते हुए संगठन की मजबूती पर जोर दिया। उपाध्यक्ष हाजी नकीब खान ने कहा कि समाज में नशाखोरी और अशिक्षा एक गंभीर समस्या है। इसे दूर करने के लिए महासमिति को पंचायत स्तर पर बैठक करनी चाहिए। 20 सूत्री के अध्यक्ष इकबाल रजा ने कहा कि समाज में बढ़ रहे भेदभाव को दूर करने के बाद ही कामयाबी मिलेगी । पदमा के सचिव मो नईम जावेद ने कहा कि संगठन में युवाओं की अधिक भागीदारी होनी चाहिए। कानून की जानकारी देते हुए अधिवक्ता मो इम्तियाज अंसारी ने कहा कि आपसी लड़ाई झगड़े को ग्राम पंचायत में या थाना में बैठकर निपटारा कर सकते हैं। दीनी सलाहकार कारी मुस्ताक अहमद ने कहा कि बच्चों को पहले दीनी तालीम और फिर दुनियावी तालीम दें। दुनियावी तालीम के बिना शिक्षा अधुरी है। मो अतहर ने कहा कि तालीम में बेहतर परिणाम लाने वाले बच्चों पुरस्कृत कर उनकी हौसला अफजाई करनी चाहिए। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि प्रत्येक माह कोर कमेटी की बैठक होनी चाहिए, ताकि समाजिक समस्याओं को दूर किया जा सके।

बड़कागांव में कलश स्थापना के साथ अश्वनी दुर्गा पूजा नवरात्रा शुरू

बड़कागांव : सुख समृद्धि व शक्ति की देवी मां दुर्गे की कलश स्थापना के साथ बड़कागांव प्रखंड में अश्वनी दुर्गा पूजा नवरात्रा शुरू हो गया। सोमवार को प्रखंड के 12 गांवों के मंदिरों में मां दुर्गे की प्रतिमा स्थापित की गई है। पुरोहितों के द्वारा प्रथम दिन मां दुर्गे की अवतार शैलपुत्री की पूजा की गई। बड़कागांव प्रखंड के अंबाजीत, बड़कागांव दैनिक बाजार, नापो खुर्द, बादम, हरली, बरवाडीह , सांढ़, गोंदलपुरा, महुंगाई कला, शुकुल खपिया, उरीमारी, वहीं बड़कागांव थाना के समीप गुरु चट्टी बाजार प्रांगण में पूजा की जा रही है। बड़कागांव दैनिक बाजार दुर्गा मंदिर में अध्यक्ष दीपक महतो, सचिव राजू कुमार ,कोषाध्यक्ष सनी कुमार के नेतृत्व में पूजा की जा रही है।

एक नजर

पुलिस पेट्रोलिंग पार्टी पर फायरिंग हवलदार घायल

रांची : रांची के खलारी थाना क्षेत्र के निर्मल महतो चौक के पास रविवार देर रात अपराधियों ने पुलिस पेट्रोलिंग पार्टी पर अचानक फायरिंग कर दी। फायरिंग में खलारी थाना के हवलदार राम शरीफ शर्मा घायल हो गए। उन्हें इलाज के लिए राज हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। मिली जानकारी के अनुसार पुलिस पेट्रोलिंग पार्टी पर एक सफेद स्विफ्ट कार में सवार नकाबपोश अपराधियों ने हमला किया। उन्होंने छोटे हथियार से लगभग 3-4 राउंड गोलियां चलाईं, जिसमें एक गोली हवलदार राम शरीफ शर्मा के दाहिने पैर में लगी। गोली लगने के बाद उन्हें तुरंत पास के अस्पताल ले जाया गया। जहां से प्राथमिक उपचार कराने के बाद बेहतर इलाज के लिए रांची के राज हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। घटना की जानकारी मिलते ही कई थानों की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस अपराधियों को पकड़ने के लिए लगातार छापेमारी कर रही है। साथ ही कई लोगों से पूछताछ भी की जा रही है। पुलिस ने अब तक दो सफेद कारें जब्त कर ली हैं, जो इस घटना में शामिल हो सकती हैं। इसके साथ ही एक संदिग्ध व्यक्ति को भी हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। हालांकि, अभी तक फायरिंग के पीछे की वजह स्पष्ट नहीं हो पाई है। थाना प्रभारी जयदीप टोप्पो ने सोमवार को बताया कि पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

मध्यस्थता केंद्र में सुलझा पति और पत्नी का विवाद

रांची : मध्यस्थता केंद्र रांची की अधिवक्ता मध्यस्थ ममता श्रीवास्तव और प्रथम पक्ष के अधिवक्ता आरिफ इमाम एवं द्वितीय पक्ष के अधिवक्ता कुणाल श्रीवास्तव के संयुक्त प्रयास से पति और पत्नी के विवाद को सोमवार को सुलझा लिया गया। यह मामला न्यायायुक्त के न्यायालय में निष्पादन के लिए लंबित था। डालसा सचिव रवि कुमार भास्कर के निर्देश पर इसे मध्यस्थता के लिए अधिवक्ता मध्यस्थ ममता श्रीवास्तव को सौंपा गया। इस मामले में पत्नी गुलअफसा परवीन ने अपने पति इमरान हवारी सहित अन्य पर चुटिया थाना कांड संख्या 174/2025 दायर किया था। मामले में दोनों पति-पत्नी पिछले एक वर्ष से अलग रह रहे थे। अधिवक्ता मध्यस्थ ममता श्रीवास्तव और दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं की ओर से समझाने पर पति-पत्नी फिर से एक साथ रहने के लिए राजी हो गये। दोनों पूर्व के मन-मुटाव को भूलकर हंसी-खुशी जीवन यापन करेंगे। पति अपने पत्नी को मान-सम्मान देंगे और पत्नी के सभी खर्चों को वहन करेंगे। इस वाद को सुलझाने में अधिवक्ता मध्यस्थ ममता श्रीवास्तव और दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा। मौके पर डालसा सचिव रवि कुमार भास्कर ने इस फलता पर दोनों पक्षों को बधाई दी और आगे कलह एवं मामला दायर नहीं करने की सलाह भी दी।

धुर्वा के रामलीला मैदान में एक अक्टूबर तक होगी रामलीला

रांची : रांची के धुर्वा में सेक्टर-दो स्थित दिल्ली कैंटीन के पास रामलीला सांस्कृतिक समिति की ओर से 22 सितंबर से लेकर एक अक्टूबर तक रामलीला का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी सोमवार को समिति की ओर से दी गई। पदाधिकारियों की ओर से बताया गया कि अन्य वर्षों की भांति इस वर्ष भी रामलीला मैदान में दुर्गोत्व का भव्य आयोनि किया जा रहा है।इस पावन अवसर पर अनेक धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिनमें रामलीला भी शामिल है। समिति की ओर से धुर्वा में रामलीला का आयोजन पिछले कई वर्षों से हो रही है। रामलीला देखने के लिए लोगों की काफी भीड़ भी होती है।

अनुसूचित बहुल वार्डों में सुधार सुनिश्चित करे नगर निगम : लवकुश कुमार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के सदस्य लव कुश कुमार की अध्यक्षता में सोमवार को कचहरी स्थित राज्यकीय अतिथिशाला में रांची नगर निगम अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की हुई। बैठक में अनुसूचित जाति वर्ग के कर्मियों और नागरिकों को निगम स्तर पर दी जा रही सुविधाओं और कल्याणकारी योजनाओं ओर फोकस करने को कहा गया। इस अवसर पर आयोग के सदस्य लव कुश ने कहा कि रांची नगर निगम खास तौर पर अनुसूचित जाति नागरिक बहुल वार्डों में सड़क, बिजली और शुद्ध पेयजल की व्यवस्था का आकलन कर शीघ्र सुधार सुनिश्चित करें। आयोग के सदस्य ने निगम प्रशासन को निर्देश देते हुए कहा कि महिला उद्यमियों और वेंडर्स की स्किल डेवलपमेंट ट्रेनिंग नियमित रूप से कराई जाए ताकि वे बाजार की प्रतिस्पर्धा में टिक सकें। उन्होंने कहा कि जिन लाभुकों के आवेदन किसी योजना में अस्वीकृत हुए हैं, उनकी फाइलों की पुनः जांच कर लाभ दिया जाए। इसके अलावे आयोग सदस्य ने महिला स?वयं सहायता समूह की सदस्यों और वेंडर मार्केट के उद्यमियों से उनके ऋण प्राप्ति के बाद व्यवसाय की स्थिति की जानकारी ली। मौके पर लाभुकों ने बताया कि वे अपने व्यवसाय से जीवन-यापन कर रहे हैं और ऋण चुकाने में कोई कठिनाई नहीं हो रही है। कुमार ने सभी लाभुकों को आय का प्राथमिक उपयोग बच्चों के उत्तम भोजन और शिक्षा पर विशेष कार्य करने की सलाह दी। इसके पूर्व निगम प्रशासन ने आयोग सदस्य को निगम कर्मियों को वेतन के अतिरिक्त ईपीएफ, ईएसआईसी और सुरक्षा किट जैसी सुविधाएं देने, अनुसूचित जाति नागरिकों को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास उपलब्ध कराए जाने, डे-एनयूएलएम योजना के अंतर्गत पिंक ऑटो, दीदी कैंटीन, सोहराय पेंटिंग और वेंडर मार्केट जैसी परियोजनाओं के जरिए स्वरोजगार के अवसर दिए जाने संबंधित जानकारियां दी। उन्होंने राजधानी में पिंक ऑटो परियोजना की विशेष रूप से सराहना की। बैठक में निगम के प्रशासक सुशांत गौरव, अपर प्रशासक संजय कुमार, उप प्रशासक रविंद्र कुमार, उप प्रशासक गौतम प्रसाद साहू, सहायक प्रशासक, निगम के कर्मचारी और लाभुक मौजूद थे।

निगम कर्मियों की हड़ताल 25 को 24 को घेरेंगे श्रमायुक्त कार्यालय

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड नगर निकाय मजदूर यूनियन ने नगर निगम कर्मियों की मांगों को लेकर आंदोलन का बिगुल फूंक दिया है। यूनियन ने घोषणा की है कि आगामी 25 सितंबर को निगम कर्मी एक दिवसीय हड़ताल करेंगे। वहीं 24 सितंबर को दोपहर तीन बजे श्रमायुक्त कार्यालय का घेराव किया जाएगा। यह फैसला रविवार को पुराना विधानसभा मैदान में आयोजित सभा में लिया गया। यूनियन के अध्यक्ष भवन सिंह ने उक्त जानकारी देते हुए कहा कि निगम कर्मियों को अबतक वैधानिक छुट्टी, बोनस, स्थायीकरण, पहचान पत्र और वेतन पर्ची का अधिकार नहीं दिया गया है। जबकि दुकान प्रतिष्ठान अधिनियम और बोनस एक्ट 1965 के तहत यह अधिकार सुनिश्चित है। उन्होंने आरोप लगाया कि श्रम विभाग मजदूरों की समस्याओं को दूर करने के बजाय नगर प्रशासक की खुशामद में लगा है। भवन सिंह ने साफ कहा कि यदि 23 सितंबर तक बोनस और छुट्टी लागू करने का नोटिस जारी नहीं किया गया तो 24 तारीख से घेराव होगा। और यह आंदोलन तबतक जारी रहेगा जबतक कड़ी कार्रवाई कर अधिकार नहीं मिल जाते। सभा में महामंत्री प्रकाश टोप्पो ने निगम के प्रमाणिक जोनल अधिकारी पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि वह हर माह मजदूरों से 500 रुपये जबरन वसूलते हैं। उन्होंने मांग की कि इस अधिकारी पर तुरंत जांच बैठाकर कड़ी कार्रवाई की जाए और निलंबित किया जाए। टोप्पो ने चेतावनी दी कि यदि अगले माह भी मजदूरों से पैसा लिया गया तो यूनियन बड़ा कदम उठाएगी।

हेमन्त सरकार की लोकप्रियता से घबरा गए हैं बाबूलाल : विनोद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के महासचिव विनोद पांडेय ने कहा है कि विपक्ष हेमन्त सोरेन सरकार की बढ़ती लोकप्रियता से बौखला गया है। इसी कारण झूठ और अफवाहों का सहारा लिया जा रहा है। उन्होंने सोमवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी और अन्य नेताओं के आरोपों को बेबुनियाद बताया। पांडेय ने कहा कि मरांडी लूट और घोटाले के मनगढ़ंत किस्से गढ़कर मुख्यमंत्री और पुलिस महकमे को बदनाम करने का प्रयास कर रहे हैं, जो लोकतांत्रिक मयार्दाओं का उल्लंघन है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भाजपा नेताओं का उद्देश्य भ्रष्टाचार की जांच नहीं, बल्कि जनादेश से बनी सरकार की स्थिरता को नुकसान पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने हमेशा पारदर्शिता और जवाबदेही की मिसाल पेश की है। अगर किसी के पास कोई ठोस सबूत है तो वह जांच एजेंसियों को दे, लेकिन भाजपा केवल प्रेस बयान और सोशल मीडिया पोस्ट से जनता को गुमराह कर रही है। बच्चों के पोषण को लेकर लगाए गए आरोपों पर पांडेय ने पलटवार करते हुए कहा कि झारखंड में कुपोषण भाजपा के लंबे शासनकाल की देन है। हेमंत सरकार ने पोषण अभियान, आंगनबाड़ी केंद्रों के आधुनिकीकरण, पोषण आहार बजट बढ़ाने और सेविकाओं का मानदेय नियमित करने जैसे कई ठोस कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा को झूठे आरोपों से बाज आकर रचनात्मक सुझाव देने चाहिए। हेमंत सोरेन के नेतृत्व में राज्य विकास और सामाजिक न्याय के नए मानक स्थापित कर रहा है और सभी वर्गों के उत्थान के लिए योजनाएं तेजी से लागू हो रही हैं।

बिल्डर कमल भूषण हत्याकांड के तीन दोषियों को आजीवन कारावास की सजा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची के चर्चित बिल्डर कमल भूषण हत्याकांड के तीन दोषियों को अदालत ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। सोमवार को रांची सिविल कोर्ट के अपर न्यायायुक्त आनंद प्रकाश की अदालत ने यह सजा सुनाई है। अदालत ने हत्याकांड के मुख्य आरोपित डब्लू कुजूर, उसका पुत्र राहुल कुजूर और काविस अदनान को आजीवन कारावास की सजा सुनाने के साथ ही तीनों पर 10- 10 हजार रुपए का जुमार्ना भी लगाया है। जुर्माना की राशि नहीं देने पर छह माह की अतिरिक्त सजा काटनी होगी। अदालत ने 19 सितंबर को उक्त तीनों को दोषी करार दिया था, जबकि आरोपित सुशीला कुजूर और सरकारी गवाह मुनव्वर आफाक को साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया था। मामले में 10 जनवरी 2023 को आरोप तय हुआ था। 18 जून 2024 को अभियोजन पक्ष ने गवाही पूरी की थी। कुल 30 गवाहों को अदालत में पेश किया गया था। दरअसल, 30 मई 2022 को पिस्का मोड़ के देवी मंडप रोड के पास बिल्डर कमल भूषण की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। मामले में सुखदेव नगर थाना में (कांड संख्या 238/2022) दर्ज कराया गया था। घटना के बाद मृतक के बेटे पवन आर्या की ओर से पुलिस को दिए गए बयान में बताया गया था कि उसके पिता का वैसे तो कभी किसी से विवाद नहीं हुआ। लेकिन एक वर्ष पहले उनके पार्टनर डब्लू कुजूर का बेटा राहुल ने बहन यामिनी से शादी कर ली थी। इससे पिताजी नाराज थे। राहुल, डब्ल्यू कुजूर और छोटू कुजूर मेरे पिता को जान से मारने की धमकी देते थे। राहुल के इशारे पर ही हत्या हुई है। उल्लेखनीय है कि घटना के लगभग एक वर्ष पहले कमल भूषण की बेटी यामिनी ने देवी मंडप रोड निवासी राहुल कुजूर से प्रेम विवाह किया था। राहुल के पिता डब्लू कुजूर मधुकम निवासी कमल भूषण के साथ जमीन का कारोबार करते थे। इस वजह से राहुल का कमल भूषण के घर आना-जाना लगा रहता था। इसी दौरान राहुल और यामिनी के बीच प्रेम संबंध बन गया। कमल ने राहुल को बेटी से दूर रहने के लिए भी बोला था, पर वो नहीं माना। इसके बाद दोनों ने दिल्ली जाकर कोर्ट में शादी कर ली थी। तब से कमल भूषण बेटी और दामाद से नाराज चल रहे थे।

भाजपा के पास सिर्फ कहानियां जनता गुमराह नहीं होगी : कांग्रेस

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी की ओर से मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और राज्य पुलिस पर लगाए गए ताजा आरोपों पर प्रदेश कांग्रेस ने कहा कि भाजपा नेताओं की राजनीति अब जनता की समस्याओं और जमीनी मुद्दों से कट चुकी है। यही कारण है कि वे आए दिन झूठ और कल्पना पर आधारित बयान देकर राज्य की राजनीति को भ्रमित करने का प्रयास कर रहे हैं। कमेटी के महासचिव अलोक कुमार दुबे ने सोमवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि भाजपा का पूरा प्रयास सिर्फ. यह दिखाना है कि झारखंड में विकास का काम रुक गया है, जबकि सच्चाई यह है कि मौजूदा सरकार ने शिक्षा, स्वास्थ्य, किसान कल्याण और युवाओं के रोजगार में लगातार सकारात्मक काम किया है। भाजपा नेताओं को यह हजम नहीं हो रहा कि जनता ने उन्हें नकार दिया और गठबंधन सरकार पर भरोसा जताया। अब झूठे आरोप लगाकर जनता के मन में संशय पैदा करने की नाकाम कोशिश हो रही है।

राज्य की संपत्ति लूटने वालों को सरकार दे रही है संरक्षण : बाबूलाल मरांडी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने राज्य के मुख्यमंत्री और पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) पर राज्य की संपत्ति को लूटने वाले और अवैध गतिविधियों को अंजाम देने वालों को संरक्षण देने का आरोप लगाया। मरांडी ने सोमवार को सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि समाचारों से पता चल रहा है कि फिलहाल जमानत पर बाहर रामगढ़ पुलिस का वांटेड राजेश राम डीजीपी के कार्यालय में लगातार आता-जाता रहा, लेकिन पुलिस ने उसे कभी गिरफ्तार ही नहीं किया। उन्होंने कहा कि पहली बार जब राजेश राम गिरफ्तार हुआ था, उसके बाद इंस्पेक्टर गणेश सिंह ने भुरकुंडा थाना प्रभारी से बात की थी। यह शायद वही गणेश हैं, जिन्हें अवैध डीजीपी का वरदहस्त प्राप्त है, या यूं कहें तो अवैध डीजीपी के अवैध संसाधनसंग्रहकताओं की टीम के प्रमुख सदस्य हैं। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि एक वायरल ऑडियो के मुताबिक पुलिस मुख्यालय में तैनात,अवैध डीजीपी अनुराग गुप्ता के करीबी माना जाने वाला सिपाही रंजीत राणा ने ओडिशा के उसी कारोबारी से संपर्क करने का प्रयास किया, जिससे राजेश राम ने कथित रूप से 65 लाख रुपये की वसूली की। उन्होंने कहा कि उपरोक्त बातें सभी को कोई फिल्मी स्क्रिप्ट जैसा दिखाई देता होगा, लेकिन यह हकीकत है। राजेश, गणेश, राणा, दीपक जैसे कई और महारथी तो इस महालूट के किरदार मात्र हैं, जो मुख्यमंत्री और डीजीपी के इशारे पर अपने-अपने हिस्से के गैरकानूनी गतिविधियों को अंजाम दे रहे हैं। मरांडी ने कहा कि हेमंत सोरेन को मेरे एक मई 2025 का यह ट्वीट संज्ञान में होगा। अगर भूल गये हों, तो फिर से देख लें और फिर यह बताएं कि इन अवैध वसूलियों में उनकी कितनी हिस्सेदारी है। उन्होंने कहा कि शराब घोटाले में समय पर चार्जशीट दाखिल न कर छत्तीसगढ़ से लेकर एनसीआर दिल्ली तक जिन धनपशु माफियाओं को जमानत दिलवायी गयी, उसमें सौ करोड़ से भी ज्यादा के वारे-न्यारे होने की चर्चा है। इसमें मुख्यमंत्री को कितना शेयर मिला और अगर नहीं मिला तो चार्जशीट दाखिल न कर पाने के ज़िम्मेवार किन अफसरों पर उन्होंने कठोर कार्रवाई की और उन्हें क्या सजा मिली? भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि आज से करीब 30 साल पहले जब तकनीक विकसित नहीं हुई थी, तब भी जांच एजेंसियों ने चारा घोटाले का पदार्फाश कर घोटालेबाजों को कड़ी सजा दिलाने का काम किया था। अब तो तकनीक काफी आगे जा चुकी है। आप यह कैसे मान बैठे हैं कि आप जो मर्जी सो लूटते रहेंगे और मंहगे वकीलों के दम पर हर बार बच ही जायेंगे। कहीं लिखकर रख लीजिये। भले ही थोड़ा वक्त लगे, लेकिन इन महाघोटालों के लिये देर सबेर आप पकड़े जायेंगे और सजा भी होगी।

संक्षिप्त खबरें

कलश यात्रा के साथ शुरू हुआ छप्पन सेट दुगार्पूजा समिति का दुर्गोत्सव

रांची : छप्पन सेट दुर्गा पूजा समिति रांची की ओर से सोमवार को डोरंडा में 62वें दुर्गोत्सव का आगाज भव्य कलश शोभायात्रा के साथ शुरू हुआ। शारदीय नवरात्र की पावन बेला में सुबह नौ बजे समिति के मुख्य संरक्षक आलोक कुमार दूबे, संरक्षक कपिल देव सिंह, अध्यक्ष गौतम दुबे गोपी, सचिव रितेश सिंह और मनोज सिंह के नेतृत्व में कलश यात्रा नेपाल हाउस, राजेंद्र चौक होते हुए बटम तालाब पहुंची। वहां से श्रद्धालुओं ने पवित्र जल भरकर संकल्प किया। वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच मंदिर परिसर में कलश स्थापना संपन्न की। इस अवसर पर मुख्य संरक्षक आलोक कुमार दूबे ने कहा कि छप्पन सेट दुर्गा पूजा केवल आस्था का केंद्र नहीं, बल्कि समाज में एकता और भाईचारे का प्रतीक है। 62 वर्षों से यह पूजा नई पीढ़ी को संस्कृति और परंपरा से जोड़ने का कार्य कर रही है। समिति के अध्यक्ष गौतम दुबे ने जानकारी दी कि इस बार पूजा पंडाल विशेष थीम पर सजा है। विद्युत सज्जा, भजन-कीर्तन और सांस्कृतिक कार्यक्रम श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र होंगे। भव्य कलश शोभायात्रा में महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा में कलश और नारियल उठाकर हिस्सा लिया, वहीं बच्चे और युवा ढोल-नगाड़ों, शंखध्वनि और मां के जयकारों से वातावरण भक्तिमय बनाते रहे। भीड़ उमड़ने से पूरा इलाका आस्था के रंग में रंग गया। कलश स्थापना और पूजन कार्यक्रम में मुख्य रूप से गुड़िया सिंह, शोभा सिंह, छाया अम्बष्ट, पुष्पांजलि सिंह, निशा कुमारी, मेंहुल दूबे, विकास कुमार सहित अन्य श्रद्धालु मौजूद थे।

बच्चों का निवाला छीन रही है सरकार : राफिया नाज

रांची : भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने झारखंड में बच्चों के पोषण को लेकर राज्य की हेमंत सोरेन सरकार पर निशाना साधा है। प्रदेश भाजपा की प्रवक्ता राफिया नाज ने राज्य सरकार से आंगनबाड़ी पोषण आहार की राशि बढ़ाने, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का समय पर भुगतान करने और कुपोषित बच्चों की पहचान कर उनके लिए विशेष पोषण योजनाएं लागू करने की मांग की है। भाजपा प्रवक्ता राफिया ने कहा कि हेमंत सरकार की प्राथमिकताएं बच्चों के पोषण की बजाय अपनी छवि चमकाने और सत्ता सुख भोगने पर केंद्रित हैं। राज्य में लगभग 45 प्रतिशत बच्चे अभी भी कुपोषण का शिकार हैं, हर चौथे बच्चे की आँखों में भूख की छाया है। लेकिन राज्य सरकार ने इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठा रही है। उन्होंने कहा कि हर बच्चे का हक है कि वह स्वस्थ, ताकतवर और खुशहाल जीवन जिए। इसे नजरअंदाज करना स्वीकार्य नहीं है। राफिया ने कहा कि राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस-5) के अनुसार,झारखंड में 42.9 प्रतिशत बच्चे कम वजन वाले हैं, 39.6 प्रतिशत बच्चे कद में छोटे हैं और 29.5 प्रतिशत बच्चे कुपोषित और कमजोर हैं। यह स्थिति राष्ट्रीय औसत से कहीं अधिक खराब है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब बच्चों की असली भूख को नजरअंदाज किया जा सकता है, तो विज्ञापन और वीआईपी सुविधाओं पर खर्च करना किसलिए जरूरी है? राज्य सरकार के पास विधायकों और मंत्रियों को सुख-सुविधा, बंगले और गाड़ियां देने के लिए पैसा है, लेकिन बच्चों के पोषण की बारी आती है, तो सरकार खामोश हो जाती है। यह सरकार की संवेदनहीनता और दोहरे रवैये का परिचायक है। राफिया ने कहा कि झारखंड की आंगनबाड़ी सेविकाओं और सहायिकाओं को महीनों से मानदेय का भुगतान नहीं हुआ है। ये महिलाएं अपने घरों का खाना तक छोड़कर बच्चों और गर्भवती महिलाओं के लिए रोज मेहनत करती हैं, लेकिन जब इन्हें उनकी मेहनत का हक देना हो, तो सरकार सुनवाई नहीं करती। ऐसे में बच्चे और गर्भवती महिलाएं सीधे प्रभावित हो रही हैं। यह संवेदनहीनता की हद है। राफिया ने कहा भारतीय जनता पार्टी राज्य के बच्चों के हितों के साथ कोई समझौता नहीं करेगी। उन्होंने राज्य सरकार से आंगनबाड़ी पोषण आहार की राशि में तुरंत बढ़ोतरी करने, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का समय पर भुगतान करने और कुपोषित बच्चों की पहचान कर उनके लिए विशेष पोषण योजनाएं लागू करने की मांग की।

स्वस्थ नारी और सशक्त भारत अभियान में राज्यों को मिला प्रशिक्षण

रांची : देशभर के चलाए जा रहे स्वस्थ नारी, सशक्त भारत अभियान के तहत सोमवार को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय, नई दिल्ली की ओर से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक आयोजित की गई। बैठक में देशभर से लगभग ढाई हजार से अधिक प्रतिनिधि जुड़े। बैठक में अभियान के अंतर्गत बनाए गए डैशबोर्ड को लेकर विस्तार से चर्चा की गई और बताया गया कि डेटा को किस प्रकार समय पर और सही तरीके से अपडेट किया जाए। इसके साथ ही सभी राज्यों को तकनीकी प्रशिक्षण भी दिया गया। ताकि अभियान के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों की प्रभावी मॉनिटरिंग सुनिश्चित हो सके। झारखंड से राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, जीवीआई कैंपस, नामकुम से अभियान निदेशक शशि प्रकाश झा अपनी टीम के साथ बैठक में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने राज्य में चल रहे अभियान की प्रगति और उपलब्धियों पर विस्तार से चर्चा की और भविष्य की कार्ययोजना के बारे में बताया। यह अभियान 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक पूरे देश में संचालित किया जा रहा है। स्वस्थ नारी झ सशक्त परिवार अभियान का उद्देश्य महिलाओं और बच्चों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं तक बेहतर पहुंच उपलब्ध कराना, मातृ और शिशु मृत्यु दर में कमी लाना एवं जन-जन को स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता से जोड़ना है।

अधिवक्ता परिषद का उद्देश्य न्याय क्षेत्र में मानव सेवा करना : राजेंद्र

रांची : अधिवक्ता परिषद व्यवहार न्यायालय रांची इकाई सह टैक्सेशन इकाई की ओर से अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद का 34वां स्थापना दिवस हेमसी बिल्डिंग, कचहरी रोड में सोमवार को धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर बिहार और झारखंड राज्य के बतौर विशिष्ट अतिथि संगठन आयाम के प्रमुख राजेंद्र कुमार मिश्रा ने कहा कि अधिवक्ता परिषद का मूल उद्देश्य न्याय के क्षेत्र में मानव सेवा करना है। साथ ही उन्होंने परिषद की स्थापना की पृष्ठभूमि, संगठन के विभिन्न आयाम और आगामी कार्यक्रमों की जानकारी भी विस्तार से साझा की। यह जानकारी परिषद के प्रांत मीडिया प्रभारी रितेश कुमार बॉबी ने दी। उन्होंने बताया कि व्यवहार न्यायालय रांची के अध्यक्ष प्रदीप कुमार चौरासिया ने आगंतुकों का स्वागत किया। महामंत्री विजय कुमार पांडेय ने कार्यक्रम का संचालन किया, जबकि विषय प्रवेश हेमंत गुप्ता ने किया। कार्यक्रम में डॉ भीम महतो, प्रमोद गुप्ता, हराधन प्रमाणिक, लक्ष्मण कुमार, सत्येंद्र नाथ गंझु, मनोज कुमार, आरती लालन गुप्ता, अनामिका शर्मा, जयंती मिंज, सुधीर श्रीवास्तव, परशुराम, रामकृष्ण भगत, एसपी चटर्जी, किशन महेश्वरी, बीके राय, कृष्ण कुमार, विनय प्रसाद, विरेंद्र कुमार पांडेय, अरविंद काश्यप, संजीव कुमार पाठक सहित अन्य अधिवक्ता मौजूद थे।

चोरी की घटनाओं का पुलिस ने किया उद्भेदन, सात गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : जिले में बीते दो महीनों के अंदर विभिन्न थाना क्षेत्रों में हुए चोरी की घटनाओं का पुलिस ने खुलासा किया है। चोरी की घटनाओं में शामिल सात आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है। इस बाबत कोडरमा एसपी अनुदीप सिंह ने सोमवार को नवलशाही थाना में प्रेस वार्ता कर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बीते कुछ महीनों से हो रही चोरी की घटनाओं और दुर्गा पूजा के मद्देनजर जिले भर में विधि व्यवस्था बनाए रखने और अन्य अपराधिक घटनाओं पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से जिले के सभी थाना प्रभारियों को गश्ती बढ़ाने एवं अपराधियों की गतिविधियों पर कड़ी नजर रखने का निर्देश दिया गया था। इसी के मद्देनजर शनिवार की रात नवलशाही थाना पुलिस की ओर से क्षेत्र में गश्ती की जा रही थी। इस दौरान एक मोटरसाइकिल पर सवार तीन संदिग्ध युवकों को खटोलिया क्रेशर मंडी के पास देखा गया। उक्त तीनों युवक पुलिस गश्ती दल को देखते ही भागने लगे। इसके बाद गश्ती दल ने पीछा करते हुए तीनों युवकों को पकड़ लिया और उनके पास से एक बोरा भी बरामद किया। उक्त बोरे को खोल कर देखा तो उसमें ताला तोड़ने सहित अन्य कई प्रकार के औजार बरामद हुए। इसके बाद उनसे कड़ाई से पूछताछ करने पर उन्होंने बताया कि वे लोग खटोलिया क्रेशर मंडी में चोरी के लिए गए हुए थे। वहीं उनके पास से बरामद मोटरसाइकिल भी चोरी की है। पूछताछ में उन्होंने बताया कि बीते कुछ महीनों से हो रही चोरी की घटनाओं को ये लोग ही अंजाम दे रहे थे। इन घटनाओं में इनके 8-10 अन्य साथी भी शामिल हैं। इधर घटना की जानकारी मिलते ही एसपी अनुदीप सिंह ने एसडीपीओ अनिल सिंह के नेतृत्व में एक विशेष दल का गठन किया और गिरफ्तार अभियुक्तों से गहनता से पूछताछ की। इसमें उनकी ओर से विभिन्न थाना क्षेत्रों में चोरी की घटना को अंजाम देने वाले उसके अन्य साथियों की जानकारी प्राप्त कर उन्हें भी गिरफ्तार किया गया। इस बाबत नवलशाही थाना कांड संख्या 87/25 दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। वहीं गिरफ्तार लोगों में प्रभु मलहार (25), विशाल मलहार (20), सचिन मलहार (18), अरुण मलहार (40), रामु मलहार (18), मुन्ना मलहार (18) और मिथलेश मलहार (22) शामिल हैं। इनके पास से चार पहिया वाहन (टाटा सफारी) एक, पिकअप वाहन एक, ऑटो 2, मोटरसाईकिल सात एवं चांदी का आभूषण, नगद रुपया, मोबाईल और अन्य कई प्रकार के पीतल बर्तन, घंटी, गैस सिलेंडर, मोबाइल बरामद किया गया।

एक नजर

जैनामोड़ तुपकाडीह मेनरोड के मरम्मती का काम शुरू

बोकारो : विगत तीन माह से लगातार हुए बारिश के कारण जैनामोड़ फुसरो मेनरोड में बन गए गड्ढों को गिट्टी व पत्थर डस्ट से भरकर समतल करने का काम सोमवार को तुपकाडीह से शुरू किया गया। संवेदक ने बताया कि पूजा के कारण फिलवक्त काम किया जा रहा है। जैनामोड़ से डुमरी तक के रोड का निर्माण नवम्बर माह से होगा। इधर बाजारवासियों का कहना है कि भरे जा रहे डस्ट के सुख जाने के बाद उड़ने वाले धूल से दुकान में रहना मुश्किल हो जाता है।

डीएवी पब्लिक स्कूल में नवरात्रि के प्रथम दिवस पर नवदुर्गा की झांकी

बोकारो : शारदीय नवरात्रि की शुभागमन के साथ आदिशक्ति जगत जननी मां भगवती के नौ रूपों के पूजा अर्चना का शुभ मांगलिक कार्य आरंभ हो जाता है। डीएवी सेक्टर-4 के प्रार्थना सभा में नवरात्र का प्रथम दिन कलश स्थापना दिवस के पावन शुभावह अवसर पर प्राथमिक पाली के बालिकाओं के द्वारा मां के नौ रूपों की झांकियां प्रस्तुत की गई। नवदुर्गा के नौ रूप में सजी-धजी बालिकाएं माता दुर्गे के दिव्य,भव्य और अत्यंत नैनाभिरामी स्वरूप को मानो सजीव रूप प्रदान कर धरावासियों का कल्याण करने हेतु उर्वी पर उतर आई हो। हर बालिका अपनी वेशभूषा और रूप सज्जा से शक्ति स्वरूपिणी माँ के हर स्वरूप को देदीप्यमान कर रहीं थी। कक्षा 1/ए की सुधि यादव माँ शैलपुत्री, 1/बी की प्रियांशी सुमन माँ ब्रह्मचारिणी, 1/सी की वेदिका सोनी माँ चंद्रघंटा,1/डी की सौम्या कुमारी माँ कुष्मांडा , 2/ए की आरीन माँ स्कंदमाता, 2/बी की क्षितिजा मुदित मां कात्यायनी , 2/सी की पी भी अन्नया माँ कालरात्रि, 2/डी की श्रुति कुमारी माँ महागौरी और 4/सी की नव्या साहू माता सिद्धिदात्री के रूप में नवदुर्गा की झाँकी में प्रस्तुत हुई। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य श्री एसके मिश्रा ने कहा कि नवरात्र महोत्सव मानव जीवन में शक्ति, भक्ति ,साधना और अंतस उत्थान का पुनीत काल होता है जहां माता के नवरूपों की आराध्या उपासना के द्वारा हम अपने दैनिक जीवन शैली में सात्विक गुणों ,सकारात्मकता, सामाजिक सौहार्द , नैतिक मूल्यों और आध्यात्मिक शांति का परिवर्धन करते हैं।

डांडिया महोत्सव को सुरक्षित बनाने हेतु नागरिक सुरक्षा की कार्यशाला आयोजित

बोकारो : सोमवार को डांडिया महोत्सव को शांतिपूर्ण और सुरक्षित बनाने की दिशा में समाहरणालय सभागार में नागरिक सुरक्षा बोकारो की ओर से एक दिवसीय प्रशिक्षण एवं कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें चास एवं बोकारो के विभिन्न डांडिया कार्यक्रमों के आयोजक शामिल हुए। दीप प्रज्वलन से हुई कार्यशाला की शुरूआत कार्यशाला का उद्घाटन चास अनुमंडल पदाधिकारी सुश्री प्रांजल ढ़ांडा, सिविल डिफेंस के डिविजनल वार्डन डॉ. एस. पी. वर्मा और आकाश अस्पताल के आकस्मिक चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. निशांत कुमार ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। शांतिपूर्ण आयोजन पर दिया जोर अनुमंडल पदाधिकारी सुश्री प्रांजल ढ़ांडा ने आयोजकों से कहा कि डांडिया उत्सव को सांस्कृतिक सौहार्द और शांति के माहौल में आयोजित किया जाए।

शारदीय नवरात्र में महिला शक्ति का उत्साह आलोक मैदान में हुई कलश स्थापना

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : शारदीय नवरात्र के पावन अवसर पर सेक्टर 9 स्थित गायत्री मंदिर के सामने आलोक मैदान में श्री श्री माँ अंबे दुर्गा पूजा समिति, उत्तरी विस्थापित क्षेत्र द्वारा विधिविधान एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ कलश स्थापना की गई। माता रानी के जयकारों से पूरा माहौल भक्तिमय हो उठा और नौ दिनों के पूजा-अर्चना की शुरूआत हो गई ।इस बार पूजा समिति ने नई मिसाल कायम करते हुए महिला संजोयक मंडली को अहम जिम्मेदारी सौंपी है। समिती का मानना है कि जब हम शक्ति स्वरूपा मां की आराधना करते हैं तो महिलाओं को भी नेतृत्व का अवसर मिलना जरूरी है। इस पहल से महिलाओं में उत्साह और उमंग देखने को मिली। महिला सचिव रूबी सिंह ने बताया कि पूजा समिति के अध्यक्ष दीपू मोदी ने महिलाओं पर पूरा भरोसा जताते हुए जिम्मेदारियां सौंपी हैं। उन्होंने कहा कि हम सभी मिलकर इस विश्वास पर खरा उतरने का प्रयास करेंगे। वहीं मेला प्रभारी के रूप में भी महिलाओं को दायित्व दिया गया है ताकि महिला श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े। पंडाल के अंदर सुरक्षा व्यवस्था और प्रशासनिक निर्देशों का पालन भी महिलाओं द्वारा सुनिश्चित किया जाएगा। पदभार ग्रहण करने वाली महिलाएं अध्यक्षः सरिता जी महिला सचिवः छोटी रूबी सिंह कोषाध्यक्षः रूबी रूबी सिंहमहामंत्रीः किरण जी उपाध्यक्षः ममता सिंह उप सचिवः पल्लवी कुमारी मेला प्रभारीः सविता देवी मीडिया प्रभारीः दीपिका जैनउप सचिवः संजू पूजा पंडाल का वातावरण भक्ति और महिला सशक्तिकरण का अनूठा संगम बन गया है।

बोकारो स्टेशन पर आरपीएफ की बड़ी कार्रवाई, ट्रेन से 45 किलो गांजा बरामद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : आरपीएफ पोस्ट बोकारो की टीम ने सोमवार को नशे के कारोबार पर बड़ी चोट करते हुए रेलवे स्टेशन से 45.280 किलोग्राम गांजा बरामद किया। जब्त मादक पदार्थ की अनुमानित कीमत करीब 4 लाख 52 हजार 800 रुपये बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, मंडल सुरक्षा आयुक्त आद्रा डिवीजन ओम प्रसाद मोहंती के निर्देश पर की गई जांच के दौरान ट्रेन संख्या 13352 के कोच एस-3 से तीन लावारिस ट्रॉली बैग बरामद किए गए। सभी बैग संदिग्ध अवस्था में पड़े थे, जिन्हें यात्रियों की मौजूदगी और ट्रेन के टीटीई प्रशांत कुमार की उपस्थिति में जब्त किया गया।आरपीएफ पोस्ट कमांडेंट संतोष कुमार के नेतृत्व में एसआई अरुणा उरांव, एएसआई मुकेश कुमार सिंह, एएसआई आशीष रंजन और एएसआई डी.के. द्विवेदी इस जांच में शामिल थे। सीआईबी यूनिट आद्रा की टीम भी संयुक्त रूप से अभियान में मौजूद रही।जीआरपी की मौजूदगी में जब बैगों की स्कैनिंग कराई गई तो उनमें गांजे की खेप पाई गई। इसके बाद बैगों को खोला गया, जिसमें– ट्रॉली बैग नंबर 1 (काला रंग) से 15 बंडल, वजन 15.120 किग्राट्रॉली बैग नंबर 2 से 15 बंडल, वजन 15.040 किग्राट्रॉली बैग नंबर 3 से 15 बंडल, वजन 15.120 किग्राइस तरह कुल 45.280 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया। पूरी कार्रवाई आरपीएफ अधिकारियों और जीआरपी बोकारो की मौजूदगी में पूरी की गई।बरामद गांजे को विधिवत पावती के साथ जीआरपी बोकारो को सौंप दिया गया है। फिलहाल इस मामले में कानूनी कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू की जा रही है।

एनसीसी कैडेट्स का आठवां दिन रहा जोश और अनुशासन से भरपूर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

झुमरी तिलैया : ग्रुप हैडक्वार्टर हजारीबाग के अंतर्गत 45 झारखंड बटालियन एनसीसी, कोडरमा के कमान अधिकारी कर्नल विजय कुमार के कुशल नेतृत्व में राजकीय पॉलिटेक्निक कोडरमा परिसर में चल रहे 10 दिवसीय संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर का आठवां दिन अनुशासन, जोश और उत्साह से भरा रहा। विभिन्न जिलों से आए 600 एनसीसी कैडेट्स को संबोधित करते हुए कमान अधिकारी ने कहा कि शिविर का उद्देश्य कैडेट्स को व्यापक प्रशिक्षण, अनुशासन, नेतृत्व गुणों का निर्माण एवं राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना जागृत करना है। प्रशिक्षण के दौरान भारतीय सेना के सूबेदार एवं परमानेंट इंस्ट्रक्टर द्वारा कैडेट्स को ड्रिल, मैप रीडिंग, वेपन ट्रेनिंग, फील्ड क्राफ्ट, बैटल क्राफ्ट एवं टेंट पिचिंग का कठोर प्रशिक्षण दिया गया। सूबेदार जतरू तिर्की और उनकी टीम ने सेक्शन बैटल ड्रिल का डेमो प्रस्तुत कर कैडेट्स को युद्ध कौशल से अवगत कराया। वहीं, विभिन्न स्कूल एवं कॉलेज से आए एनसीसी ऑफिसर्स अरुण कुमार पाल, पंकज मालाकार, विजेंद्र कुशवाहा, रंजीत यादव और सत्यानंद यादव ने आपदा प्रबंधन, एनसीसी संगठन, आर्मी के रैंकों की जानकारी तथा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर विशेष वर्ग कार्य संचालित किया। साइबर थाना के अधिकारी सब इंस्पेक्टर अभिमन्यु परिहार एवं टेक्निकल सेल के अक्षय कुमार ने कैडेट्स को साइबर ठगी और साइबर क्राइम से बचने के उपायों की विस्तृत जानकारी दी। कैंप के डिप्टी कैंप कमांडेंट एवं व्याख्याता लेफ्टिनेंट संतोष कुमार के मार्गदर्शन में गर्ल्स कैडेट इंस्ट्रक्टर्स शिवानी शर्मा, बुल्टी झा और शिखा एवं सभी एनसीसी ऑफिसर कैडेट्स को सांस्कृतिक कार्यक्रम हेतु सामूहिक गान, नृत्य और राष्ट्रभक्ति गीतों की तैयारी कराई जा रही है। सूबेदार मेजर अरविंद कुमार ने कैडेट्स की साफ-सफाई एवं अनुशासन पर विशेष ध्यान दिया।

दुगार्पूजा शांति व सौहार्द पूर्ण मनाने को लेकर शांति समिति की हुई बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

मरकच्चो : शारदीय दुगार्पूजा त्यौहार शांति व सौहार्द के साथ बनाए जाने को लेकर सोमवार को मरकच्चो थाना परिसर में शांति समिति की बैठक की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रखण्ड विकास पदाधिकारी हुलास महतो ने की जबकि संचालन उत्तरी पंचायत के मुखिया रणजीत कुमार सिंह ने किया। बैठक में मुख्य रूप से प्रमुख विजय कुमार सिंह,इंस्पेक्टर विनोद कुमार, थाना प्रभारी मरकच्चो नन्दकिशोर तिवारी उपस्थित थे। बैठक को सम्बोधित करते थाना प्रभारी नन्दकिशोर तिवारी ने दुर्गा पूजा को लेकर उपस्थित दोनों समुदाय के प्रबुद्ध ग्रामीणों को बधाई दी। इस दौरान उन्होंने दोनों समुदाय के लोगों को त्योहार मिल जुल कर शांति एवं शौहार्द पूर्ण वातावरण में मनाने की अपील की। डीजे पर पूर्ण रूपेण प्रतिबंध रहेगा तो रहेगा। हाई कोर्ट का आदेश है। कंही कोई पंडाल में डी जे नहीं बजेगी। शराब बेचने व शराब पीने वाले से सख्ती से निपटा जायगा। परेशानी हो तो तुरन्त सूचना दें। प्रखण्ड विकास पदाधिकारी हुलास महतो ने अपने सम्बोधन में सबों को जोहार करते हुवे पूजा की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि डी जे पर प्रतिबंद रहेगी। रात में विसर्जन से बचें। शाम होते होते विसर्जन करने की बात कही। शोसल मीडिया पर आपत्ति जनक पोस्ट करने से बचें। बैठक प्रमुख विजय कुमार सिंह, खलील अंसारी, जितेंद्र यादव, प्रकाश राम, धानेश्वर यादव, कौशल कुमार गुप्ता,हीरालाल साव, बलदेव दास, समेत कई गणमान्य लोगों ने भी सम्बोधित किया। इस दौरान मौजूद लोगों ने दुगार्पूजा के दौरान पुलिस गश्ती तेज करने, शराब पर पूर्ण पाबंदी, शोभायात्रा के दौरान डीजे पर उत्तेजक गानों पर पूर्ण पाबंदी पर आम सहमति बनाई गई।

शारदेय नवरात्रि की धूम, पंडाल सजाने में जुटे कारीगर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : बोकारो में शारदेय नवरात्रि की तैयारी पूरे जोर-शोर से चल रही है। मां दुर्गा की पूजा को लेकर जिले के विभिन्न इलाकों में भव्य पंडाल तैयार किए जा रहे हैं। सेक्टरों से लेकर अन्य प्रमुख इलाकों तक पंडाल निर्माण अपने अंतिम चरण में है और कारीगर दिन-रात सजावट में लगे हुए हैं। सेक्टर 9 के पटेल चौक कबड्डी मैदान का पूजा पंडाल इस बार सबसे खास आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। करीब 10 कारीगर, जिनमें बंगाल और बोकारो के स्थानीय कारीगर शामिल हैं, इस पंडाल को विशेष अंदाज में तैयार कर रहे हैं। यह पंडाल पूरी तरह से बांस की चटाई से बनाया जा रहा है, जो अपनी अनोखी कलाकारी और संस्कृति का परिचय देता है। खास बात यह है कि इस पंडाल के निर्माण में बंगाल से आए मुस्लिम कारीगर भी शामिल हैं। कारीगर कलीम अंसारी ने बताया कि बंगाल और बोकारो के सहयोग से यह पंडाल बनाया जा रहा है और यह आपसी सौहार्द की मिसाल पेश करता है। आयोजकों ने भी कहा कि इस बार पंडाल की बनावट और भव्यता कुछ अलग है। इसी तरह वैशाली मोड़, सेक्टर 9 का पूजा पंडाल भी आकर्षण का केंद्र बन रहा है। वहां की पूजा समिति ने जानकारी दी कि इस बार पंडाल को विशेष रूप में सजाया गया है, जिसकी रौनक नवरात्रि के दौरान देखने लायक होगी।वहीं, बसंती मोड़ से महुआर की ओर स्थित कूलिंग पौंड के पास भी भव्य पंडाल का निर्माण किया जा रहा है। आयोजकों ने बताया कि वे लंबे समय से यहां पूजा करते आ रहे हैं, लेकिन इस साल का आयोजन खास और यादगार रहेगा। जिलेभर में पंडालों की सजावट और तैयारी को देखते हुए अनुमान लगाया जा रहा है कि इस बार नवरात्रि का जश्न बोकारो वासियों के लिए और भी भव्य और ऐतिहासिक साबित होगा।

संक्षिप्त खबरें

देवी मंडप में कलश स्थापना के साथ शारदीय नवरात्रि की धूम

कोडरमा : सोमवार से शारदीय नवरात्रि की शुरूआत हो चुकी है। वहीं झुमरी तिलैया के प्रसिद्ध देवी मंडप में पहले दिन भगवती जगदम्बा के पहले स्वरूप मां शैलपुत्री की पूजा धूम धाम से की गई। खास बात यह है कि इस बार नवरात्रि पूरे 9 दिन नहीं बल्कि 10 दिन की होगी। चतुर्थी तिथि दो दिन रहेगी, यानि 25 और 26 सितंबर दोनों दिन चतुर्थी मानी जाएगी। इसी कारण दसवां दिन भी नवरात्रि में शामिल हो गया। नवमी 1 अक्टूबर होगी और विजयादशमी 2 अक्टूबर को होगी। वहीं सोमवार को मां दुर्गा की पूजा अर्चना के साथ ही कलश स्थापित की गई। इस दौरान लोगों ने भक्ति भाव से मां की आराधना कर सुख शांति व समृद्धि की कामना की। वहीं मंदिर के मुख्य पुजारी आचार्य कृष्ण मुरारी पांडे ने बताया की इस बार देवी मंडप में कलश स्थापना का 100वां वर्षगांठ भी मनाया जा रहा है। देवी मंडप में 1925 से ही कलश स्थापित कर पूजा अर्चना की जा रही है। इस बार माता रानी का आगमन हाथी में हुआ है, जो काफी शुभ फल देने वाला है। मान्यता है कि नवरात्रि में मां के अलग अलग स्वरूपों की आराधना करने से वह प्रसन्न होती हैं। इससे साधक के भाग्य में वृद्धि के योग बनते हैं। इस दौरान मां दुर्गा की पूजा में दुर्गा सप्तशती का पाठ अवश्य करना चाहिए, इससे हर मनोकामनाएं पूरी होती हैं। साथ ही धन दौलत, करियर और नौकरी समेत सभी क्षेत्रों में लाभ की प्राप्ति के योग बनते हैं। वहीं मंदिर में पूजन के दौरान आचार्य बरुण पाण्डेय, सुरेश पाण्डेय, लक्ष्मी कान्त पाण्डेय, छोटे लाल पाण्डेय, हीरालाल पाण्डेय, आशीष पाण्डेय, धनंजय पाण्डेय, ऋषि कांत पाण्डेय,अक्षय पाण्डेय समेत दर्जनों की संख्या में भक्तों का तांता भी लगा रहा।

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से किया गया जागरूकता अभियान

कोडरमा : समाज कल्याण विभाग, कोडरमा तथा स्वयंसेवी संस्था जीवन ज्योति के संयुक्त तत्वावधान में प्रखंड कोडरमा के ढशळक्षेत्र गझड़ी, हथुआधारण एवं प्रखंड कार्यालय कोडरमा में डायन प्रथा प्रतिषेध अधिनियम, 2011 के अंतर्गत डायन-विसाही के नाम पर महिलाओं पर होने वाले अत्याचार को रोकने हेतु गीत-संगीत एवं नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। इस नाटक के माध्यम से आमजन को यह जानकारी दी गई कि यदि कोई व्यक्ति किसी महिला को डायन बताकर प्रताड़ित करता है, तो उस पर कानूनन 2000 का जुमार्ना और 6 माह की जेल का प्रावधान है। वहीं, यदि डायन कहकर हत्या की जाती है, तो आईपीसी की धारा के अंतर्गत दोषी को मृत्युदंड तक की सजा हो सकती है। कार्यक्रम में गमंडी पंचायत के मुखिया, हथुआधारण वार्ड सदस्य तथा कोडरमा के प्रशिक्षक (ट्रेनर) उपस्थित रहे। साथ ही, संस्था के कलाकार रिंकी उपी, हिरणनाथ महतो, सुनील कालिंदी एवं मंटू करमाली ने अपनी भागीदारी निभाई।

सिटी सेंटर सेक्टर-4 में रूट्स एंड स्पाइसेस कैफे का हुआ शुभारंभ

बोकारो : सोमवार को सिटी सेंटर सेक्टर-4 स्थित नटखट स्वीट्स के निकट रूट्स एंड स्पाइसेस कैफे का शुभारंभ अनीता मेंदीरत्ता ने फीता काटकर किया। कैफे का उद्घाटन अवसर शहरवासियों के लिए खास रहा। कैफे के संचालक राजेश मेंदीरत्ता ने बताया कि यहां सैंडविच, पिज्जा, बर्गर, पास्ता, मैग्गी, मोमोज, वेज और नॉनवेज मंचूरियन, ब्रेड्स सहित कई प्रकार के स्नैक्स उपलब्ध रहेंगे। चाइनीज स्पेशल डिशेज के अलावा यहां स्वादिष्ट व्यंजनों की विस्तृत श्रृंखला लोगों को परोसी जाएगी। उन्होंने कहा कि सभी उत्पाद उच्च गुणवत्ता के होंगे, ताकि आगंतुक अपने परिजनों और दोस्तों के साथ लजीज स्वाद का आनंद ले सकें। उद्घाटन अवसर पर भगवान का पूजन भी किया गया। इस मौके पर नितेश मिश्रा, सूची मेंदीरत्ता, अशोक कुमार तनेजा, अशोक कुमार जैन, कुमार अमरदीप, अमिताभ घोष सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

बीएसएल टाउनशिप में अनधिकृत जेनरेटर स्थापना पर डीजीएम ने किया निरीक्षण

बोकारो: बीएसएल टाउनशिप के सेक्टर-4 में उस समय हड़कंप मच गया जब डीजीएम कर्नल आर.एस. शेखावत मौके पर पहुंचे और देखा कि ग्रामीण फूड के पास अनाधिकृत रूप से दो जेनरेटर लगाए गए हैं। यह इलाका बीएसएल की भूमि पर नो-पार्किंग और इको-ग्रीन जोन के अंतर्गत घोषित है, जहां किसी भी प्रकार की नई स्थापना या व्यावसायिक गतिविधि पर प्रतिबंध है। जानकारी के अनुसार, जिस स्थान पर जेनरेटर लगाए गए, उसे पहले ही इको ग्रीन पीएसएल द्वारा ट्रेंचिंग और फेंसिंग कर घेरा गया था ताकि पर्यावरण साफ-सुथरा रहे और अनधिकृत रूप से कोई कब्जा न हो सके। श्री शेखावत ने जब इस बारे में पूछा तो पहले ग्रामीण फूड प्रबंधन ने जानकारी देने में आनाकानी की। बाद में ग्रामीण फूड के मालिक ने माना कि दोनों जेनरेटर उसके द्वारा ही लगाए गए हैं। उठे कई सवालडीजीएम शेखावत ने मौके पर कई गंभीर सवाल खड़े किए—बिना परमिशन लिए जेनरेटर स्थापना की अनुमति कैसे मिली किनकी सहमति या नजर अंदाजी में यह कार्य किया गया क्या विद्युत विभाग से कोई स्वीकृति ली गई क्या सुरक्षा विभाग की अनुमति ली गई थी?इको-जोन में नई स्थापना कैसे की गई।

एक नजर

ऑफिसर्स कॉलोनी के पास टूटी पुलिया से हो सकता है बड़ा हादसा

सिमडेगा : शहर के ऑफिसर्स कॉलोनी के पास बनी पुलिया जर्जर होकर टूट चुकी है। जिसकी वजह से यहां पर कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। यह रास्ता ऑफिसर्स कॉलोनी ही नहीं, बल्कि गोतरा नयाटोली, ठाकुरटोली, प्रिंस चौक, सुंदरपुर होते हुए पाकरटांड़ प्रखंड को भी मुख्य संपर्क मार्ग है। यहां से रोजाना बड़ी संख्या में छात्र शहर के विभिन्न स्कूलों और कॉलेजों की ओर जाते हैं। इसके अलावा दफ्तर जाने वाले कर्मचारी और आम जनता भी इस मार्ग को प्राथमिकता से उपयोग करते हैं। पुलिया की स्थिति इतनी खतरनाक हो चुकी है कि अब यहां से चार पहिया वाहनों का निकलना बेहद मुश्किल हो गया है।

झारखंड आंदोलनकारी पूर्ण सिंह का आकस्मिक निधन

पटमदा : बोड़ाम प्रखंड के लायलम पंचायत के कुमारी गांव निवासी सह आंदोलनकारी पूर्ण सिंह का सोमवार को आकस्मिक निधन हो गया। जानकारी देते हुए बोड़ाम पूर्व पार्षद स्वपन कुमार महतो ने बताया कि पूर्ण सिंह झारखंड आंदोलनकारी स्व डोरेन सिंह मुंडा के साथी थे। वे समाजिक कार्य में काफी सक्रिय थे। उनके निधन से क्षेत्र में शोक की लहर है। वे समाजिक और राजनीतिक कार्यों में बढ़चढ़ कर भागीदारी लेते थे। उनके असामयिक निधन समाज के लिए अपूर्णीय क्षति हैं। वही उनके निधन पर श्रद्धांजलि देने वालो का तांता लगा रहा।

शारदीय नवरात्र को लेकर निकाली गई भव्य कलश यात्रा

सिल्ली: सिल्ली सार्वजनिक दुर्गा पूजा महावीर चौक सिल्ली कमेटी की ओर से शारदीय नवरात्र के प्रथम दिन गाजे बाजे के साथ कलश यात्रा निकाली गई। श्रद्धालुओं ने स्वर्ण रेखा नदी के पावन तट पर पहुंचकर जय दुर्गे के नारों व वैदिक मंत्र उच्चारण के साथ कलश में जल भरा। कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालुओं में काफी उत्साह देखने को मिला।यह कलश यात्रा हिंडालको,कोकोराना एवं झारखंड मोड़ होते हुए सिल्ली दुर्गा मंडप पहुंची।यह यात्रा श्रद्धा और उत्साह का अद्भुत संगम बनी। इस कलश यात्रा में 201 महिलाएं और कुंवारी कन्याओं ने सिर पर कलश रखकर यात्रा की शोभा बढ़ाई। पूरे रास्ते में जय मां दुर्गे और जय माता दी के उद्घोष से सिल्ली एवं मुरी का वातावरण भक्तिमय बना रहा और श्रद्धालु भक्ति भाव में डूबे रहे।

विधानसभा की समिति ने उपायुक्त को दिया जमीन खाली करने का आदेश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : विधानसभा की विशेष समिति चार दिवसीय दौरे पर पर धनबाद पहुंची। दौरे के दौरान समिति ने पाया कि सरकारी जमीन पर बिना अनुमति के कोयला खनन किया गया है। इससे सरकार को हजारों करोड़ के राजस्व की क्षति हुई है। साथ ही सरकारी और रैयती जमीन पर खनन एवं ओबी डंप कर नियम का उल्लंघन किया गया है। वैसे 23 हजार हेक्टेयर जमीन की मापी कराने और सरकारी वन भूमि एवं रैयती जमीन पर नियम के विपरीत जाकर ओबी डंप किया गया है। उसे खाली कराने का आदेश समिति ने लिखित तौर पर उपायुक्त को दिया। वहीं समिति के संयोजक सह टुंडी विधायक मथुरा प्रसाद महतो ने सोमवार को प्रेस वार्ता में बताया कि जो भी खामियां रही हैं उसे रिपोर्टिंग के आधार पर कार्रवाई के लिए आदेश दिए गए हैं। रैयतों को नौकरी तो मिली है पर जमीन की रजिस्ट्री नहीं हुई और सरकारी जमीन पर बगैर अनुमति के ही बीसीसीएल और ईसीएल ने खनन किया है। इससे सरकार को हजारों करोड़ के राजस्व का नुकसान हुआ है। उन्होंने बताया कि रैयतों की जमीन संबंधित समस्या का निराकरण करने के लिए, उपायुक्त को एक विशेष कोषांग का गठन करने की बात कही है। इसमें रैयतों के भूमि संबंधित कागजातों की जांच की जाएगी और उनकी समस्या का समाधान किया जाएगा।

कोषांग का गठन अगले एक सप्ताह में कर दिया जायेगा। उन्होंने बताया कि रैयतों का आरोप है कि बीसीसीएल उन्हें अस्थाई रूप से बसाती है फिर हटा देती है इसपर बीसीसीएल के सीएमडी ने अश्वस्त किया है कि रैयत को मालिकाना हक दिया जायेगा।

भूमि पर जबरन ओबी डंप के मामले सामने आए

समिति निरसा में ईसीएल क्षेत्र के देविवाना गांव का भी निरीक्षण किया। समिति ने यहां रैयतों की स्थिति का अवलोकन किया। रैयतों की भूमि पर जबरन ओबी डंप के मामले सामने आए और ओबी डंप के कारण कई स्कूल बंद हो गए और सड़कें खराब हो गई हैं। समिति सदस्य सह निरसा विधायक अरुप चटर्जी और विधायक राज सिन्हा ने बताया कि नियमों के उलंघन के मामले में डीजीएमएस की ओर से बताया गया है कि कोयला खनन कंपनियों को कई बार चिट्ठी लिखकर नियमों के उलंघन से अवगत कराया गया पर कार्रवाई नहीं हुई। इसपर समिति ने पिछले तीन वर्षों के पत्र की कॉपी मांगी गई। अरुप चटर्जी ने कहा कि नेशनलाइजेशन एक्ट से बाहर जाकर भी कोयला खनन कम्पनियों ने खनन कार्य ओबी डंप किया है और ऐसे 23 हजार हेक्टेयर क्षेत्र शामिल है। इसकी मापी कराने का आदेश समिति ने उपायुक्त को लिखित तौर पर दिया है।

सीनी संस्था के द्वारा विशेष रूप से पोषण माह कार्यक्रम का किया गया आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कुरडेग : प्रखंड में पोषण माह 2025 के अंतर्गत बड़कीबिऊरा पंचायत एवं डुमरडीह पंचायत भवन में सीनी संस्था के द्वारा विशेष रूप से पोषण माह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पोषण माह के साथ साथ स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान भी संचालित किया गया। कार्यक्रम में आंगनबाड़ी सेविका, सहिया और सहायिका द्वारा सामुदाय को एनीमिया की पहचान एवं रोकथाम, उच्च जोखिम वाली गर्भावस्था, टीबी स्क्रीनिंग पर जानकारी दी गई। साथ ही लोगों को तिरंगा भोजन अपनाने तथा समुदाय में उपलब्ध स्थानीय साग सब्जियों के सेवन पर जोर दिया गया। इस अवसर पर सीनी जीवन परियोजना की टीम के द्वारा समुदाय को मोटापा कम करने तथा तेल, नमक और चीनी के सीमित उपयोग के महत्व से अवगत कराया। इसके अतिरिक्त महिलाओं से पौष्टिक भोजन तैयार करवाकर यह संदेश दिया गया कि पड़ोस व समुदाय में उपलब्ध सामग्री से भी उच्च पोषण युक्त भोजन संभव है। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में लोक कला दल ने आहार विविधता, भोजन की गुणवत्ता और छोटे बच्चों को खिलाने की पद्धतियों पर आकर्षक प्रस्तुति दी। साथ ही इस वर्ष की पोषण माह थीम मोटापा कम करना एवं चीनी, नमक और तेल का सीमित सेवन, पुरुष की भागीदारी, प्रारंभिक बाल्यावस्था एवं शिक्षा, पोषण में पुरुषों की सक्रिय भागीदारी पर विशेष चर्चा की गई।

विवेकानन्द शिशु/विद्या मंदिर में प्रथम सावधिक परीक्षा का परिणाम और अभिभावक हुई बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोलेबिरा : वनबासी कल्याण केंद्र की संबद्ध शैक्षिक इकाई श्रीहरि वनवासी विकास समिति, झारखंड द्वारा संचालित विवेकानन्द शिशु/विद्या मंदिर उच्च विद्यालय, लचरागढ़ में सभी कक्षाओं की प्रथम सावधिक परीक्षा के प्रगति पुस्तिका अभिभावकों को दी गई। इस अवसर पर शत प्रतिशत अभिभावक उपस्थित रहे, जिससे विद्यालय के प्रति अभिभावकों की गहरी रुचि और सहयोग प्रदर्शित हुआ। विद्यालय के सभी कक्षाओं ने अभिभावकों के साथ शिशु के शैक्षिक विकास, स्वाध्याय, अनुशासन, संस्कार, स्वावलंबन और संस्कारयुक्त शिक्षा पर विस्तृत चर्चा की और बच्चों के परीक्षाफल प्रदान किए। प्रमुख परिणामः कक्षा सह प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले भैया बहनों

का नाम इस प्रकार हैः- कक्षा अरुणः 1. आरोही कुमारी, 2. जया कुमारी, 3. यश अग्रवाल, कक्षा उदयः 1. नितेश गोप, 2. निखिल डुंगडुंग, 3. हर्ष राज ठाकुर, कक्षा प्रथमः 1. कार्तिक सिंह, 2. आर्यन कुमार सिंह, 3. रोबिन तिर्की, कक्षा द्वितीयः 1. अनुष्का कुमारी, 2. शिवानंद सिंह, 3. उर्मिला कुमारी, कक्षा तृतीयः 1. कृष्णा साहू, 2. लोकेश नायक, 3. प्रतीक साहू, कक्षा चतुर्थः 1. लव कुमार कुशवाहा, 2. रुहानी कुमारी, 3. कुश कुमार कुशवाहा, कक्षा पंचम अः 1. आरती कुमारी, 2. लवली कुमारी, 3. मेघा कुमारी, कक्षा पंचम बः 1. प्रीति कुमारी, 2. कृष्णा बागड़ी, 3. जगरनाथ नायक, कक्षा षष्ठः 1. पूजा कुमारी, 2. विश्वकर्मा नायक, 3. आयुष साहू, कक्षा सप्तम अः 1. सौम्या कुमारी, 2. वर्षा कुमारी, 3. अनामिका कुमारी, कक्षा सप्तम बः 1. शशिभूषण नाग, 2. उषा रानी सिंह, 3. दयानंद डेहरी, कक्षा अष्टमः 1. संजीव कुमार, 2. सरस्वती कुमारी, 3. सुभाष सिंह, कक्षा नवमः 1. संध्या कुमारी, 2. रेणु कुमारी, 3. केदारनाथ सिंह, कक्षा दशमः 1. अनूप साहू, 2. शिखा कुमारी, 3. अजित साहू। इस अवसर पर आचार्य प्रमोद पाणिग्रही, सुदर्शन कुमार, अर्जुन महतो, गणेश सिंह, जागेश्वर सिंह, आचार्या लक्ष्मी देवी, विमला देवी, दशरथी देवी, बसंती देवी, निशी कुल्लू, संध्या रानी बड़ाईक, सुनीति कुमारी उपस्थित थीं।

सरिया में धूमधाम से शुरू हुआ नवरात्र,कलश स्थापना के साथ मां दुर्गा की पूजा अर्चना

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरिया : हिंदू धर्मावलंबियों का प्रमुख पर्व नवरात्र, जो आश्विन मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से शुरू होकर विजयादशमी तक धूमधाम से मनाया जाता है, इस वर्ष सरिया क्षेत्र में सोमवार को कलश स्थापना के साथ पूरे उत्साह और भक्ति-भाव के साथ शुरू हुआ। इस पावन अवसर पर सरिया के विभिन्न स्थानों जैसे ठाकुरबाड़ी, भगला काली मंडा, कोइरीडीह, पूर्णिडीह, बागोडीह, बांदखारो, बगोदो सहित अन्य क्षेत्रों में मां दुर्गा की मूर्तियों की स्थापना की गई। शक्ति की अधिष्ठात्री देवी मां दुर्गा की विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना शुरू हुई, जिसमें श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। नवरात्र के पहले दिन मंदिरों और पूजा पंडालों में सुबह से ही भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी। मां दुर्गा के विभिन्न स्वरूपों की पूजा के साथ भक्तगण सुख, समृद्धि, स्वास्थ्य और कल्याण की कामना कर रहे हैं। कई श्रद्धालुओं ने नवरात्र के नौ दिनों तक व्रत रखने का संकल्प लिया, जिसमें कुछ लोग निर्जला उपवास और कुछ फलाहार के साथ माता की आराधना में लीन हैं। घर-घर में भी कलश स्थापना का विशेष आयोजन किया गया, जहां परिवारजन मंत्रोच्चार और भक्ति भजनों के साथ मां दुर्गा का आह्वान कर रहे हैं। क्षेत्र के मंदिरों और पूजा स्थलों को फूलों, रंगोली और आकर्षक सजावट से सुसज्जित किया गया है, जिससे भक्ति का माहौल और भी रमणीय हो गया है। भगला काली मंडा और ठाकुरबाड़ी जैसे प्रमुख स्थानों पर विशेष पूजा-अर्चना के साथ-साथ भक्ति संगीत और आरती के आयोजन किए जा रहे हैं, जो श्रद्धालुओं को माता के चरणों में समर्पित होने का अवसर प्रदान कर रहे हैं। नवरात्र के इस पवित्र अवसर पर सरिया क्षेत्र में चारों ओर भक्ति, उत्साह और उमंग का वातावरण छाया हुआ है। लोग नौ दिनों तक चलने वाले इस पर्व में मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा कर उनके आशीर्वाद की कामना कर रहे हैं।

जलडेगा में गांव की सुख-समृद्धि की कामना के साथ हुई कलश स्थापना

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

जलडेगा : प्रखंड मुख्यालय स्थित शैलपुत्री दुर्गा मंदिर में गांव की सुख समृद्धि के लिए सार्वजनिक रूप से कलश स्थापना की गई। वैदिक मंत्रोच्चार, माता रानी के जयकारे व भव्य कलश शोभा यात्रा के साथ सोमवार को नवरात्र महोत्सव का आगाज हो गया। प्रखंड मुख्यालय में पंडित अरुण कुमार मिश्रा की अगुवाई में दुर्गा मंदिर प्रांगण से कलश शोभायात्रा की शुरुआत की गई। तेलंगा नाला में विधिवत पूजन कर महिलाएं माथे पर कलश लेकर माता का जयकारा एवं नगर भ्रमण करते हुए पुनः मंदिर में स्थापित किया गया। भव्य कलश यात्रा बाजे गाजे के साथ निकाली गई। कलश यात्रा में सैकड़ों महिलाओं व कन्याओं ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। इस बार नवरात्र 22 सितंबर सोमवार से 2 अक्टूबर गुरुवार तक नौ दिनों तक नवरात्र की धूम रहेगी। इस

भव्य कलश शोभा यात्रा के दौरान ढोल नगाड़ा व गाजे बाजे की धुन पर माता रानी के जयकारे लगाते हुए कलश यात्रा निकाली गई। पूजन में परोहित के रूप में अरुण कुमार मिश्रा एवं यजमान दिनेश साहू एवं जंयती देवी नन्द किशोर सिंह ने निभाई। सरस्वती शिशु विद्या मंदिर के बच्चों ने भी कलश यात्रा में हिस्सा लिया। मौके पर आघना खड़िया, मोतीलाल ओहदार, सुभाष साहु, संतोष सिंह, रामअवतार अग्रवाल, सुबोध केशरी एवं केलूगा, टंगिया, जामटोली, तेली टोली, पतिअम्बा की महिलाएं बड़ी संख्या में सम्मिलित हुई।

हाथियों ने कई घरों को किया क्षतिग्रस्त विधायक ने मौके पर जाकर किया निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

ठेठईटांगर : प्रखंड के केरिया पंचायत अंतर्गत केरिया पंडरीपानी, कुरकुरा, डांगटोली आदि गांव में 25 -30 की संख्या में आए हाथियों के द्वारा कई घरों को क्षतिग्रस्त किया गया जिनमें पौलुस डांग, ज्वलंत डांग, बेलास बागे के घर को तोड़ते हुए घर में रखे धान चावल आदि को खा गए साथ ही घर तोड़े जाने पर कई सामान अधिग्रस्त हुआ। ग्रामीणों ने इसकी सूचना कोलेबिरा विधायक नमन विक्सल कोन गाड़ी जी को दिए वे तत्काल संबंधित गांव का दौरा किए एवं पीड़ित परिवारों से मिले एवं हर संभव सहायता करने की बात कही, साथ ही ग्रामीणों को उन्होंने कहा कि हाथी आने पर लकड़ी के अंगीठी का व्यवस्था रखे एवं जब भी हाथी आने की सूचना मिले उस पर मिर्ची का चूर्ण, तंबाकू का चूर्ण आदि को अंगीठी में डालें जिससे की उसकी खरासयुक्त गंध एवं धूंबा से हाथी घर की नजदीक ना आए और घर को क्षती ना पहुंचे विधायक जी ने कहा वन विभाग से जल्द से जल्द मुआवजा दिलाने का प्रयास किया जाएगा। चूंकि हाथी बगल के जंगल में ही मौजूद है इसलिए उन्होंने मोबिल,जूट बोरा, टॉर्च, फटाका आदि वितरण किया जिससे कि हाथी आने पर गांव घरों की रक्षा किया जा सके ग्रामीणों ने इसके लिए विधायक जी का आभार प्रकट किए। मौके पर विधायक प्रतिनिधि रावेल लकड़ा, प्रखंड प्रमुख सह कांग्रेस नेता बिपिन पंकज मिंज, प्रखंड अध्यक्ष अशफाक आलम, राजाबासा पंचायत अध्यक्ष सुकुवन जोजो, राजा आलम, सहबाज अली, असित केरकेट्टा, तिनतुस लुगुन, संतोष लुगुन तुर्लेन समद, मरियम लुगुन, एसरेन लुगुन, बसंती लुगुन, हीरामणि लुगुन याकूब समद, रेयाइन लुगुन, सुसरी लुगुन आदि ग्रामीण मौजूद थे।

आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान को लेकर सिमडेगा में हुई कार्यशाला

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमडेगा : सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम के अंतर्गत भारतीय जनता पार्टी सिमडेगा जिला इकाई द्वारा आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान विषय पर एक दिवसीय जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल के संयोजक गंगोत्री कुजूर एवं सहसंयोजक सह प्रदेश उपाध्यक्ष नीलकंठ सिंह मुंडा मौजूद थे। कार्यक्रम संयोजक गंगोत्री कुजूर ने कहा की आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना सशक्त भारत का आधारशिला है, आत्मनिर्भर भारत केवल एक अभियान नहीं बल्कि प्रत्येक नागरिक के सशक्तिकरण का माध्यम है इसका उद्देश्य गांव गरीब किसान युवा और महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत एवं संपन्न बनना है कार्यक्रम सहसंयोजक सा

प्रदेश उपाध्यक्ष नीलकंठ सी मुंडा ने कहा की आत्मनिर्भर भारत का सपना तभी सरकार होगा जब हमारा संगठन जमीनी स्तर पर कार्य करते हुए आम नागरिक तक सरकारी योजनाओं और आत्मनिर्भर भारत के संदेश को पहुंचाएगी। स्वागत भाषण करते हुए आत्मनिर्भर भारत के जिला संयोजक श्रद्धानंद बेसरा ने कहा कि गांव किसान और युवाओं का आत्मनिर्भर बनाना ही सच्चे अर्थ में राष्ट्र को सशक्त बनाना है। मौके पर जिलाध्यक्ष लक्ष्मण बड़ाईक महामंत्री मुकेश श्रीवास्तव जीप उपाध्यक्ष सह कार्यक्रम सहसंयोजक सोनी पैंकरा सुजान मुंडा अनूप प्रसाद अनूप केशरी श्री लाल साहू महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष सुषमा देवी दीपनारायण दास करन सिंह सत्यनारायण प्रसाद सुरजन बड़ाइक रामकृष्ण महतो रमेश कुमार कंचन रानी एक्का सुभाष महतो किशोर कुमार सिंह कुसुम केरकेट्टा उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

दार्शनिक स्थल मां वनदुर्गा मंदिर में कलश स्थापना के साथ नवरात्र पूजन प्रारंभ

बोलबा : दार्शनिक स्थल व आस्था का केंद्र मां वनदुर्गा की पावन धरती पर कलश स्थापना के साथ नवरात्र पूजन प्रारंभ किया गया। वही नवरात्र के शुभ अवसर पर प्रत्येक दिन भक्तों के द्वारा दुर्गा पाठ किया जाएगा एवं संध्या 06:30 बजे आरती होगी वही कलश स्थापना के शुभ अवसर पर राहुल कुमार उर्फ छोटू द्वारा भोग वितरण किया गया। कलश स्थापना के शुभ अवसर पर भक्तों की तांता लगी रही एवं विधि व्यवस्था में लगे ज्योतिषाचार्य संजय मिश्रा प्रबंधक केसरी कलिंदर कलिंदर सिंह हरिराम सिंह अरुण सिंह भोंदा सिंह गजेंद्र सिंह रुपलाल सिंह एवं समिति के सदस्य लगे हुए हैं, इस मौके पर समिति एवं सेवादारों की अहम भूमिका रही।

शारदीय नवरात्र को लेकर निकाली गई भव्य कलश यात्रा

सिल्ली: सिल्ली सार्वजनिक दुर्गा पूजा महावीर चौक सिल्ली कमेटी की ओर से शारदीय नवरात्र के प्रथम दिन गाजे बाजे के साथ कलश यात्रा निकाली गई। श्रद्धालुओं ने स्वर्ण रेखा नदी के पावन तट पर पहुंचकर जय दुर्गे के नारों व वैदिक मंत्र उच्चारण के साथ कलश में जल भरा। कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालुओं में काफी उत्साह देखने को मिला। यह कलश यात्रा हिंडालको,कोकोराना एवं झारखंड मोड़ होते हुए सिल्ली दुर्गा मंडप पहुंची। यह यात्रा श्रद्धा और उत्साह का अद्भुत संगम बनी। इस कलश यात्रा में 201 महिलाएं और कुंवारी कन्याओं ने सिर पर कलश रखकर यात्रा की शोभा बढ़ाई। पूरे रास्ते में जय मां दुर्गे और जय माता दी के उद्घोष से सिल्ली एवं मुरी का वातावरण भक्तिमय बना रहा और श्रद्धालु भक्ति भाव में डूबे रहे। तत्पश्चात यात्रा पुनः पूजा स्थल लौटी जहां अगले नौ दिनों तक धार्मिक अनुष्ठान जारी रहेगा। श्रद्धालुओं ने बताया कि यह धार्मिक यात्रा माता दुर्गा की पूजा के उपलक्ष्य में आयोजित की जाती है जो न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है,बल्कि समाज को एकजुट करने का माध्यम भी है। इस मौके पर जितेंद्र प्रसाद साव,संजय भगत,दिवाकर प्रसाद, कुंदन साव, विनय साव, ब्रजेश महतो, अनिल साव,संजय गुप्ता,उमेश सिंह अजय महतो,ऋतुराज महतो, रामेश्वर बड़ाईक समेत काफी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

पेसिफिक इवेंट द्वारा आयोजित डांडिया सीजन तीन का पोस्टर रिलीज किया गया

सिल्ली : सिल्ली स्थित दा विलेज रिसॉर्ट में पेसिफिक इवेंट द्वारा आयोजित डांडिया सीजन तीन का पोस्टर रिलीज सोमवार को किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में डॉक्टर रमनेश प्रसाद शामिल हुए। वहीं पेसिफिक इवेंट के फाउंडर प्रशांत महतो ने बताया कि डांडिया नाइट का आयोजन पिछले तीन सालों से किया जा रहा है, जिसमें सैकड़ों लोगों ने बढ़ चढ़ के हिस्सा लिया और परिवार समेत डांडिया नाइट का लुत्फ उठाया। इस वर्ष भी डांडिया नाइट 28 सितंबर को सिल्ली के दा विलेज रिसॉर्ट में आयोजित किया जाएगा। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी पेसिफिक इवेंट के तरफ से डांडिया गरबा का फ्री वर्कशॉप रखा गया है, वर्कशॉप के लिए रांची से मशहूर कोरियोग्राफर उमेश सिंह शामिल होंगे एवं साथ ही साथ अनमूर श्रेया सिंह राजपूत आदि उपस्थित रहेंगे। इस मौके पर प्रशांत महतो, आकाश महतो, निशा महतो, शुभम बारिक रोनी पाठक, रिया पाठक, शुभम पोलआदि मौजूद थे।

हाइवा दुर्घटना में मजदूर की मौत, मुआवजा राशि पर हुई सहमति

पटमदा : पटमदा थाना क्षेत्र में टाटा पटमदा मुख्य सड़क पर जलडहर पेट्रोल पंप के पास अहले सुबह एक सड़क दुर्घटना में लावा पंचायत के कियाबहाल गांव के करीब 30 वर्षीय दिहाड़ी मजदूर गंगासागर टुडू की हाइवा की चपेट में आने से घटना स्थल पर ही मौत हो गई। बाइक पूरी तरह से हाइवा के बीच में फंसी हुई है। जबकि युवक के शरीर पर ही हाइवा का चक्का चढ़ गया था। मामले को लेकर प्रशासन घटना स्थल पर मौजूद रही। वार्ता प्रशासन ,गाड़ी मालिक,मृतक के परिजन और झामुमो नेता सुभाष कर्मकार,मुखिया कानूराम बेसरा,पार्षद प्रदीप बेसरा की उपस्थिति में थाना प्रभारी करम पाल भगत के समक्ष थाना परिसर में त्रिपक्षीय वार्ता के दौरान सड़क हादसे में मृत युवक के परिजनों को मुआवजा राशि के रूप साढ़े तीन लाख राशि पर सहमति बनी। मृतक के भाई को राशि देने पर जाम हटाकर शव को एमजीएम पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। पटमदा डीएसपी बचनदेव कुजूर ने बताया कि सुबह बालू लदे हाइवा से दुर्घटना घटी थी। मृतक के परिजनों के द्वारा शव के साथ सड़क जाम किया गया था। गाड़ी मालिक,पीड़ित परिवार,प्रशासन और क्षेत्रीय जन प्रतिनिधि के साथ वार्ता होने के बाद जाम को करीब चार बजे हटाया गया। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया । बता दे कि घटना के बाद पीड़ित परिवार के परिजनों का रो कर बुरा हाल है। युवक जमशेदपुर में प्रतिदिन जाकर दिहाड़ी मजदूरी करता था। परिवार में दो भाइयों में बड़ा था। जो अविवाहित था। माता पिता की पहले ही हो मौत हो चुकी है। घंटों लगे सड़क जाम से जहां आम जन मानस परेशान दिखे। ट्रक चालक भी गाड़ी को लंबी कतार में तेज धूप में खड़ा किए दिखे। वहीं स्कूली बच्चे बस के अंदर गर्मी में भूख प्यास से परेशान होते रहे। स्कूल प्रशासन भी वाहनों को गंतव्य तक ले जाने का वैकल्पिक रास्ता तलाशते रहे थे।वहीं स्कूल बस चालक सुजीत दास ने बताया कि स्कूल छुट्टी होने के बाद गाड़ी जाम के कारण बच्चों को काफी मुश्किल हुई। वाहन छोटी होने के कारण किसी तरह एक गांव के रास्ते से निकालने का प्रयास किया गया ताकि बच्चों को समय पर घर तक छोड़ा जा सके। वहीं जाम में बाइक,चार पहिया,ट्रक टेम्पु सहित कई वाहन फंसे रहे।

श्रीराम में मनुष्यता की सभ्यता

शारदीय नवरात्रि प्रारंभ हो चुके हैं। दो अक्टूबर को दशहरा है। दशहरा यानी विजयोत्सव। बुराई के ऊपर अच्छाई की जीत के प्रतीक के रूप में दशहरा मनाने की परंपरा सदियों से जीवंत है। लंकेश पर अयोध्यानंदन की विजय का यह पर्व राम के विविध पक्षों को सामने रखता है। इनमें राम का मानवीय रूप भारतीय जनता के लिए महानायकत्व है। उनका जीवन एक गहन सांस्कृतिक पाठ है। एक ऐसी वर्णमाला, जिसमें कोल, किरात, भील, वनवासी सभी शामिल हैं। उनका उत्सव अतीत का समारोहण नहीं, वर्तमान के ही क्षणों का सर्वश्रेष्ठ उकेरन है। जैसे -विरोधी परिस्थितियों को अनुकूल बनाना, समय- प्रबंधन, मित्र-विस्तार, आकांक्षाओं के अतिरेक से बचाव, उद्देश्य के लिए सत्ता का परित्याग, मित्र को बल देना, न कि ताकत को; शत्रु से भी अच्छाई सीखना, टीम का सगुण नेतृत्व व प्रबंधन, सहयोगी को स्थापित कर देना आदि। गिलहरी से सहायता पाकर, भिलनी से बेर खाकर, हनुमान को साथी बनाकर उन्होंने एक भिन्न आयाम प्रदान किया। कहा जा सकता है कि विशाल भारतीय सांस्कृतिक परंपरा की विभिन्न सतहों पर और तहों में गतिशील तत्वों के बनते - बिगड़ते समीकरण राम में सघन रूप से समाहित हो जाते हैं। सत्ता के विभिन्न पक्ष, परिवार के सरस-नीरस प्रसंग, घात - प्रतिघात, निष्ठा व कृतघ्नता आदि प्रक्रियाओं से लेकर मनुष्य के मनुष्यतर बनने की महागाथा सूक्ष्म तरीके से धारा में कभी प्रकट, कभी अप्रकट ढंग से राम के जीवन व आस-पास के संदर्भों में दिख जाती हैं। यानी कह सकते हैं कि यह एक ऐसी भारतीय जीवनानुभव की प्रक्रिया है जहां राम से जुड़ी कविता पौराणिकता को अतिक्रांत करती हुई किंचित ऐतिहासिकता में प्रविष्ट हो जाती है। राम कथा की भाषा जनता के सरोकारों से आती है, इसलिए जनता को छूती है। कोई ऐसा गांव नहीं, जहां राम की लीला नहीं। मनुष्यता की लीला। मनुष्य से मनुष्यतर होते जाने की लीला। आज मनुष्य साइबर स्पेस व पौराणिक युग दोनों को एक साथ साध लेता है। उत्तर आधुनिकता इसे वर्तमान में अतीत की उपस्थिति कहती है। मेरा मानना है कि प्रत्येक व्यक्ति अपना मांगल्य स्वयं रचता है। यथार्थ से आगे । क्योंकि प्रत्येक यथार्थ विखण्डित व आंशिक है। सृजन व संहार की शक्तियां प्रत्येक युग में रही हैं। राम के आगमन का अर्थ रचनाशीलता का सृजन व दुःशीलता का संहार ही है। आज भी रचनात्मकता के उत्कर्ष के पीछे मांगल्यझ्र विधान ही होता है। इसीलिए श्रेष्ठता के तरीके भले बदल गए हों उसकी इयत्ता व फलश्रुति के आयाम कमोबेश वही हैं। सृजन व संहार को दुर्गा की गत्यात्मकता ने संतुलित किया था। इसीलिए राम की शक्ति पूजा का अर्थ सृजन की स्थापना के पक्ष में प्रतिक्रमण ही है। अंततः हमारा यह समाज सृजन की चुनौतियों को स्वीकार करने वाला समाज है। आज भी हम आतंक, अशिक्षा, भुखमरी, गरीबी, तनाव, संबंधहीनता को नए सिरे से संघर्ष करते हुए बदलाव करने की ओर सचेष्ट हैं। सच्चाई यह है कि जब किसी युग की संस्कृति और उसके मूल्य नयी शक्तियों, अन्वेषणों और विचारों से उत्पन्न समस्याओं की चुनौती को स्वीकार करने में असमर्थ रहे तो इसका अभिप्राय है कि वह सभ्यता संकट का शिकार हो चुकी है। किंतु भारतीय मन आज भी अपने सृजनात्मक व सांस्कृतिक स्त्रोतों, इनके क्लासिक व विकसित होते सौंदर्य शास्त्रों को समझने व सकारात्मक पक्षों को धारण करने में समर्थ है। राम के प्रसंग के आधार पर उस कथा को गहराई से देखें तो कई चीजें अपने आप निकलती आती हैं। जैसे सूर्य का महत्व। राम का व्यक्तित्व सूर्य की आभा से आप्लावित है। पदार्थ सिर्फ रूपांतरित होता है । शक्ति भी रूपांतरित होती है। आत्मा के लिए मृत्यु नहीं है। कवि वाल्मीकि ने सोच समझ कर राम को नायक बनाया। व्यास ने वाल्मीकि का अनुसरण किया तथा कालिदास ने व्यास का। अन्यों ने कालिदास से प्रेरणा ली। राम से जुड़े साहित्य वास्तव में अन्तर्विषयीय प्रक्रिया को नए आयाम देते हैं किंतु यह साहित्य ही है अन्य शास्त्रों का उपज्ञान नहीं। राम का जीवन अंततः कविता ही था। कविता की क्लासिकी व लोक वृत्ति राम को आज तक सबको आप्लावित किए हुए है। सबने अपने अपने राम को अपने भीतर सृजित कर लिया है।

सूडोकु नवताल- 7561

★★★ मध्यम

	9				4			
8	4			6		9		5
5		6	8	2		3		
	1	5	6	3			9	7
3	6			9	7	1	4	
		1		4	8	7		6
9		4		7			2	1
			2				8	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7560 का हल

8	5	4	7	3	2	6	1	9
6	7	1	9	5	4	3	2	8
2	9	3	8	6	1	7	5	4
4	3	9	2	1	7	8	6	5
5	6	2	3	8	9	4	7	1
7	1	8	6	4	5	9	3	2
3	2	6	5	9	8	1	4	7
9	4	7	1	2	6	5	8	3
1	8	5	4	7	3	2	9	6

Jagrutidaur.com, Bangalore

माता ब्रह्मचारिणी की आराधना से मन कर्तव्य पथ से विचलित नहीं होता

विजय केसरी

शारदीय नवरात्र के दूसरे दिन माता ब्रह्मचारिणी की विशेष रूप से आराधना की जाती है। ब्रह्मचारिणी माता की आराधना से मनुष्य में तप, त्याग, वैराग्य, सदाचार, संयम आदि गुणों की वृद्धि होती है। इनकी उपासना से मनुष्य के जीवन के कठिन संघर्षों में भी उनका मन कर्तव्य पथ से विचलित नहीं होता है। माता की उपासना अनंत फल देने वाली होती है। माता ब्रह्मचारिणी देवी की कृपा से उनके भक्तों को सर्वत्र सिद्धि और विजय की प्राप्ति होती है। इसलिए शारदीय नवरात्र के दूसरे दिन बहुत ही विधि विधान व निर्मल मन से माता ब्रह्मचारिणी की विशेष रूप से पूजा की जाती है। ब्रह्मचारिणी माता का यह स्वरूप बहुत ही कल्याणकारी है। भक्तों को माता के इस स्वरूप का ध्यान कर उनकी उपासना करनी चाहिए। अगर भक्त अपने जीवन को आध्यात्मिकता की ओर ले जाना चाहता है, तो उसके लिए ब्रह्मचारिणी की उपासना ही सर्वोत्तम मार्ग होगा। देवी पुराण में वर्णन है कि ब्रह्मचारिणी माता के इस स्वरूप की आराधना करने से साधक में तप,त्याग, वैराग्य, सदाचार संयम आदि गुणों की वृद्धि होती है।

हमारे ऋषि मुनियों ने हिंदू धर्म ग्रंथो में दर्ज किया है कि आध्यात्मिक मार्ग ही मनुष्य को देवत्व की ओर ले जाता है । यहां देवत्व के अर्थ को समझने की जरूरत है। मनुष्य का जन्म देवत्व की प्राप्ति के लिए ही होता है। एक मनुष्य का जन्म ईश्वर की कृपा से ही संभव होता है, मनुष्य अपने आध्यात्मिक गुणों को विकसित कर ही देवत्व को प्राप्त कर पता है। यहां यह समझना जरूरी हो जाता है कि एक मनुष्य का जन्म योनियों में सर्वोत्तम योनी मनुष्य योनि में क्यों हुआ है और बार-बार क्यों हो रहा है? हमारे धर्म ग्रंथो में वर्णन है कि आवागमन के इस चक्र से मुक्ति के लिए मनुष्य का जन्म अनंत काल से होता आ रहा है। मनुष्य का यह अनंत काल से जन्म और मृत्यु मोक्ष प्राप्ति के लिए ही होता रहता है। जो मनुष्य इस गुढ़ रहस्य को समझ लेता है। वह ब्रह्मचारिणी माता की आराधना में रत होकर खुद को देवत्व में परिवर्तित कर लेता है।

ब्रह्मचारिणी माता का नाम ब्रह्मचारिणी इसलिए पड़ा कि माता पार्वती शिव को प्राप्त करने के लिए ऐसी घोर तपस्या की थीं। इसलिए माता तप की चारिणी के नाम से जाना जानी लगी। माता का यह जन्म संपूर्णता में तप को समर्पित रहा था। इस कठिन तप चर्या के कारण ही माता का नाम ब्रह्मचारिणी पड़ा था । यहां ब्रह्म शब्द का अर्थ तपस्या है। ब्रह्मचारिणी अर्थात तप की चारिणी। हमारे हिंदू धर्म के वेद में वर्णन है कि 'वेदस्तत्त्वं तपो ब्रह्म' अर्थात वेद, तत्व और तप ब्रह्म शब्द के ही अर्थ हैं। देवी उपासकों को यह जानना चाहिए कि ब्रह्मचारिणी माता का यह स्वरूप

पूर्ण ज्योतिर्मय और अत्यंत मोहक हैं। मां के इस स्वरूप को ध्यान में रखकर उनकी की आराधना करनी चाहिए।

ब्रह्मचारिणी माता का यह स्वरूप पूर्ण रूप से ज्योतिर्मय है ।? माता के इस स्वरूप को जो भी साधक ध्यान में रखकर उनकी उपासना करते हैं, उनमें तप, त्याग, वैराग्य, सदाचार और संयम की वृद्धि होती है ।? माता का यह स्वरूप बहुत ही निराला और मोहक है । माता का परिधान बिल्कुल शंख के समान सफेद है। माता के चेहरे पर एक विशेष प्रकार की मुस्कान परीक्षित होती रहती है । माता के दाहिने हाथ में जप की माला एवं बाएं हाथ में कमंडलु सुशोभित होता रहता है। माता के इस स्वरूप को देखने और ध्यान करने से मनुष्य का मन माता के परिधान के अनुरूप निर्मल हो जाता है । माता के कमंडलु को में जो जल है, यह जल संजीवनी का प्रतीक है, जो मनुष्य के कई जन्मों के पापों को नष्ट कर देता है। इसलिए ब्रह्मचारिणी माता के साधकों को यह हमेशा ध्यान रखना चाहिए कि जब माता ब्रह्मचारिणी की उपासना कर रहे हों, तब मन मस्तिष्क में किसी दूसरे विचार को प्रवेश नहीं करने देना चाहिए।मन मस्तिष्क में कई तरह के विचार आते रहते हैं। यह मां का स्वभाव है। इससे तनिक भी विचलित होने की जरूरत नहीं है। बल्कि साधक को अपने विचार सिर्फ माता ब्रह्मचारिणी पर ही केंद्रित रखना चाहिए। ध्यान के निरंतर अभ्यास से यह संभव है। जब माता पर ध्यान पूरी तरह केंद्रित हो जाएगा, तब मनुष्य में जो परमानंद की अनुभूति होगी, उसे शब्दों में वर्णन नहीं किया जा सकता है। माता के दाहिने हाथ में जो यह माला दिखाई पड़ती है, यह माला निरंतर अपनी गति के साथ आगे बढ़ती ही रहती है । यह माला हम सबों को यह संदेश देती है कि यह जीवन बहुत ही अनमोल है। इसका एक-एक पल बहुत ही मूल्यवान है। इसलिए हर एक मनुष्य को अपने इस अनमोल जीवन के महत्व को समझना चाहिए और उसका खर्च उसी अनुरूप में करना चाहिए। ताकि एक भी पल व्यर्थ न जाए। अपने सभी कामों को करते हुए हमेशा परमपिता परमेश्वर पर ध्यान होना चाहिए। ब्रह्मचारिणी माता की माला बिना रुके शिवत्व की प्राप्ति की ओर निरंतर रत रहती है। उसी प्रकार हम सबों का जीवन भी ईश्वर के नाम के साथ आगे बढ़ता ही रहना चाहिए।

देवी पुराण में वर्णन है कि माता पार्वती जब हिमालय के घर पुत्री रूप में उत्पन्न हुई थी। तब नारद के उपदेश पर उन्होंने भगवान शंकर को पति रूप में प्राप्त करने के लिए अत्यंत कठिन तपस्या की थी। उन्होंने एक हजार वर्षों तक केवल फल - फूल खाकर भगवान शंकर की आराधना की थी। आगे उन्होंने सौ वर्षों तक केवल शाक पर निर्वाह किया था। माता पार्वती उपवास रखते हुए खुले आकाश के नीचे वर्षा और धूप के भयानक कष्ट को सहती रही थीं । आगे ऐसा वर्णन है कि माता पार्वती तीन हजार वर्षों तक केवल जमीन पर टूट कर गिरे बेल पत्रों को खाकर भगवान शंकर की आराधना की थी। उनकी आराधना इतनी सघन होती चली गई थी कि उन्होंने बेल पत्रों तक को भी खाना छोड़ दिया था। कई हजार वर्षों तक माता पार्वती निर्जला और निराहार तपस्या करती रही थी । उन्होंने जब बेल पत्रों को भी खाना छोड़ दिया था, इस कारण उनका नाम अपर्णा भी पड़ा था।

माता की इस तपस्या से तीनों लोकों में हाहाकार मच गया था। देवता, ऋषि, सिद्ध गण, मुनि सभी ब्रह्मचारिणी देवी की इस तपस्या को अभूतपूर्व पुण्य कृत्य बताया था। उनकी इस तपस्या से अति प्रसन्न होकर पितामह ब्रह्मा जी ने आकाशवाणी के द्वारा माता पार्वती को संबोधित करते हुए कहा,- 'देवी आज तक किसी ने ऐसी कठोर तपस्या नहीं की थी। ऐसी तपस्या तुम्हीं से संभव थी। तुम्हारे इस अलौकिक कृत्य की चतुर्दिक सराहना हो रही है। तुम्हारी मनोकामना सर्वतो भावेन परिपूर्ण होगी। भगवान चंद्रमौली शिवजी तुम्हें पति रूप में प्राप्त होंगे। अब तुम तपस्या से विरत होकर घर लौट जाओ। शीघ्र ही तुम्हारे पिता बुलाने आ रहे हैं।' फिर माता पार्वती की शादी भगवान शिव के साथ संपन्न हुई थी।

देवी पुराण में वर्णित कथा भक्तों को यह संदेश देती है कि विपरीत परिस्थितियों में भी अपने को अनुकूल बनाए रखना चाहिए। माता पार्वती शिव को प्राप्त करने के लिए कितनी कठिन तपस्या के दौर से गुजरी थीं ।तब उन्हें शिव की प्राप्ति हुई थी। यह कथा स्त्रियों को यह सीख देती है कि विपरीत परिस्थितियों में भी अपने पति का अनादर नहीं करना चाहिए। पति - पत्नी के बीच सदा विश्वास और मैत्री का संबंध होना चाहिए। हर स्त्री को अपने पति धर्म का निर्वाह पूरी ईमानदारी और निष्ठा से करनी चाहिए। वहीं दूसरी ओर हर पति को अपनी पत्नी धर्म का निर्वाह पूरी निष्ठा और ईमानदारी से करनी चाहिए। मनुष्य को ये कृत्य ही उसे देवत्व की ओर ले जाएगा।

भू-धंसाव से नैनीताल में माल रोड खतरे में!

प्रयाग पाण्डे

कुछ दिन पहले नैनीताल की प्रसिद्ध माल रोड की सहायक सड़क 'निचली माल रोड' का एक बड़ा हिस्सा झील की ओर धंस गया है। कई मीटर लंबे हिस्से में दरारें आ गई हैं। निचली माल रोड में हुए भू-धंसाव के चलते इस हिस्से से लगी मुख्य मालरोड की सुरक्षा को लेकर भी आशंकाएं व्यक्त की जाने लगी हैं। सुरक्षा के मद्देनजर लोअर माल रोड के प्रभावित हिस्से में वाहनों की आवाजाही पर पाबंदी लगा दी गई है। विशेषज्ञ संस्थानों की सलाह -मशविरे के आधार पर लोक निर्माण विभाग (लोनिव) प्रभावित हिस्से के स्थायी सुरक्षा प्रबंध में जुट गया है। ज्ञातव्य है कि 2018 में भी इस क्षेत्र का करीब पच्चीस मीटर लंबा हिस्सा झील की ओर धंस गया था। लोक निर्माण विभाग ने लाखों रुपए खर्च कर क्षतिग्रस्त हिस्से में नई सुरक्षा दीवार बनाई थी, जो अल्पजीवी साबित हुई।

नैनीताल की निचली माल रोड ब्रिटिश शासनकाल में अंग्रेजों द्वारा झील के चारों ओर बनाई गई पत्थरों की दीवार पर टिकी हुई है। ब्रिटिश शासनकाल में इस सड़क का उपयोग सामान ढोने वाले कुलियों के लिए किया जाता था। कुलियों द्वारा ढोई जाने वाली सामग्री मुख्य माल रोड में हवाखोरी करने वालों से टकरा न जाए, इससे बचने के लिए अंग्रेजों ने यह व्यवस्था बनाई थी। तब बोझ के साथ कोई भी कुली मुख्य माल रोड पर नहीं चल सकता था। नैनीताल की माल रोड का ग्रांड होटल से पुस्तकालय तक का हिस्सा भू- धंसाव के लिहाज से प्रारंभिक काल से ही संवेदनशील रहा है। इस क्षेत्र में जमीन के धंसने और दरारें आने का इतिहास बहुत पुराना है। 1889 में झील के पूर्वी छोर में अवस्थित तबके हैरिस होटल के पास एक छोटा भू-स्खलन हुआ था।

इस भू-स्खलन की जांच भारतीय भू-गर्भ सर्वेक्षण के तत्कालीन उपाधीक्षक आर.डी. ओल्डहैम ने की थी। इस बारे में ओल्डहैम ने 21 सितंबर,1889 को अपनी जांच रिपोर्ट सरकार को सौंपी थी। 26 जनवरी,1895 को कुमाऊं के तत्कालीन कमिश्नर लेफ्टिनेंट कर्नल ई. ई. ग्रीज ने अपने मुआयने के दौरान ग्रांड होटल से इलाहाबाद बैंक परिसर (उन दिनों इलाहाबाद बैंक माल रोड में था) में दरारें देखने की बात कही थी। 16 फरवरी, 1895 को पीडब्ल्यूडी के तत्कालीन अधिशासी अभियंता कर्नल फुलफोर्ड ने मालरोड में आई दरारों का मुआयना कर इस संबंध में चीफ इंजीनियर को रिपोर्ट भेजी थी। माल रोड में आई इन दरारों के मद्देनजर सरकार ने 24 मार्च,1895 को मिडिल माल रोड का निर्माण कार्य रोक दिया था।

1895 में ग्रांड होटल एवं बैंक हाउस के पीछे स्थित दीवारों में दरारें आईं। सरकार ने भू-वैज्ञानिक मिस्टर गिल्स से इन दरारों के कारणों की जांच कराई थी। 1916 में इलाहाबाद बैंक की दीवार ढह गई थी। 1921 में बैंक हाउस के पास पहाड़ी धंसी। जिस दौर में माल रोड में भू- धंसाव की ये घटनाएं घटीं, तब माल रोड सहित संपूर्ण नैनीताल यांत्रिक यातायात से बिल्कुल अछूता था। आज जबकि नैनीताल में इंसानों के साथ दोपहिया और चौपहिया वाहनों का भी रेला उमड़ने लगा है। इंसानों और वाहनों की बेतहाशा भीड़ के चलते नगर की सांसें थम-सी गईं हैं। लोअर माल रोड एवं मुख्य माल रोड सहित नगर की सभी सड़कें -गलियां अपनी क्षमता से कई गुना अधिक वाहनों का बोझ ढो रही हैं। नगर का हरेक कोना और पैदल रास्ते गाड़ियों से पट गए हैं। वाहनों की बेतहाशा भीड़ से पैदल आवागमन भी बाधित हो रहा है।

सुंदर प्राकृतिक झील, अनुपम सौंदर्य और स्वास्थ्यवर्धक जलवायु के मद्देनजर 182 वर्ष पूर्व अंग्रेजों ने नैनीताल नगर की बसावट शुरू की थी। औपनिवेशिक शासक नैनीताल की तुलना यूरोपीय देशों से करते थे। नैनीताल का स्वच्छ और शुद्ध वातावरण एवं आबोहवा को अच्छे स्वास्थ्य के लिए आदर्श माना जाता था। अंग्रेजी शासनकाल में नैनीताल को 'कंट्री रिट्रीट' कहा जाता था। अंग्रेज यहां के पारिस्थितिक एवं पर्यावरण का विशेष खयाल रखते थे। तब नैनीताल की सुंदरता, शांति और सुरक्षा, विश्व विख्यात थी। आज ये सभी खतरे में हैं। नैनीताल की बसासत के प्रारंभिक चरण में यहां आने-जाने के पैदल या घोड़ा-डांडी अकेले साधन थे। 24 अक्टूबर, 1884 को काठगोदाम रेल यातायात से जुड़ गया। इससे पहले नैनीताल नॉर्थ वेस्टर्न प्रोविंसेज आगरा एंड अवध की ग्रीष्मकालीन राजधानी बन गया था। तब नॉर्थ वेस्टर्न प्रोविंसेज के सर्वशक्तिमान ओहदेदार लेफ्टिनेंट गवर्नर, प्रांत के आला अधिकारी समेत सभी कारकुन काठगोदाम से घोड़े की सवारी अथवा पैदल नैनीताल आया करते थे। कालांतर में ब्रेबरी तक तांगे आने लगे। ब्रेबरी से घोड़ों में बैठकर अथवा पैदल नैनीताल आया जा सकता था।

1893 में नैनीताल तक तांगे पहुंच गए थे। अविभाजित भारत के सबसे बड़े ओहदेदार वॉयसरॉय, नॉर्थ वेस्टर्न प्रोविंसेज के लेफ्टिनेंट गवर्नर, सेना और प्रशासन के आला अफसरान तांगों में बैठकर नैनीताल आते थे। नैनीताल की बसावट के करीब सात दशक बाद 1915 में यहां मोटर सड़क पहुंची। तब तक नैनीताल विश्व मानचित्र में अपना विशिष्ट स्थान बना चुका था। मोटर मार्ग बनने के बाद काठगोदाम से नैनीताल तक मोटर लॉरी चलने लगी थी। नैनीताल मोटर ट्रांसपोर्ट कंपनी मोटर लॉरियों का संचालन करती थी। मोटर लॉरी तल्लीताल तक ही आ सकती थी। 1925 तक नैनीताल मोटर ट्रांसपोर्ट कंपनी के पास 88 लॉरियां थीं। नैनीताल के लचीले एवं भंगुर पर्यावरण और स्थानीय विशिष्टाओं के मद्देनजर नगर के भीतर यांत्रिक यातायात नहीं था। डांडी, झम्पानी, घोड़े और हाथ रिक्शा ही यातायात के एकमात्र मुख्य साधन थे। लेफ्टिनेंट गवर्नर समेत सभी अंग्रेज हुक्मरान और उनके परिजन नगर के भीतर हाथ रिक्शा और घोड़ों की सवारी किया करते थे। माल रोड और नगर के भीतरी हिस्सों में साइकिल चलाने पर भी सख्त पाबंदी थी। नगर के बाहरी हिस्से में साइकिल चलाने के लिए नगर पालिका से लाइसेंस लेना अनिवार्य था। कार्ट रोड (नैनीताल-हल्द्वानी मार्ग) और डिपो रोड (नैनीताल-भवाली मार्ग) में ही साइकिल चलाने की इजाजत दी जाती थी। 1901 में जब नैनीताल की ग्रीष्मकालीन आबादी 7609 थी, सिर्फ 520 बंगले और दूसरे मकानात थे, तभी नैनीताल के भार वहन क्षमता की बात होने लगी थी। अंग्रेज नैनीताल के नाजुक पर्यावरण के मद्देनजर यहां निश्चित सीमा से अधिक आबादी को बसाने के सख्त खिलाफ थे। कुमाऊं के तत्कालीन कमिश्नर कैप्टन ए. डब्ल्यू. इबट्सन ने 19 जुलाई, 1929 को नगर पालिका, नैनीताल की वार्षिक रिपोर्ट में लिखी एक टिप्पणी में कहा था- इस समय नैनीताल की एक स्वास्थ्यप्रद नगर की छवि है पर भविष्य में इस छवि को बनाए रखने में कुछ जटिल समस्याएं नजर आ रही हैं। इसमें कोई संदेह नहीं कि यह नगर अति इंसानों से भर गया है। जब कैप्टन इबट्सन ने यह टिप्पणी की उस दौर में नैनीताल की आबादी करीब बारह हजार थी। 1937 में नगर पालिका ने नैनीताल की मालरोड में नियंत्रित यांत्रिक यातायात की अनुमति प्रदान कर दी। तब नगर पालिका के अध्यक्ष या सचिव की पूवार्नुमति से विशेष परिस्थितियों में तल्लीताल से सचिवालय (वर्तमान उत्तराखंड उच्च न्यायालय) तक ही वाहन आ-जा सकते थे। 1938 में नगर पालिका ने माल रोड में वाहनों की अधिकतम गति सीमा दस मील प्रति घंटा तय कर दी थी। तब निचली माल रोड में गाड़ियों के चलने पर कठोर पाबंदी थी।

माल रोड में यांत्रिक यातायात की अनुमति दिए हुए दो साल भी नहीं बीते थे भू-वैज्ञानिकों ने माल रोड के अतिरिक्त अन्य स्थानों में वाहनों की आवाजाही का विरोध करना प्रारंभ कर दिया था। भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण के तत्कालीन अधीक्षक ए. एल. कॉल्सन ने 5 अगस्त, 1939 की अपनी एक रिपोर्ट में नैनीताल नगर के भीतर वाहनों की आवाजाही पर पाबंदी लगाने की सिफारिश की। उन्होंने अपनी रिपोर्ट में कहा ... तल्लीताल से सचिवालय तक गाड़ियां तो जाती हैं। पर इसके अलावा नगर के बाकी इलाकों में वाहनों की आवाजाही पहाड़ियों की सुरक्षा की दृष्टि से हानिकारक है। भारी वाहनों की आवाजाही से नगर की सुरक्षा एवं स्थिरता खतरे में पड़ सकती है।... गाड़ी चलाने वालों को खुद पैदल चलकर पदयात्रियों की तकलीफों को महसूस करना चाहिए। इसके बाद माल रोड में वाहनों की आवाजाही को हतोत्साहित करने की दृष्टि से लेक ब्रिज शुल्क की व्यवस्था की गई। अब यह व्यवस्था नगर पालिका की आमदनी का मुख्य स्त्रोत बन गई है।

अमेरिकी आत्मघाती वीजा बंदिशें, भारत के नये अवसर

ललित गर्ग

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दुनिया भर के पेशेवरों, खासकर भारतीयों के सपनों पर एक नई काली छाया डाल दी है, उनके सपनों को चकनाचूर कर दिया है एवं एक बड़ा संकट खड़ा दिया है। 21 सितंबर की रात 12 बजे के बाद अमेरिका में प्रवेश करने वालों को एच1बी वीजा प्राप्त करने के लिए लगभग एक लाख डॉलर यानी करीब 88 लाख रुपये सालाना शुल्क देना होगा। यह निर्णय केवल एक प्रशासनिक आदेश नहीं, बल्कि वैश्विक प्रतिस्पर्धा, प्रतिभा-प्रवास और अमेरिका-भारत संबंधों पर गहरा प्रभाव डालने वाला कदम है। अमेरिका के इस कदम के बाद भारत को अपनी आत्म-निर्भरता, स्वदेशी भावना एवं देश की प्रतिभाओं का देश में ही उपयोग को बल देना होगा। भारत अब दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थ-व्यवस्था बनने की ओर अग्रसर होने के साथ अवसरों की भूमि बन रहा है। इसलिये अमेरिका के निर्णय से ज्यादा परेशान होने की बजाय इसको सकारात्मक दृष्टि से लेने की जरूरत है।

निश्चित ही अमेरिका दशकों से अवसरों की भूमि माना जाता रहा है। यहां आने का सपना रखने वालों के लिए एच1बी वीजा एक सुनहरा टिकट एवं उन्नत जीवन का आधार रहा है। हर साल हजारों भारतीय इंजीनियर, डॉक्टर, वैज्ञानिक और तकनीकी विशेषज्ञ इस वीजा के माध्यम से अमेरिका जाकर अपने सपनों को साकार करते रहे हैं। सिलिकॉन वैली की चमक और वहां भारतीय प्रतिभाओं का वर्चस्व इसका जीता-जागता प्रमाण है। गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, आईबीएम और फेसबुक जैसी दिग्गज कंपनियों में उच्च तकनीकी पदों पर भारतीय मूल के लोगों की उपस्थिति सर्वाधिक है। भारतीय आईटी पेशेवरों के बिना अमेरिकी तकनीकी जगत की कल्पना करना कठिन है। एच-1 बी वीजा की फीस में अप्रत्याशित वृद्धि का फैसला भारतीय आइटी कंपनियों के साथ अमेरिकी हितों को भी चोट पहुंचाने वाला है। इनमें आइटी सेक्टर से इतर क्षेत्र की कंपनियां भी हैं। इसका प्रमाण यह है कि उनके फैसले की आलोचना अनेक अमेरिकी ही कर रहे हैं। यदि ट्रंप यह सोच रहे हैं कि एच-1बी वीजा धारकों की फीस एक हजार डालर से एक लाख डालर सालाना करने से भारतीय और अमेरिकी कंपनियां अमेरिका के युवाओं को नौकरी देने के लिए बाध्य हो जाएंगी तो यह उनकी भूल है, क्योंकि इन कंपनियों को जैसे और जितने सक्षम युवा पेशेवर चाहिए, वे अमेरिका में हैं ही नहीं। अमेरिकी राष्ट्रपति यह भी भूल रहे हैं कि अमेरिका के आर्थिक विकास में अप्रवासियों विशेषतः भारतीय प्रतिभाओं का सर्वाधिक योगदान है और यह केवल पेशेवर लोगों का ही नहीं, बल्कि कामगारों का भी है।

भले ही ट्रंप प्रशासन का यह आदेश उनकी 'अमेरिका फर्स्ट' नीति की अगली कड़ी है। उनका तर्क है कि विदेशी पेशेवर सस्ते श्रम के रूप में अमेरिकी नागरिकों की नौकरियां छीन रहे हैं। शुल्क इतना अधिक करके वे चाहते हैं कि केवल वही विदेशी पेशेवर अमेरिका आएं, जो न केवल उच्च योग्यता रखते हों बल्कि भारी शुल्क अदा करने की क्षमता भी रखते हों। लेकिन यह कदम अमेरिका के लिये ही आर्थिक दृष्टि से आत्मघाती साबित हो सकता है, क्योंकि अमेरिकी कंपनियों को उच्च कौशल वाले पेशेवरों की भारी जरूरत है और भारतीय आईटी पेशेवरों की कमी वहां सीधे तौर पर नवाचार और प्रतिस्पर्धा को प्रभावित करेगी। ट्रंप के फैसले को आपदा नहीं, बल्कि अवसर के रूप में देखना चाहिए। पहले भारतीय प्रतिभा अमेरिका की ओर बहती थी, अब यह प्रवाह कनाडा, जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया और सिंगापुर की ओर मुड़ सकता है। छात्र और युवा पेशेवर पहले से ही अमेरिकी वीजा नीतियों को लेकर असमंजस में रहते थे। अब यह आदेश उनके आत्मविश्वास और योजनाओं को और झकझोर देगा। हालांकि एक सकारात्मक पहलू यह भी है कि कई युवा भारत में ही स्टार्टअप्स, शोध और नई तकनीक के क्षेत्रों में काम करने की ओर आकर्षित होंगे। भारत पर इस नीति का असर केवल युवाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि व्यापक सामाजिक-आर्थिक असर डाल सकता है। भारतीय आईटी कंपनियां जैसे इन्फोसिस, टीसीएस, विप्रो आदि अमेरिका में बड़े पैमाने पर कार्यरत हैं। एच1बी वीजा पर निर्भरता ज्यादा होने के कारण उनका खर्च बढ़ेगा और प्रतिस्पर्धा कमजोर होगी। भारतीय पेशेवर हर साल अरबों डॉलर भारत भेजते हैं, वीजा बाधाओं से यह प्रवाह घटेगा। हजारों भारतीय छात्र अमेरिका में उच्च शिक्षा लेकर वहीं काम करने का सपना देखते हैं। अब शुल्क की बाधा उनके लिए अमेरिका को कम आकर्षक बनाएगी। साथ ही भारत में ही वैश्विक स्तर के शोध और नवाचार केंद्र विकसित करने की संभावना भी बढ़ेगी।

अमेरिका और भारत के संबंध बीते दो दशकों में आर्थिक, रणनीतिक और तकनीकी सहयोग की नई ऊँचाइयों पर पहुंचे हैं। अमेरिका ने भारत को रणनीतिक साझेदार माना है। रक्षा, व्यापार और तकनीक में गहरे संबंध बने हैं और भारतीय प्रवासी अमेरिकी राजनीति और अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। लेकिन ट्रंप के निर्णय से यह संदेश गया है कि अमेरिका भारत को साझेदार तो मानता है, लेकिन जब घरेलू राजनीति का दबाव आता है तो साझेदारी पीछे छूट जाती है। भारत-अमेरिका संबंधों का आधार लोगों से लोगों का संपर्क रहा है। यदि भारतीय पेशेवर अमेरिका में कम होते हैं तो यह आधार कमजोर होगा।

दैनिक पंचांग

23 सितम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

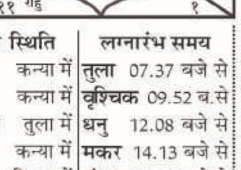

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कन्या में	तुला	07.37 बजे से
चंद्र	कन्या में	वृश्चिक	09.52 ब.से
मंगल	तुला में	धनु	12.08 बजे से
बुध	कन्या में	मकर	14.13 बजे से
गुरु	मिथुन में	कुंभ	15.59 बजे से
शुक्र	सिंह में	मीन	17.32 बजे से
शनि	मीन में	मेष	19.03 बजे से
राहु	कुंभ में	वृष	20.43 बजे से
केतु	सिंह में	मिथुन	22.41 बजे से
राहुकाल		कर्क	00.55 बजे से
3.00 से 4.30		सिंह	03.11 बजे से
बजे तक		कन्या	05.23 बजे से

मंगलवार 2025 वर्ष का 266 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** शरद। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** आश्विन **पक्ष** शुक्ल **तिथि** द्वितीया 04.52 बजे प्रात: को समाप्त। **नक्षत्र** हस्त 13.40 बजे को समाप्त। **योग** ब्रह्म 20.23 बजे को समाप्त। **करण** बालव 15.52 बजे तदनन्तर कौलव 04.52 बजे प्रात: को समाप्त। **चन्द्रायु** 01.2 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 00° 06' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872476 **जूलियन दिन** 2460941.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** रवि उलावल **तारीख** 30 **विशेष** चंद्र दर्शन।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- **शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

एक नजर

श्रद्धालुओं ने निकाली कलश यात्रा

कुरडेग : प्रखंड के उमामहेश्वर महावीर मंदिर में सोमवार को कलश स्थापना के साथ शारदीय नवरात्र शुरू हुआ। सोमवार को सैकड़ों की संख्या में माताएं बहनें कलश यात्रा निकाली। कलश यात्रा खालीजोरा नदी से शुरू हुई। जहां कलश में जल भर श्रद्धालु जयकारा लगाते हुए मन्दिर पहुंचे। जहां मां दुर्गा का आह्वान कर शारदीय नवरात्र का पूजा प्रारंभ हुआ। पुरोहित सूरज बीसी ने यजमान अनिल जायसवाल एवं धर्मपत्नी से विधिवत रूप से मंत्रोचारण कर पूजा प्रारंभ कराया।

टेल्को कॉलोनी में चोरी की वारदात जांच में जुटी पुलिस

पूर्वी सिंहभूम : शहर के टेल्को कॉलोनी में एक घर में चोरी की घटना ने इलाके में दहशत फैला दी है। सोमवार सुबह टाटा कमिंस कर्मचारी चैतन्य मुर्मू घर लौटे तो देखा कि उनके मकान का ग्रिल कटा हुआ है और कमरे की सभी अलमारियां खुली हुई हैं। यह देखकर परिवार और पड़ोस के लोग सकते में आ गए। चैतन्य मुर्मू ने बताया कि उनके घर में बेटी की शादी की तैयारी चल रही थीं। चोरी के दौरान चोरों ने बेटी की अलमारी को निशाना बनाया और उसमें रखे करीब 20 हजार रुपये मूल्य के कपड़े और लाखों रुपये के जेवर चोरी कर लिए। परिवार के सदस्य एक सप्ताह पहले ही घाटशिला स्थित गांव गए हुए थे, इसलिए घटना के समय चैतन्य अकेले घर में थे। मिली जानकारी के अनुसार, चोरी की वारदात रात 1 बजे से 1.30 बजे के बीच हुई। पड़ोस की एक छात्रा ने उसी समय अजीब आवाजें सुनी थीं, जो संभवत: चोरों की गतिविधियों से संबंधित थीं। यह पहली बार नहीं है जब इस क्षेत्र में ऐसी घटना हुई हैं। डेढ़ माह पहले ही पड़ोसी विनय कुमार झा की स्पलेंडर बाइक चोरी हुई थी, जिसके आरोपित को पुरूलिया से गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था। इधर, मामले को लेकर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

एक्सएलआरआइ और इकोरन एनर्जी के बीच हुआ समझौता

पूर्वी सिंहभूम : भारत के प्रमुख बिजनेस स्कूलों में से एक जेवियर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट (एक्सएलआरआइ) ने नवाचार और उद्योग-अकादमिक के सहयोग को मजबूत करने के लिए सोमवार को इकोरन एनर्जी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं। यह साझेदारी ऊर्जा क्षेत्र में अत्याधुनिक शोध, भविष्य की प्रतिभा का विकास और सतत विकास को बढ़ावा देने पर केंद्रित होगी। हस्ताक्षर समारोह में एक्सएलआरआइ के निदेशक डॉ. (फादर)वो जॉर्ज एस.जे. और इकोरन एनर्जी के एचआर व टेक्नोलॉजी प्रमुख डॉ. स्वामी रेड्डी उराडी उपस्थित थे। समारोह में एक्सएलआरआइ की ओर से कॉरपोरेट रिलेशंस एंड प्लेसमेंट के संयोजक प्रो. कनगराज ए., सह-संयोजक प्रो. सुनील सरंगी, वरिष्ठ प्रबंधक हिमांशु शेखर और इकोरन एनर्जी की ओर से रमेश नेति तथा ललिता रानी निरस्संकराराव भी मौजूद थे। डॉ. (फादर) सेबेस्टियन जॉर्ज ने कहा कि एक्सएलआरआइ में छात्रों को वास्तविक दुनिया की चुनौतियों के लिए तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध हैं और इकोरन एनर्जी के साथ यह सहयोग नवाचार को बढ़ावा देगा, जिससे स्नातक वैश्विक मंच पर नेतृत्व के लिए तैयार होंगे। डॉ. स्वामी रेड्डी ने कहा कि एक्सएलआरआइ के साथ साझेदारी उन्हें देश के बेहतरीन प्रबंधन प्रतिभाओं तक पहुंच प्रदान करती है और वे संयुक्त शोध, नवाचार और छात्रों के लिए नए करियर अवसरों को बढ़ावा देने के लिए उत्साहित हैं।

कैरियर निर्माण में सहायक साबित होता है खेल प्रतियोगिता : मंगल सिंह भोगता

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमडेगा : सिमडेगा जिला के ठेठईटांगर स्टेडियम में खरवार भोगता समाज विकास संघ खेल समिति द्वारा आयोजित फुटबॉल प्रतियोगिता के फाइनल मैच में भोगता ब्रदर्स बालक वर्ग में और जोराम की टीम बालिका वर्ग में किताब पर कब्जा जमाया। बालक वर्ग फाइनल मैच भोगता ब्रदर्स खूंटी और कोलेबिरा एफसी के बीच खेला गया। जिसमें भोगता ब्रदर्स की टीम ने कोलेबिरा को 1- 0 से पराजित किया जबकि खिताब पर कब्जा बालिका वर्ग में जोराम की टीम ने पेनल्टी शूट आउट में जोगबहार को पराजित किया। फुटबॉल प्रतियोगिता समापन समारोह के मुख्य अतिथि खरवार भोगता समाज दक्षिण प्रमंडलीय अध्यक्ष मंगल सिंह भोगता ने कहा कि यह आयोजन समाज को संगठित और विकसित करने के लिए एक मिसाल है । खेल में हार जीत होती है। लेकिन खेल का लक्ष्य सामुदायिक सहभागिता का संदेश देता है। लक्ष्य हासिल करने के लिए टीम के पूरे सदस्य मेहनत करते हैं जो लक्ष्य को हासिल करने का प्रेरणा प्रदान करता है। खेल से मानसिक शारीरिक और स्वास्थ्य का विकास होता है खेल कैरियर निर्माण में भी सहायक साबित होता है ।विजेता और उप विजेता टीमों को अतिथियों द्वारा ट्रॉफी और नगद राशि देकर पुरस्कृत एवं सम्मानित किया गया . समापन समारोह में जगन्नाथ भोगता, बसंत प्रधान, धीरज प्रधान, झुकती प्रधान, जयश्री प्रधान आदि ने अपने-अपने विचार व्यक्त किए और सामाजिक एकता को बनाए रखने की का आह्वान किया। इस अवसर पर काफी संख्या में लोग शामिल हुए आयोजन समिति की ओर से अतिथियों का अंग वस्त्र देकर एवं पारंपरिक नृत्य गीत से स्वागत किया गया।

ब्रह्म विद्या विहंगम योग जीवन जीने की मार्ग प्रशस्त करता है : कृष्णा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : ब्रह्म विद्या विहंगम योग की ओर से हजारीबाग रोड स्थित शकुंलता पैलेस में साप्ताहिक गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी की अध्यक्षता ब्रह्म विद्या विहंगम योग के जिला सह संयोजक डॉक्टर महेश मेहता एवं संचालन प्रदीप सिंह ने किया । मौके पर सामूहिक रूप से स्वागत गण, मंगल गान, माल्यार्पण, उद्घोष पाठ , ज्ञान गुदड़ी का पाठ किया गया। इसके साथ-साथ स्वर्वेद पाठ, भजन, प्रवचन, अमृतवाणी, वंदना ,आरती एवं शांति पाठ किया गया। मौके पर उपदेष्टा कृष्ण कुमार गुप्ता ने ब्रह्म विद्या विहंगम योग की बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि ब्रह्म विद्या विहंगम योग जीवन जीने की कला सिखाता है। कहा स्वर्वेद एक ऐसा ग्रंथ है जिसका नियमित पाठ से जीवन में बदलाव एवं कई समस्याओं का समाधान मिलता है । उन्होंने आम जनता से अपील किया कि वह भी ब्रह्म विद्या विहंगम योग से जुड़कर अपने जीवन को धन्य बनाएं। मौके पर कृष्ण कुमार गुप्ता, प्रदीप कुमार, सिकंदर सिंह ,अनमोल राणा, राजेश कुमार, धर्मेंद्र प्रसाद, कृष्ण प्रसाद केसरी, कुणाल गुप्ता, ममता देवी, प्रमोद गुप्ता, शकुंतला देवी, जसोदा देवी, ममता देवी, दीया गुप्ता, ध्रुव गुप्ता सहित कई लोग मौजूद थे।

कलश स्थापना के साथ शारदीय नवरात्र शुरू, प्रथम दिन मां शैलपुत्री की हुई पूजा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : कलश स्थापना के साथ शारदीय नवरात्र का अनुष्ठान शुरू हो गया है। पहले दिन मां दुर्गा नौ रूपों में से एक मां शैलपुत्री की पूजा अर्चना की गई। रजरप्पा मां छिन्मस्तिका दरबार के अलावा जिले के सैकड़ों स्थानों पर मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापित की जा रही है। इसके अलावा कलश स्थापना कर दुर्गा के नौ रूपों की पूजा शुरू कर दी गई है। रजरप्पा मंदिर के पुजारी सुबोध पांडा ने बताया कि माता को 108 उड़हुल के फूल की माला जरुर चढ़ाएं। इसके अलावा मां को श्रद्धा के साथ भोग लगाएं। इससे आपके जीवन में लाभ होगा। रामगढ़ झंडा चौक स्थित माता वैष्णो देवी मंदिर में शारदीय नवरात्र के पहले दिन सुबह से ही श्रद्धालु भक्तों का तांता लगा रहा। मंदिर के पुजारी पंडित लीलाधर शर्मा ने शारदीय नवरात्र पूजन के यजमान हर्ष आनंद और उनकी पत्नी निशु आनंद से कलश स्थापना कराने के बाद विधिवत पूजन आरंभ किया। 10 दिवसीय इस शारदीय नवरात्र अनुष्ठान के अवसर पर माता वैष्णों देवी मंदिर सहित पूरे मंदिर परिसर को फूल और विद्युत सज्जा कर आकर्षक बनाया गया है। पूरा मंदिर परिसर भक्तों के जयकारे से गुंजायमान होता रहा। माता के भक्तों की भीड़ को देखते हुए पंजाबी हिन्दू बिरादरी के तत्वावधान में माता वैष्णों देवी मंदिर ट्रस्ट ने भक्तों की सुविधा के लिए व्यापक प्रबंध किए हैं। पंजाबी हिन्दू बिरादरी और माता वैष्णों देवी मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष सुरत चन्द्र वासुदेव और महासचिव महेश मारवाह के अलावे बिरादरी के सभी सदस्य शारदीय नवरात्र के अवसर पर आगामी 29 सितम्बर को माता की चौकी और एक अक्तूबर को होने वाले भंडारा कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए प्रयासरत हैं।

श्रीराम पावर एंड स्टील प्लांट में आग से झुलसे मजदूर की इलाज के दौरान मौत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कुजू : मुरपा स्थित श्रीराम पावर एंड स्टील प्लांट में आग से झुलसे नेतलाल ठाकुर की मौत इलाज के दौरान हो गई है। उनकी मौत की सूचना पाकर स्थानीय ग्रामीण काफी उग्र हो गए हैं। ग्रामीणों ने बताया कि प्लांट प्रबंधन की लापरवाही के कारण नेतलाल ठाकुर की मौत हुई है। क्योंकि प्लांट में सुरक्षा व्यवस्था का घोर उल्लंघन किया गया है। प्रबंधन कभी भी मजदूरों की हित नहीं सोचती है। जिसके कारण श्रीराम पावर प्लांट में आए दिन घटना घटते रहती है और मजदूरों की जान चली जाती है। नेतलाल ठाकुर की मौत के बाद ग्रामीणों में काफी आक्रोश है। ग्रामीण नेतलाल के मौत की सूचना के बाद श्रीराम पावर प्लांट के मुख्य द्वार के बाहर जुटने लगे है। आंदोलन का नेतृत्व कर रहे विकास चंद्र पटेल ने कहा कि नेतलाल ठाकुर की मौत प्रबंधन की लापरवाही का नतीजा है। प्लांट प्रबंधन मृतक के परिजनों को 50 लाख का मुआवजा, योग्यता के आधार पर एक व्यक्ति को नियोजन और बीस हजार पेंशन देने की मांग की है। समाचार लिखे जाने तक ग्रामीण मांगों के समर्थन में प्लांट के मुख्य द्वार के सामने डटे हैं।

भाजपा पार्टी ने सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम को लेकर की अहम बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : शहर के बाटा चौक स्थित भाजपा के नगर अध्यक्ष संजय पटेल की अध्यक्षता में सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम के तहत राजमहल विधानसभा के पूर्व विधायक अनंत ओझा के कार्यालय मे एक महत्वपूर्ण बैठक रखी गई। जिसमे आगामी 25.9.2025 को पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती के शुभ अवसर पर भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर फिट सांसद खेल महोत्सव 2025 के निमित फिट इंडिया खेलो इंडिया कार्यक्रम के तहत साइक्लोथम कार्यक्रम की तैयारी व पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती मानने को लेकर राजमहल विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक अनंत ओझा का मार्गदर्शन व कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार करने के लिए सभी के बीच मार्गदर्शन रखी गई। और बैठक में उपस्थित हुए सभी नेता व कार्यकर्ता का सुझाव लिया गया। सर्व सहमति से कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की गई। इस अवसर पर भाजपा के जिला महामंत्री गौतम यादव, जिला उपाध्यक्ष रामानंद साह, प्रदेश कर समिति धर्मेंद्र कुमार, ओबीसी मोर्चा के प्रदेश कार्य समिति जयप्रकाश सिन्हा, जिला मंत्री चांदनी देवी, सिंधु पांडे, संतोष चौधरी, पंकज चौधरी, दिनेश पांडे, कुंदन शाह, कमल महावर, प्रमोद झा, आदित्य राज ठाकुर, जयकांत वर्मा, रतन चंद्र दास इत्यादि कार्यकर्ता गण उपस्थित हुए।

टाटा स्टील मल्टी स्किल सेंटर में बाल संरक्षण पर कार्यशाला का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पश्चिमी सिंहभूम : जिला में झारखंड राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के तत्वावधान में सोमवार को टाटा स्टील मल्टी स्किल सेंटर, चाईबासा में एकदिवसीय बाल संरक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य युवाओं को बाल अधिकारों, कानूनों और बाल संरक्षण के विभिन्न संस्थागत तंत्रों के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता और राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के सदस्य विकास दोदराजका ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए बाल अधिकार संरक्षण आयोग अधिनियम, 2005, किशोर न्याय अधिनियम-2015 और पॉक्सो अधिनियम-2012 की प्रमुख धाराओं की सरल और सटीक व्याख्या की। उन्होंने बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी), जिला बाल संरक्षण इकाई (डीसीपीयू) और चाइल्डलाइन 1098 की भूमिका को भी विस्तार से समझाया। दोदराजका ने युवाओं के प्रश्नों का संतुलित और तर्कपूर्ण उत्तर देते हुए कहा कि जिले में बाल संरक्षण के लिए चाइल्डलाइन, जिला बाल संरक्षण इकाई एवं बाल कल्याण समिति निरंतर सक्रिय है। उन्होंने समाज में बाल अधिकारों के प्रति संवेदनशीलता लाने पर भी जोर दिया। इस अवसर पर जिला बाल संरक्षण इकाई के परामर्शदाता संजय प्रसाद ने बाल अधिकारों की व्यावहारिक जानकारी दी और प्रतिभागियों को संरक्षण से जुड़े विविध पहलुओं से अवगत कराया। कार्यक्रम में टाटा स्टील मल्टी स्किल सेंटर के प्रशिक्षक राजीव कुमार, राजीव कुमार सिंह, गुरुस्वामी मोहंता, राम कुमार तिवारी, आकाश मुखिया, रोशनी कुमारी झा एवं अर्चना झा सहित अन्य विशिष्ट उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन शंखनील बसु ने सहज और प्रभावशाली अंदाज में किया। यह कार्यशाला प्रतिभागियों के लिए न केवल ज्ञानवर्धक रही, बल्कि उन्हें समाज के प्रति अधिक उत्तरदायी और जागरूक नागरिक बनने की प्रेरणा भी प्रदान की।

संक्षिप्त खबरें

श्री अग्रसेन स्कूल में महाराजा अग्रसेन जयंती धूमधाम से मनाई गई

भुरकुंडा : श्री अग्रसेन स्कूल भुरकुंडा में सोमवार को महाराजा अग्रसेन की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। विद्यालय प्रांगण में आयोजित भव्य समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि प्रभात कुमार अग्रवाल, स्कूल के निदेशक प्रवीण राजगढ़िया, प्राचार्य विवेक प्रधान व शिक्षकों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर अतिथियों व छात्रों ने महाराजा अग्रसेन के जीवन और उनके सिद्धांतों पर चर्चा की। उनकी दी गई शिक्षा को आज की युवा पीढ़ी के लिए मार्गदर्शक बताया। मुख्य अतिथि श्री अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा कि महाराजा अग्रसेन केवल एक शासक नहीं थे, बल्कि एक महान समाज सुधारक और दूरद्दष्टा भी थे। उन्होंने समाज को समानता, सहयोग और सेवा का मार्ग दिखाया। अग्रसेन जी का जीवन दर्शन आज भी मानवता के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने समाज को यह संदेश दिया कि कोई भी व्यक्ति समाज में अकेला न रहे। उनकी ह्लएक ईंट और एक रुपयाह्व की परंपरा ने हमें सिखाया कि यदि प्रत्येक परिवार किसी नए परिवार को एक ईंट और एक रुपया प्रदान करे तो वह परिवार भी समाज में मजबूती से खड़ा हो सकता है। यह परंपरा केवल आर्थिक सहयोग ही नहीं, बल्कि सामाजिक एकता और भाईचारे का भी प्रतीक है। विद्यालय के निदेशक प्रवीण राजगढ़िया ने कहा कि महाराजा अग्रसेन ने हमें अहिंसा, सहयोग और भाईचारे का अनमोल आदर्श दिया। आज के समय में जब समाज में प्रतिस्पर्धा और अलगाव की प्रवृत्ति बढ़ रही है, तब अग्रसेन जी के आदर्श हमें यह याद दिलाते हैं कि सच्चा धर्म दूसरों की सहायता करना है। उन्होंने कहा कि यदि हम सभी अग्रसेन जी के दिखाए मार्ग पर चलें तो समाज में समरसता और सौहार्द का वातावरण स्वत: निर्मित होगा। समारोह से पूर्व चित्रकला, निबंध एवं क्विज प्रतियोगिता का भी आयोजन हुआ। छात्रों ने गीत-नृत्य आदि सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति की। प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को अतिथियों ने पुरस्कृत किया। विभिन्न प्रतियोगिता के छात्र हुए पुरस्कृत -मानवी सिंह, आकांक्षा कुमारी,मयंक कुमार, स्तुति रंजन, अंशुमान मिश्रा, समृद्धि कुमारी, राजश्री कुमारी, शाश्वत राज, कृष्णा गोराईं, परम कुमार, प्रगति करमाली, नेहा कुमारी, देवराज कुशवाहा, आर्यन कुमार, तन्मय प्रथम, राबिला, आफिया, आर्यन कुमार, इंशा नायब हुसैन, अजस्या स्वराज, पीहू कुमारी, कनक करमाली, आर्यन राज, आकांक्षा रानी, प्रियांशु बेदिया, मानसी कुमारी, प्रिंस कुमार, सौरव तुरी, अनुराग बेदिया, अक्शा खान, फरहीन अफसरा, नित्या कुमारी, नंदिनी कुमारी, राशि कुमारी आदि को पुरस्कृत किया गया।

नवरात्र के अवसर पर हुई कलश स्थापना यात्रा में शामिल हुई पूर्व विधायक अंबा प्रसाद

केरेडारी : बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न हिस्सों में शारदीय नवरात्र के अवसर पर घट की स्थापना की गई। इस अवसर पर कलश स्थापना को लेकर भव्य कलश यात्रा का आयोजन किया गया जहां पूर्व विधायक अंबा प्रसाद भी कलश यात्रा में शामिल हुई एवं शारदीय नवरात्रि की शुभकामनाएं दी। इस दौरान पूर्व विधायक ने केरेडारी प्रखंड के सलगा एवं पहरा, बड़कागांव बरवाडीह समेत विभिन्न हिस्सों में शारदीय नवरात्र के अवसर पर विशाल कलश यात्रा के साथ नवाह्न परायण यज्ञ की शुरूआत हुई। सर्वप्रथम कार्यक्रम की शुरूआत पूजा पंडाल से हजारों भक्तों सहित स्थानीय पूर्व विधायक अंबा प्रसाद ने गाजे बाजे के साथ नदी तट से वैदिक मंत्रोच्चारण के पश्चात पवित्र जल भरकर कलश यात्रा में शामिल हुए। नगर भ्रमण करने के पश्चात वापस पूजा पंडाल में यात्रा संपन्न हुई। पूजा पंडाल में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए अंबा प्रसाद ने कहा कि 9 दिन तक चलने वाले नवरात्र पूजा में देवी शक्ति का पूजा किया जाता है और दुर्गा पूजा असत्य पर सत्य का विजय का प्रतीक है।

दैनिक बाजार में जेसीबी से किया गया समतलीकरण

बड़कागांव : बड़कागांव दैनिक बाजार दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष दीपक महतो के नेतृत्व में पूजा समिति द्वारा बाजार के पास रोड किनारे जेसीबी मशीन लगाकर समतलीकरण कार्य किया गया। रोड किनारे जमीन उबड़ खाबड़ होने के कारण लोगों को कई कठिनाइयों से गुजरना पड़ रहा था। अध्यक्ष दीपक महतो ने रोड किनारे दुकानदारों के द्वारा नाली के पास अतिक्रमण करने को लेकर अंचलाधिकारी मनोज कुमार से अतिक्रमण मुक्त करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि अतिक्रमण होने के कारण बराबर रोजाना हर वक्त सड़क जाम हो रही है , प्रशासन को इस ओर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। ताकि सुचारू रूप से आवागमन बहाल हो सके । दीपक ने कहा कि थाना परिसर में शांति समिति की बैठक में अंचलाधिकारी ने अतिक्रमण मुक्त करने का आश्वासन दिए थे।

मां अंबे दुर्गा पूजा समिति के द्वारा निकाली गई कलश यात्रा

बड़कागांव : गुरु चट्टी स्थित थाना के समीप संचालित बाजार टांड़ में मां अंबे दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष बिंदु दांगी ,संस्थापक दामोदर प्रसाद मेहता एवं अन्य विशिष्ट पदाधिकारियों के नेतृत्व में दुर्गा पूजा को लेकर कलश यात्रा निकाली गई। गुरु चट्टी थाना रोड बड़कागांव मुख्य चौक ,कदमाडीह, ढेंगा नटराज नगर आदि गांव मोहल्ले में कलश यात्रा का भ्रमण हुआ। छवनिया नदी से जल का उठाव कर लोग पुन: मंदिर प्रांगण पहुंचे तत्पश्चात मां दुर्गे की कलश स्थापना कर पूजा अर्चना की गई। कलश यात्रा में विधायक रोशन लाल चौधरी, पूर्व मंत्री योगेंद्र साहू के अलावा कई विशिष्ट लोग शामिल हुए। वही कलश यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं को स्वर्णकार समाज के अध्यक्ष रामसेवक सोनी व विशिष्ट पदाधिकारी के नेतृत्व में फ्रूटी देकर स्वागत किया गया। मौके पर सचिव पिंटू गुप्ता,उपाध्यक्ष टुकन महतो, बसंत नारायण तिवारी, उपसंयोजक अशोक सिन्हा, संरक्षक रामधनी महतो, जयशंकर मेहता, झमन प्रसाद, जय हिंद महतो , उप सचिव संजय कुमार, अवध किशोर कुमार, कोषाध्यक्ष हुलास प्रसाद दांगी, उप कोषाध्यक्ष सरोज कुमार, बीगल किशोर महतो, बबलू कुमार, विकास कुमार, राकेश कुमार के अलावा अन्य शामिल थे।

ब्लिंकिट संचालन से पैदा समस्याओं पर प्रशासन से ठोस कार्रवाई की मांग

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : सोनारी मौनी बाबा मंदिर के समीप ब्लिंकिट का संचालन स्थानीय निवासियों के लिए लगातार परेशानी का कारण बनता जा रहा है। सड़क जाम और दुर्घटनाएं यहां आम बात हो गई हैं।

पूर्व में भाजपा सोनारी मंडल अध्यक्ष प्रशांत पोद्दार के नेतृत्व में सोनारी क्षेत्र के पदाधिकारियों ने नवनियुक्त थाना प्रभारी मधुसूदन दे से सोमवार को मुलाकात कर इस विषय पर अवगत कराया था और ब्लिंकिट को स्थानांतरित करने की मांग रखी थी। थाना प्रभारी ने कहा था कि ब्लिंकिट के माध्यम से कई लोगों का रोजगार चल रहा है, इसलिए इसे स्थानांतरित करना संभव नहीं है, किंतु संचालक से वार्ता कर बीच का रास्ता निकाला जाएगा। रविवार को इक लगाने को लेकर ब्लिंकिट और स्थानीय निवासियों के बीच विवाद की स्थिति उत्पन्न हो गई थी, जो देखते-देखते पथराव तक पहुंच गई। प्रशासन ने अतिरिक्त सुरक्षा बल बुलाकर स्थिति को शांत करने का प्रयास किया। घटना की जानकारी मिलने के बाद भाजपा जिला मीडिया सह प्रभारी अखिलेश सिंह ने थाना प्रभारी से संपर्क करने का प्रयास किया ताकि प्रशासन दोनों पक्षों के साथ वार्ता कर समाधान निकाल सके, लेकिन उनकी ओर से कोई जवाब प्राप्त नहीं हुआ। अखिलेश सिंह ने जिला प्रशासन से मांग की है कि घटना को गंभीरता से लेते हुए ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए ठोस कार्रवाई की जाए। साथ ही ऐसा समाधान निकाला जाए इससे स्थानीय निवासियों और ब्लिंकिट संचालकों दोनों को कोई समस्या न हो।

एक नजर

संदिग्ध अवस्था में 55 वर्षीय अधेड़ का मिला शव, जांच में जुटी पुलिस

साहिबगंज: राधानगर थाना पुलिस ने उधवा स्थित पाकीजा मोड़ से सोमवार को एक 55 वर्षीय अधेड़ का शव बरामद किया है। मृतक की पाकुड़ थाना क्षेत्र के रहसपुर निवासी 55 वर्षीय खैरुल शेख के रूप में की है। मृतक वर्तमान में राजमहल थाना क्षेत्र के टापू टोला में रह रहा था। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए राजमहल अनुमंडलीय अस्पताल भेज दिया है। जानकारी के अनुसार मृतक खैरुल शेख कचरा चुनने का काम करता था। बताया जा रहा है कि वे शराब के आदि थे। शराब के कारण उसकी तबियत ज्यादा बिगड़ने पर उसकी मौत हो गई। उधर स्थानीय लोगों ने सड़क किनारे मृत अवस्था में शव को देख तुरंत इसकी सूचना राधानगर पुलिस को दी। वही सूचना पाकर राधानगर थाना पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की छानबीन की। पुलिस ने इस मामले में आसपास के लोगों से भी पूछताछ किया।

नवरात्र के प्रथम दिन श्रद्धालुओं ने निकाली भव्य कलश शोभा यात्रा

साहिबगंज: सदर प्रखंड के महादेवगंज दुर्गा स्थान के पूजा समिति के सदस्यों व श्रद्धालुओं ने महादेवगंज से मुक्तेश्वर बिजली गंगा घाट तक करीबन 7 किलोमीटर लंबे रास्ते पर कलश यात्रा शोभा निकाली। कलश यात्रा में 1100 महिला और कन्या शामिल थीं। वहीं श्रद्धालु बाइक व घोड़े पर भी सवार था। मुक्तेश्वर गंगा घाट से जल लेकर कलश यात्रा वापस महदेवगंज पहुंची। कलश स्थापना के साथ ही माता शैलपुत्री की पूजा के साथ नवरात्र की शुरूआत हो गई। कलश यात्रा के दौरान मुफस्सिल थाना प्रभारी अनीश कुमार पांडेय व नगर थाना प्रभारी अमित गुप्ता सुरक्षा व्यवस्था में लगे थे।

पत्रकार को पितृशोक

साहिबगंज: शहर के शास्त्री नगर निवासी एक अखबार के पत्रकार आलोक कुमार के पिता अभिनंदन पोद्दार(75) का सोमवार को लंबी बीमारी से निधन हो गया। अभिनंदन पोद्दार किडनी की बीमारी से ग्रसित थे। इलाज से उन्हें स्वस्थ लाभ भी पहुंचा था। लेकिन सोमवार को अचानक घर पर ही उनका निधन हो गया। उनके निधन से परिजनों पर गमों का पहाड़ टूट पड़ा है। जिला भर के पत्रकारों ने उनके निधन पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है।

आदिवासियों ने फूंका सरकार का पुतला, कहा कुर्मी, महतो नहीं है आदिवासी

साहिबगंज: आदिवासी सेंगेल अभियान के जिला अध्यक्ष संतलाल मुर्मू के नेतृत्व में सोमवार को प्रखंड क्षेत्र के बरहरवा फरक्का एन एच 80 के मुनिया होटेल के करीब सीएम हेमंत सोरेन का पुतला दहन किया गया। इस दौरान आदिवासी सेंगेल अभियान के दर्जनों समर्थक मौजूद थे। सभी ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सहित झारखंड के 28 एमएलए एवं एमपी के विरुद्ध जमकर नारेबाजी भी की। जिला अध्यक्ष संतलाल मुर्मू ने बताया कि 20 सितंबर को कुर्मी, महतो समाज ने रेल टेका डहर छेका आन्दोलन कर आदिवासी बनने का दावा किया है। लेकिन कुर्मी, महतो किसी भी तरह से आदिवासी नही है।

एक दिवसीय दौरे पर मिर्जाचौकी पहुंचे पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री सह भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी अपने एक दिवसीय दौरे पर सोमवार को मिजाचौकी पहुंचे। यहां पूर्व जिलाध्यक्ष विश्वनाथ साह उर्फ पप्पू साह ने अपने आवास पर बाबूलाल मरांडी को फूल माला पहनाकर व अंग वस्त्र देकर स्वागत किया। यहां बाबूलाल मरांडी ने कार्यकताओं से मिल कर उनकी समस्या जाना और समाधान को लेकर आश्वस्त किया। फिर वे फॉसिल्स पार्क के समीप सांस्कृतिक कला भवन परिसर पहुंच कर कार्यकताओं को संबोधित किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि आज झारखंड सरकार पत्थर, बालू, कोयला की चोरी करवा रही है।जिस प्रदेश की सरकार प्रदेश की धन संपदा चोरी करवायें उस राज्य का क्या होगा। इसलिए भाजपा कार्यकर्ता को संगठित होकर कार्य करना है। पूर्व बोरियो विस प्रत्याशी लोबिन हेम्ब्रम ने कहा कि झारखंड के लोग झारखंड से पलायन कर रहे हैं पर सरकार इस पर ध्यान नहीं दे रही है। आज बेटा बेटी ड्रिगी हासिल कर घुम रहे है पर राज्य सरकार वेकेंसी तक नहीं निकाल रही। ये सरकार दिखावे की सरकार है। मौके पर पूर्व जिलाध्यक्ष विश्वनाथ साह उर्फ पप्पु साह, बद्री भगत, नवल किशोर चौरसिया, अशोक वर्मा, ललन वर्णवाल, प्रदीप ओझा उर्फ छोटू, रविश कुमार, सचिन जयसवाल, मनोज वर्मा, विष्णु भगत, प्रयाग भगत, प्रमोद भगत, जितेन्द्र पंडित, अनिल मुर्मू, सलखु चंद्र हांसदा, राजेंद्र मुर्मू, मंजर आलम, बाबूलाल हांसदा, लच्छु मुर्मू सहित अन्य मौजूद थे।

आगामी 15 नवंबर तक मेधा के 10 मिल्क बूथ का संचालन होगा प्रारंभ

जिलेवासियों को मानक गुणवत्ता के दुग्ध उत्पाद उपलब्ध हो सकेंगे

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : ज़िले के उपायुक्त की अध्यक्षता में मेधा मिल्क बूथ अधिष्ठापन कार्यों को लेकर जिला गव्य विकास पदाधिकारी तथा भवन विभाग के कार्यपालक अभियंता एवं मेधा के पदाधिकारी के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपायुक्त मनीष कुमार ने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा संचालित प्रोजेक्ट एस.आई.पी के तहत जिले में 10 स्थानों पर मेधा के बूथ स्थापित किए जाने का निर्णय लिया गया है। इनमें से 5 बूथों का निर्माण लगभग पूर्ण हो चुका है। शेष 5 बूथों पर भी कार्य आरंभ कर दिया गया है। उपायुक्त ने कहा कि जहाँ भूमि से संबंधित समस्याएँ थीं, उन्हें चिन्हित कर समाधान कर लिया गया है। अगले 15 दिनों में 5 बूथ तैयार कर लिए जाएंगे और आगामी 15 नवम्बर तक सभी 10 बूथ संचालित कर दिए जाएंगे। नगर क्षेत्र में इन बूथों का राजस्व संग्रह नगर परिषद द्वारा तथा ग्रामीण क्षेत्रों में अंचल अधिकारी (सीओ) के माध्यम से किया जाएगा। मेधा को सभी फ्रीजर, ब्रांडिंग सामग्री एवं अन्य आवश्यक उपकरण जल्द उपलब्ध कराने तथा बूथों के गुणवत्तापूर्ण संचालन हेतु आवश्यक तैयारी पूरी करने के निर्देश दिए गए। समीक्षा के क्रम में उपायुक्त के द्वारा, आधारभूत संरचना निर्माण कार्य हेतु कार्यकारी एजेंसी भवन प्रमंडल पाकुड़ को सभी निर्माण कार्य को उत्कृष्ट गुणवत्ता के साथ अभिलंब पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। ज्ञात हो कि वर्तमान में जिले एक भी मिल्क पार्लर बूथ संचालित नहीं है, जिसके कारण विभिन्न समस्याएँ उत्पन्न होती हैं। वहीं उपायुक्त ने कहा कि पाकुड़ को मिल्क हब के रूप में विकसित किया जा सकता है और यह पहल उसी दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इसके साथ ही बैठक में यह भी चर्चा की गई कि पशु सखी अथवा लाभुकों के चयन के समय उन्हें क्लस्टर के रूप में एक ही गाँव में समूहित किया जाए, ताकि अधिक उत्पादन और उसका संचय सुगमता से किया जा सके।

विद्युत विभाग के कैंपों में दर्जनों मामलों का हुआ समाधा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिला के विद्युत आपूर्ति प्रमंडल की ओर से उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए जिले भर के कई जगहों पर लगाए गए विद्युत समाधान कैम्प में सोमवार को पहले दिन दर्जनों मामलों का ऑन दी स्पॉट समाधान किया गया। कार्यपालक अभियंता शंभु नाथ चौधरी ने बताया कि पहले दिन शहर के शोभनपुर भट्ठा, राजमहल के पियारपुर व बरहरवा के रामनगर हटिया में कैम्प लगाया गया। जिसमें लोग नया विद्युत कनेक्शन, बिजली बिल जुड़े मामले व अन्य समस्या लेकर पहुंचे। कैम्पों में दर्जनों मामलों का ऑन दी स्पॉट समाधान किया गया। बताया कि शोभनपुर भट्ठा में 6 नया कनेक्शन, 8 मीटर रिप्लेसमेंट, बरहरवा, रामनगर हटिया में 80 हजार राजस्व संग्रहण व राजमहल के पियारपुर बाजार के कैम्प में 4 नया कनेक्शन व 45 हजार राजस्व संग्रहण किया गया। वहीं कई मामलों के जल्द समाधान का आश्वसन दिया गया। कैम्पों में बिजली बिल का संग्रहण भी किया गया। कार्यपालक अभियंता ने बताया कि 23 सितंबर को बांझी बाजार व तीनपहाड़ पावर हाउज एवं 24 सितंबर को शहर के कबूतरखोपी, महदेवगंज पावर हाउज, उधवा चौक, महाराजपुर पावर हाउज व कोटालपोखर, शांति नगर में कैंप लगाए जाएंगे।

दुर्गा पूजा को लेकर कोटालपोखर थाना परिसर में शांति समिति की हुई बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : दुर्गा पूजा महोत्सव को शांति एवं सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने के उद्देश्य से सोमवार को कोटालपोखर थाना परिसर में शांति समिति की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता बरहरवा सीओ अनोज कुमार ने की। बैठक में कोटालपोखर थाना प्रभारी चंदन कुमार भैया, प्रखण्ड बीस सूत्री अध्यक्ष अशोक कुमार दास, विभिन्न पूजा समिति के प्रतिनिधि, राजनीतिक, सामाजिक व बुद्धिजीवी वर्ग के लोग शामिल हुए। सीओ ने मौजूद सभी समिति सदस्यों और ग्रामीणों से अपील करते हुए कहा कि दुर्गा पूजा के दौरान आपसी भाईचारा बनाए रखें और किसी भी प्रकार की अफवाह या अप्रिय स्थिति में तुरंत प्रशासन को सूचित करें। उन्होंने साफ निर्देश दिया कि विधि-व्यवस्था से समझौता नहीं किया जाएगा और सभी पूजा पंडालों पर प्रशासन की पैनी नजर रहेगी। थाना प्रभारी चंदन कुमार भैया ने कहा कि पूजा के दौरान सुरक्षा की विशेष व्यवस्था की गई है। जगह-जगह पुलिस बल की तैनाती होगी और सीसीटीवी कैमरे से भी निगरानी रखी जाएगी। किसी भी असामाजिक तत्व को बख्शा नहीं जाएगा। मौके पर विकास, अजीत, उत्तम, सरोज झा सहित दर्जनों लोग मौजूद थें।

दुगार्पूजा पंडालों में बाल श्रमिक का उपयोग वर्जित : उपायुक्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : ज़िले के उपायुक्त मनीष कुमार की अध्यक्षता में श्रम विभाग के पदाधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपायुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिया कि दुगार्पूजा पंडाल निर्माण में किसी भी स्थिति में बाल श्रमिक का प्रयोग नहीं किया जाए। उन्होंने श्रम अधीक्षक को बालश्रम निषेध संबंधी बैनर एवं पोस्टर पंडालों में अनिवार्य रूप से लगाने का निर्देश दिया। साथ ही श्रम विभाग एवं कौशल विभाग द्वारा संचालित योजनाओं का विस्तृत प्रतिवेदन शीघ्र उपलब्ध कराने को कहा। उपायुक्त ने डिजिटल प्लेटफॉर्म पर गिग वर्करों का ई-श्रम कार्ड बनाने की प्रक्रिया को गति देने का भी निर्देश दिया। बैठक के दौरान श्रम अधीक्षक ने बताया कि अब तक जिले के कुल 108 गिग वर्करों में से 93 का ई-श्रम कार्ड बनाया जा चुका है। उपायुक्त ने कहा कि दुगार्पूजा पर्व के दौरान प्रशासन सतर्क है और बालश्रम उन्मूलन के साथ-साथ श्रमिकों के अधिकारों की सुरक्षा प्राथमिकता पर सुनिश्चित की जाएगी।

शराब दुकानों का उपायुक्त ने किया औचक निरीक्षण

पाकुड़ : ज़िले के उपायुक्त मनीष कुमार ने उत्पाद विभाग अंतर्गत संचालित शराब दुकानों का औचक निरीक्षण किया। यह निरीक्षण उपभोक्ताओं द्वारा निर्धारित रेट से अधिक मूल्य वसूले जाने की शिकायतों के आधार पर किया गया।निरीक्षण के क्रम में दुकानों पर रेट लिस्ट, बिलिंग व्यवस्था एवं साफ-सफाई की स्थिति का जायजा लिया गया। उपायुक्त ने दुकानदारों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि किसी भी स्थिति में उपभोक्ताओं से निर्धारित मूल्य से अधिक राशि न वसूली जाए। ऐसा पाए जाने पर संबंधित दुकानदार के विरुद्ध त्वरित कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने उत्पाद विभाग के पदाधिकारियों को भी नियमित रूप से दुकानों की निगरानी करने और उपभोक्ताओं की शिकायतों का तत्परता से निस्तारण करने का निर्देश दिया गया।

संक्षिप्त खबरें

सिविल सर्जन ने सदर अस्पताल का किया औचक निरीक्षण

साहिबगंज: जिला के सिविल सर्जन डॉ रामदेव पासवान ने सोमवार को सदर अस्पताल का औचक निरीक्षण किया है। इस दौरान सीएस ने अस्पताल में भर्ती मरीजों से बातचीत करते हुए स्वास्थ्य सुविधाओं के बारे में जानकारी लिए है। सीएस ने मरीजों के बेड से लेकर दवा तक अस्पताल से ही उपलब्ध कराने का निर्देश दिए है। साथ ही निरीक्षण के दौरान सीएस ने सुविधाओ में बढोत्तरी को लेकर कई दिशा-निर्देश दिए है। वही सीएस ने सभी डॉक्टर व स्वास्थ्य कर्मी को ससमय ड्यूटी आने का सख्त निर्देश दिए है। इसके अलावा सीएस ने प्रसूता वार्ड, इमरजेंसी वार्ड, ओपीडी, डेंटल विभाग, सेंट्रल लैब, एक्सरे कक्ष, जन औषधि केंद्र, एसएनसीयू का जायजा लेते हुए कई आवश्यक निर्देश दिया। मौके पर डीएस डॉ. दिवेश कुमार व डॉ. मुकेश कुमार व अन्य उपस्थित थे।

स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत पर्यावरण-अनुकूल गतिविधियों का हुआ आयोजन

साहिबगंज: स्वच्छता ही सेवा 2025 अभियान के अंतर्गत रीड्यूस, रीयूज, रीसायकल कचरे से कला, पर्यावरण-अनुकूल एवं शून्य कचरा जीवनशैली विषय पर पूर्व रेलवे के मालदा मंडल द्वारा मंडल रेल प्रबंधक शमनीष कुमार गुप्ता के मार्गदर्शन में विविध पर्यावरण-अनुकूल एवं जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया गया। इसके अतिरिक्त, पूर्व रेलवे हाई स्कूल, साहिबगंज में विद्यार्थियों को स्वच्छता एवं पर्यावरण-अनुकूल जीवनशैली के महत्व से अवगत कराने हेतु एक नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। इन सभी गतिविधियों ने न केवल रेलकर्मियों की सृजनात्मकता एवं समर्पण को प्रदर्शित किया, बल्कि समाज को पर्यावरण-संरक्षण, स्वच्छता एवं सामूहिक उत्तरदायित्व का सशक्त संदेश भी दिया। मालदा मंडल ने इन पहलों के माध्यम से स्वच्छ भारत अभियान की भावना को पुनः पुष्ट किया और कम करना, पुनः प्रयोग करना एवं पुनर्चक्रण के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प व्यक्त किया।

पूजा पंडालों के लिए समर्पित डस्टबिन व विशेष टिप्पर वाहनों को हरी झंडी दिखाकर किया गया रवाना

साहिबगंज: नगर परिषद साहिबगंज द्वारा नगर क्षेत्र के सभी पूजा पंडालों में स्वच्छता व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु विशेष पहल की गई है। आज उप विकास आयुक्त सतीश चंद्रा ने पूजा पंडालों के लिए समर्पित डस्टबिन व विशेष टिप्पर वाहनों को समाहरणालय परिसर साहिबगंज से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर प्रशासक, नगर परिषद, अभिषेक कुमार सिंह ने बताया कि प्रत्येक पूजा पंडाल में एक-एक डस्टबिन उपलब्ध कराया जाएगा ताकि पूजा सामग्री को उचित स्थान पर एकत्रित किया जा सके। साथ ही, प्रत्येक पंडाल के लिए डेडिकेटेड सफाई मित्र की भी नियुक्ति की गई है, जो नियमित रूप से सफाई कार्य सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने कहा कि नगर परिषद का मुख्य उद्देश्य स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण बनाए रखना है, विशेषकर त्योहारी अवसरों पर जब नगर क्षेत्र में जनसमूह की अधिकता होती है। इस अभियान से न केवल पंडाल क्षेत्र स्वच्छ रहेंगे बल्कि शहरवासियों को भी एक स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण मिलेगा।नगर परिषद ने शहरवासियों से अपील की है कि वे पूजा सामग्री को निर्धारित डस्टबिन में ही डालें और स्वच्छता अभियान में सहयोग प्रदान करें।

मंगलहाट में भव्य कलश शोभायात्रा निकाली गई

साहिबगंज: राजमहल प्रखंड के मंगलहाट दुर्गा पूजा मंदिर से नवरात्र के प्रथम दिन मां शैलपुत्री के आगमन पर भव्य कलश शोभायात्रा निकाली गई। कलश शोभा यात्रा में हजारों की संख्या में कुमारी लड़की एवं महिला ने अपने माथे पर कलश लेकर गंगाजल के लिए गंगा नदी पहुंचे और कलश में गंगाजल भरे। राजमहल विधायक मो ताजउद्दीन उर्फ एमटी राजा ने राजमहल प्रखंड के मंगलहाट स्थित सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति के माध्यम से आयोजित कलश यात्रा का फीता काटकर व नारियल फोड़कर शुभारंभ किए। कलश यात्रा में हजारों की संख्या में लोग शामिल थे। पूजा समिति के सुभाष चंद्र दास, राजेश मंडल, विकास यादव, दुर्गा मंडल, श्रवण मंडल सहित अन्य ने विधायक को अंग वस्त्र एवं चुनरी भेंट कर स्वागत किया। मौके पर मौजूद झामुमो युवा मोर्चा जिला सचिव सह विधायक प्रतिनिधि मो मारूफ उर्फ गुड्डू, राजमहल सीओ मो युसूफ व थाना प्रभारी मो. हसनैन अंसारी का भी अंग वस्त्र देकर स्वागत किया गया। कलश यात्रा में लगभग 5 हजार से अधिक लोग शामिल थे। विधायक ने कहा कि मंगलहाट दुर्गा मंदिर के माध्यम से भव्य आयोजन दुर्गा पूजा के अवसर पर की जाती है। उन्होंने कहा कि व्यक्तिगत रूप से समिति से उनका पुराना संबंध है और पूजा एवं आयोजन में विधि व्यवस्था एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने में प्रशासनिक पदाधिकारी सजगता पूर्वक कार्य करेंगे।

क्या दूसरी बार टूटेगा लालू परिवार

संजय से करीबी पर घर में घिरे तेजस्वी, बेटे-बेटियों में टकराव क्यों नहीं रोक पा रहे लालू यादव

पटना। बिहार अधिकार यात्रा के दौरान 19 सितंबर को RJD लीडर तेजस्वी यादव ने एक्स अकाउंट पर ये लाइन लिखी। तेजस्वी सहरसा में पूरे बिहार के साथ होने का दावा कर रहे थे, लेकिन उसी वक्त वे घर में अकेले पड़ रहे थे।बहन रोहिणी आचार्य ने तेजस्वी के करीबी संजय यादव को घेरा। इसके बाद पार्टी से बाहर चल रहे बड़े भाई तेजप्रताप रोहिणी के सपोर्ट में आ गए। तेजप्रताप, तेजस्वी की विधानसभा सीट राघोपुर में बाढ़ पीड़ितों को मदद बांट रहे थे, तेजस्वी को फेल बता रहे थे, तब रोहिणी उनकी तारीफ कर रही थीं। लालू यादव ने 25 मई, 2025 को तेजप्रताप को पार्टी से बाहर कर दिया था। तो क्या अगला नंबर रोहिणी आचार्य का है, क्या बिहार की सियासत में सबसे ताकतवर लालू परिवार फिर से टूटने वाला है। तेजस्वी यादव जहानाबाद से वैशाली तक बिहार अधिकार यात्रा निकाल रहे हैं। ताजा विवाद उनके सबसे भरोसेमंद सलाहकार संजय यादव की एक फोटो से भड़का। इसमें संजय यादव तेजस्वी की बस में फ्रंट सीट पर बैठे दिख रहे हैं। इसी से रोहिणी का गुस्सा भड़क गया।उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा- फ्रंट सीट सदैव शीर्ष के नेता-नेतृत्वकर्ता के लिए होती है और उनकी अनुपस्थिति में भी किसी को उस सीट पर नहीं बैठना चाहिए। वैसे अगर कोई अपने आप को शीर्ष नेतृत्व से भी ऊपर समझ रहा है, तो अलग बात है। संजय यादव पिछले विधानसभा चुनाव में तेजस्वी के रणनीतिकार थे। तब RJD 75 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी बनी थी, लेकिन तेजस्वी मुख्यमंत्री नहीं बन पाए। इस बार भी संजय यादव तेजस्वी यादव के साथ साये की तरह दिख रहे हैं। तेजस्वी यादव तक पहुंचने का रास्ता संजय यादव से होकर जाता है। तेजस्वी यादव को RJD की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में लालू प्रसाद यादव के बराबर अधिकार दिए जा चुके हैं। इसके बाद यह उनका पहला विधानसभा चुनाव है। एक्सपर्ट मानते हैं कि तेजस्वी के करीबी होने की वजह से पार्टी में संजय यादव के विरोध का कोई मतलब नहीं रह जाता। लालू परिवार में संजय यादव का विरोध, तेजप्रताप से रोहिणी तक लालू परिवार के अंदर संजय यादव का विरोध पहली बार नहीं है। इसकी शुरूआत 2021 में ही हो गई थी। शुरूआत तेजप्रताप ने की। वे राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव

से मिलने राबड़ी देवी के घर गए थे। बाहर निकलकर बोले कि संजय यादव ने मुझे तेजस्वी यादव से बात नहीं करने दी और उन्हें लेकर अंदर चले गए। तेजप्रताप इसके बाद कोई नाम लेने की बजाय जयचंद बोलने लगे। दूसरी तरफ तेजस्वी यादव ने संजय यादव को राज्यसभा भेज दिया। अब संजय यादव ही पार्टी का पक्ष रख रहे हैं। तेजस्वी यादव के बाद संजय यादव RJD में सबसे ताकतवर नेता माने जाते हैं। बस की फ्रंट सीट पर संजय यादव की फोटो के जरिए रोहिणी का गुस्सा सामने आ गया। उन्होंने कहा कि पूरे बिहार के साथ-साथ हम तमाम लोग इस सीट पर लालू जी और तेजस्वी यादव को बैठते देखने के अभ्यस्त हैं। उनकी जगह पर कोई और बैठे, ये हमें तो कतई मंजूर नहीं है। ठकुरसुहाती करने वालों, जिन्हें एक दोयम दर्जे के व्यक्ति में विलक्षण रणनीतिकार-सलाहकार-तारणहार नजर आता है, की बात अलग है। तेजप्रताप को पार्टी से बाहर किया गया, तब रोहिणी चुप रही थीं। अब रोहिणी ने संजय यादव पर सवाल उठाया, तो रोहिणी का साथ देने तेजप्रताप सामने आ गए। कहा, अगर मेरी बहन का किसी ने अपमान किया, तो सुदर्शन चक्र चलाऊंगा। पार्टी में रहते हुए तेजप्रताप यादव की रणनीति कुछ सीटों पर अपने लोगों को टिकट दिलाने की थी। चुनाव से पहले ही RJD ने उन्हें बाहर कर दिया। तेजप्रताप यादव को इसकी आशंका पहले से थी, इसलिए उन्होंने पहले ही एक संगठन बना लिया था- छात्र जनशक्ति परिषद। फिर संगठन के नाम से छात्र शब्द हटा दिया। आखिरकार नई पार्टी बना ली, जनशक्ति जनता दल। अब वे नए गठबंधन के साथ विधानसभा चुनाव में उतर रहे हैं। इसका नाम है- सामाजिक न्याय लोकतांत्रिक गठबंधन या सोशल जस्टिस डेमोक्रेटिक अलायंस। तेजप्रताप जन संवाद यात्रा पर हैं। हालांकि उनकी यात्रा में तेजस्वी यादव की बिहार अधिकार यात्रा से कम भीड़ है। इसके बावजूद तेजप्रताप 15 सीटों पर RJD के लिए खतरा बन सकते हैं। महुआ सीट से वे खुद चुनाव लड़ने वाले हैं। यहां से RJD के मुकेश रोशन विधायक हैं। वे तेजस्वी की सीट राघोपुर में एक्टिव हैं। अब रोहिणी के साथ खड़े होकर बता रहे हैं कि RJD में ठीक नहीं हो रहा है। 17 अगस्त से 1 सितंबर तक चली वोटर अधिकार यात्रा में रोहिणी तेजस्वी के साथ दिखी थीं। तेजस्वी बिहार अधिकार यात्रा पर निकले, तो रोहिणी को साथ नहीं रखा। इसे संजय यादव की रणनीति माना जाता है कि तेजस्वी बिहार अधिकार यात्रा पर निकलें। वोटर अधिकार यात्रा में राहुल गांधी ही छाए हुए थे। इसलिए तेजस्वी की ब्रांडिंग जरूरी थी। बिहार अधिकार यात्रा में तेजस्वी के साथ न तो लालू परिवार से कोई रहा, न महागठबंधन की पार्टियों से जुड़े नेता। यह वन मैन शो रहा। रोहिणी की सारण में मौजूदगी की एक वजह उनका यहां से चुनाव लड़ना भी था। लालू यादव ने उन्हें 2024 के लोकसभा चुनाव में सारण से टिकट दिया। बेटी को जिताने के लिए लालू प्रचार करने भी गए, लेकिन रोहिणी हार गईं। यहां से BJP के राजीव प्रताप रूडी चुनाव जीते थे। तेजस्वी अभी महागठबंधन में भी चुनौती झेल रहे हैं। महागठबंधन की पार्टियों VIP और भाकपा माले में एकराय है कि तेजस्वी ही CM फेस होंगे, लेकिन कांग्रेस उनका नाम घोषित करने से बच रही है। तेजस्वी को महागठबंधन की पार्टियों ने कोआर्डिनेशन कमेटी का चेयरमैन बनाया है। कांग्रेस के अलावा बाकी पार्टियों को तेजस्वी के फेस पर आपत्ति नहीं है।कांग्रेस को 70 सीटें हासिल करने के लिए मशक्कत करनी पड़ रही है। इसके बावजूद तेजस्वी को महागठबंधन के अंदर चुनौती मिल रही है। इसके बाद तेजस्वी ने भी कह दिया है कि जनता तय करेगी कि बिहार का सीएम कौन होगा। लालू परिवार में बने हालात पर हमने पटना के आम लोगों से बात की। बेटे को एग्जाम दिलाने आए जयप्रकाश पांडेय मानते हैं कि इस झगड़े से लालू परिवार को नुकसान होगा। जयप्रकाश कहते हैं, तेजस्वी यादव के परिवार में जो हो रहा है, यह उनका पारिवारिक मामला है। इससे नुकसान तो जरूर होगा। घर फूटता है, तो जवार (पड़ोस) लूटता है। हालांकि, जितेंद्र राय को लगता है कि इससे पार्टी पर बहुत असर नहीं पड़ेगा। जितेंद्र कहते हैं, यह हर परिवार में होता रहता है। विपक्ष ऐसे ही हवा उड़ाता है। वोटर सब समझ रहा है। इससे कोई नुकसान नहीं है। तेजप्रताप यादव के अलग होने से भी कोई फर्क नहीं पड़ेगा।

मेरे बॉयफ्रेंड ने मेरे पति की हत्या करवाई

'**पटना।** मेरे प्रेमी ने मुझसे 3 से 4 लाख रुपए लिए, गहने भी ले लिए। उसकी नजर मेरे नाम से मार्केट में खरीदी गई 30 लाख रुपए की जमीन पर थी। वो लगातार मुझ पर दबाव डाल रहा था कि जमीन मैं उसके नाम पर कर दूं, लेकिन जब मैंने ऐसा करने से इनकार कर दिया, तो प्रेमी ने मेरे पति को मेरा अश्लील वीडियो भेज दिया। एक साल से मेरा अफेयर

निर्मल, आरोपी प्रेमी

चल रहा था। मेरे प्रेमी ने ही अपने भाईयों से मेरे पति की दिल्ली में हत्या करवाई है। मुझे नहीं पता था कि जमीन की लालच में मेरा प्रेमी ही मेरे पति की हत्या करा देगा। ऐसा होता तो मैं कभी भी उससे संबंध नहीं रखती।' ये बातें 28 साल की महिला (आरती) ने पांडव की मौत के बाद उसकी पत्नी, भाभी, पड़ोसी ने गांव के ही निर्मल यादव (38) पर हत्या का आरोप लगाया है।आरती देवी 4 बच्चों की मां है। उसकी शादी 10 साल पहले साहेबपुर कमाल थाना क्षेत्र के आहोक घाट कीर्ति टोला के रहने वाले पांडव यादव से हुई थी। पांडव यादव पेशे से ड्राइवर है। शादी के बाद से ही पांडव दिल्ली में रहकर ड्राइवर का काम करता था। महिला ने बताया, 'शादी के बाद मेरे पति हर 6 महीने में दिल्ली से बेगूसराय आना-जाना करते थे। पति की गैर मौजूदगी में मुझे बच्चों को देखना पड़ता था। चूंकि सबसे बड़ा बेटा 9 साल का है, तो उसका नाम आंगनबाड़ी में लिखवाना था। ेरे घर से कुछ दूरी पर निर्मल यादव का घर है, जिसके घर के आगे ही आंगनवाड़ी है। जब मैं पहली बार आंगनबाड़ी गई, तो वहां मुझे निर्मल यादव मिला। निर्मल यादव जमीन की दलाली करता है और सरकारी योजनाओं के फॉर्म लोगों से भरवाता है। जब उसने मुझे आंगनवाड़ी में देखा तो कई सरकारी योजनाओं के लाभ के बारे में बताया। कहा- आपके बेटे समेत चारों बच्चों का आधार कार्ड बनवा दूंगा, मेरी भाभी आंगनबाड़ी में ही टीचर है। बच्चों का एडमिशन भी करा दूंगा।' आरती ने बताया, 'एक साल पहले निर्मल ने मेरे बच्चों का आधार कार्ड बनवाने का झांसा दिया और मेरा नंबर ले लिया। इसके बाद वो मुझे कभी भी फोन कर देता था। मैं उसे मना करती थी, लेकिन धीरे-धीरे मैं भी उसके ओर आकर्षित हो गई। फिर हम दोनों ने एक दूसरे से प्यार करने लगे। इसके बाद पति की गैर मौजूदगी में हम दोनों का मिलना-जुलना शुरू हो गया। हम दोनों के बीच शारीरिक संबंध भी बने। इसके बाद निर्मल यादव देर रात मेरे घर भी आने जाने लगा। इसी दौरान उसने मेरा अश्लील वीडियो भी बना लिया।'

20 जिलों में आज बारिश का यलो अलर्ट

पटना। बिहार में मानसून एक्टिव है। मौसम विभाग ने आज यानी सोमवार को प्रदेश के 20 जिलों में बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में तेज हवा के साथ बारिश हो सकती है।

हालांकि, पिछले 24 घंटे में किसी जिले में बारिश नहीं हुई है। पटना में भी धूप निकली थी, जिससे लोग उमस भरी गर्मी से परेशान रहे। मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक, उत्तर प्रदेश और उससे सटे बिहार के ऊपर वायु चक्रवाती परिसंचरण सक्रिय है, जिसके कारण उत्तर-दक्षिण दिशा में टर्फ लाइन बनी हुई है।इसकी वजह से पटना समेत बिहार के उत्तर और पश्चिमी हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है।मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, इस समय मौसम में बदलाव का मुख्य कारण ऊपरी वायु चक्रवात है। इसके प्रभाव से बिहार के कई हिस्सों में बादल छाए रहेंगे और स्थानीय स्तर पर बारिश हो सकती है।पटना में आज मौसम सुहावना रह सकता है। दिन में हल्की बारिश और बादल छाए रहने की संभावना है। वहीं, हवा की गति हल्की रहेगी, जिससे तापमान में बहुत ज्यादा उतार-चढ़ाव नहीं होगा। दुर्गा पूजा के दौरान तेज बारिश हो सकती हैमौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, उत्तरी अंडमान सागर और म्यांमार तट पर वर्तमान में एक चक्रवात एक्टिव है, जो कल यानी 22 सितंबर तक उत्तरी बंगाल की खाड़ी तक पहुंच सकता है। इसका प्रभाव प्रदेश के ऊपर पड़ेगा, जिससे प्रदेश में बारिश हो सकती है।साथ ही, 25 सितंबर के आसपास म्यांमार-बांग्लादेश तटों के पास बंगाल की खाड़ी में एक नया निम्न दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है। यह निम्न दबाव का क्षेत्र मजबूत होता है तो बिहार में दुर्गा पूजा के दौरान तेज बारिश हो सकती

चचेरे भाइयों के बीच गोलीबारी, एक की मौत

पटना। रविवार देर रात एक युवक ने अपने ही चचेरे भाई की गोली मारकर हत्या कर दी। मृतक की पहचान 30 वर्षीय धीरज कुमार के रूप में हुई है। यह घटना पटना के फतुहा थाना क्षेत्र के मालबीघा गांव की है। जानकारी के अनुसार, धीरज कुमार का कुत्ता पड़ोसी और चचेरा भाई पप्पू कुमार को देखकर जोर-जोर से भौंकने लगा। इसी बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी हुई, जो जल्द ही हिंसक झड़प में

बदल गई। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि गुस्से में आकर पप्पू ने देसी कट्टे से धीरज को गोली मार दी। जिससे धीरज गंभीर रूप से घायल होकर वहीं गिर पड़ा और बेसुध हो गया।गोली चलने की आवाज सुनकर मौके पर पहुंचे धीरज के परिजनों और ग्रामीणों ने पप्पू को पकड़ लिया। इसके बाद उसकी लोगों ने जमकर पिटाई कर दी। इस पिटाई से पप्पू भी गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना मिलने पर फतुहा पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को सरकारी अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल में डॉक्टरों ने धीरज कुमार को मृत घोषित कर दिया।PMCH रेफर करने से रोका, परिजन ने किया हंगामा घटना में गंभीर रूप से घायल पप्पू को प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने पटना मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। जब पुलिस पप्पू को एम्बुलेंस से पटना ले जाने लगी तो मृतक के परिजनों ने उन्हें रोक दिया और हंगामा करने लगे। स्थानीय पुलिस और एसडीपीओ अवधेश कुमार अस्पताल पहुंचे।

नालंदा के आशापुरी मंदिर में महिलाओं की एंट्री बैन

पटना। शारदीय नवरात्र का पहला दिन है। पहले दिन मां शैलपुत्री की पूजा हो रही है। बिहार के मंदिरों समेत गोपालगंज के थावे मंदिर में सुबह से भक्तों की भीड़ दिखाई दे रही है। वहीं मुंगेर के प्रसिद्ध मां चंडिका मंदिर में बाढ़ का पानी भरा हुआ है। ऐसे में इस बार भक्त गर्भगृह में मां की पूजा नहीं कर पाएंगे। मेन गेट को ही सजाया गया है, वहीं से श्रद्धालु का के दर्शन कर पाएंगे।इधर, पटना के प्रसिद्ध पटन देवी मंदिर के बाहर भक्तों की लंबी लाइन है। मंदिर आने वाले रास्ते को भी सजाया गया है।नालंदा के मां आशापुरी मंदिर में महिलाओं की एंट्री बैन है। मंदिर के पुजारी ने बताया कि, यहां तांत्रिक पूजा होती है, इसलिए यहां 9 दिन महिलाओं का प्रवेश निषेध रहता है।आमतौर पर नवरात्र 9 दिन का होता है, लेकिन इस बार ये त्योहार 10 दिनों का होगा, क्योंकि इस बार नवरात्रि की चतुर्थी तिथि दो दिन रहेगी। इससे पहले 2016 में भी नवरात्रि 10 दिनों की थी। आचार्य राकेश झा ने बताया, 'शारदीय नवरात्र के पहले दिन कलश स्थापना के साथ ही मां शैलपुत्री की पूजा होती है। नवरात्र के दौरान चतुर्थ तिथि दो दिन होने से कुष्मांडा माता की पूजा दो दिन होगी। महाष्टमी 30 सितंबर और नवमी का व्रत-पूजन 1 अक्टूबर बुधवार को होगा।' सूर्यसिद्धांतीय जयादित्य पंचांग के अनुसार, इस बार मां दुर्गा हाथी पर आ रही हैं। ऐसा माना जाता है कि हाथी पर सवार होकर आना बहुत शुभ होता है। इससे घर में सुख-समृद्धि आती है और सब कुछ अच्छा होता है। इसलिए इस बार के नवरात्र और भी खास हैं। बांका और मुंगेर जिले से सटे प्रसिद्ध तेलडीहा दुर्गा मंदिर में सोमवार को नवरात्र के पहले दिन श्रद्धालुओं की भीड़ दिखी। दुर्गा

पूजा को लेकर आयोजित विशेष पूजा में भक्तों ने मां दुर्गा को गंगा जल अर्पित किया। यह जल श्रद्धालु सुल्तानगंज से लगभग 25 किलोमीटर पैदल यात्रा कर मंदिर तक लेकर आए थे। सुबह से ही जल अर्पण का सिलसिला शुरू हो गया था,जो अभी तक जारी रहा। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने मंदिर में जल अर्पण कर माता का आशीर्वाद लिया। मंदिर परिसर से लेकर चार किलोमीटर दूर तक भक्तों की लंबी कतारें लगी रहीं।इस दौरान जय माता दी और हर-हर महादेव के जयकारों से वातावरण भक्तिमय हो उठा।लखीसराय के बड़हिया नगर स्थित प्रसिद्ध शक्तिपीठ मां बाला त्रिपुर सुंदरी जगदम्बा स्थान में शारदीय नवरात्र के पहले दिन श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है।नवरात्र के मौके पर मंदिर को आकर्षक तरीके से सजाया गया है। बाहर से बुलाए गए कारीगरों ने पूरे परिसर की सजावट की है। मंदिर को फूलों से भी सजाया गया है। मंदिर में श्रद्धालुओं का आना-जाना दिनभर जारी रहता है। विभिन्न ट्रेनों से उतरने वाले भक्त सीधे मंदिर पहुंचते हैं। मंगलवार और शनिवार को भीड़ और अधिक बढ़ जाती है।हा जाता है पाल वंश के काल में भक्त शिरोमणि श्रीधर ओझा ने इस मंदिर की स्थापना की थी। वे वैष्णो देवी मंदिर के भी संस्थापक थे। मान्यता है कि यहां सच्चे मन से मांगी गई मन्नतें पूरी होती हैं।1992 में संगमरमर से निर्मित यह मंदिर हर साल लाखों श्रद्धालुओं को आकर्षित करता है। मंदिर की ऊंचाई 150 फीट से अधिक है। शिखर पर स्वर्ण कलश स्थापित है। नालंदा के मां आशापुरी मंदिर में नवरात्रि के 9 दिनों तक महिलाओं के प्रवेश पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया जाता है। यह परंपरा इतनी कठोर है कि महिलाओं को मंदिर परिसर में भी प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाती। इतना ही नहीं, पुरुष श्रद्धालु भी इन नौ दिनों तक मंदिर के गर्भगृह में दर्शन नहीं कर सकते हैं। मंदिर के पुजारी जनार्धन उपाध्याय बताते हैं कि, यह परंपरा पूर्वजों से चली आ रही है। और हम इसका सम्मान करते हुए इसे आगे बढ़ा रहे हैं। नवरात्रि के दौरान यहां विशेष तांत्रिक अनुष्ठान होते हैं जिनके कारण यह निर्णय लिया गया था। नवरात्रि के दौरान मंदिर के गर्भगृह में केवल तीन पुजारियों का प्रवेश होता है। सुबह और शाम को चार से पांच घंटे तक चंडी पाठ होता है, जिसमें विशेष तांत्रिक विधियों का प्रयोग किया जाता है। पटन देवी मंदिर के योनी हवन कुंड को लेकर मान्यता है कि यह हवन कुंड माता सती के पाताल लोक से सीधा संबंध स्थापित करता है। मान्यता है कि इस हवन कुंड में डाली गई सामग्री सीधे पाताल लोक में चली जाती है। आरा के आदिशक्ति मां आरण्य देवी मंदिर में नवरात्र के अवसर पर भक्तों की भीड़ है। लोगों की लंबी लाइन लगी है।

संक्षिप्त डायरी

बंदे भारत एक्सप्रेस की चपेट में आया युवक, मौत

शेखपुरा। में रविवार शाम को किऊल-गया रेलखंड पर एक दुर्घटना सामने आई। कॉलेज मोड़ के पास बंदे भारत एक्सप्रेस की चपेट में आने से एक 30 वर्षीय अज्ञात युवक की मौत हो गई। घटना में युवक का शरीर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। सूचना मिलते ही जीआरपी थाना शेखपुरा के पुलिस सब इंस्पेक्टर सच्चिदानंद कुंवर के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के

लिए सदर अस्पताल भेज दिया। जीआरपी थानाध्यक्ष योगेंद्र प्रसाद ने बताया कि घटना आरडी कॉलेज रेलवे गुमटी के पास हुई। मृतक हाफ गंजी और पैंट पहने हुए था। शव की स्थिति को देखते हुए पहचान करना मुश्किल है। प्राथमिक जांच में आत्महत्या का अनुमान लगाया जा रहा है। 72 घंटे सदर अस्पताल में रखा जाएगा शव पुलिस ने शव की पहचान के लिए आसपास के थानों को सूचित कर दिया है। शव को 72 घंटे तक सदर अस्पताल में रखा जाएगा। इस दौरान यदि कोई पहचान नहीं होती है, तो पुलिस अंतिम संस्कार की कार्रवाई करेगी।

फंदे से लटकने के कारण भागलपुर की मनीषा की मौत

भागलपुर। के इशाकचक थाना क्षेत्र के व्यायामशाला मोहल्ले के पास रहने वाली मनीषा खुदकुशी करने के वक्त दुविधा में थी। आत्महत्या के क्रम में उसने चार बार अपने गले में फंदा डाल कर खोल लिया, पांचवीं बार फंदा से झूल गयी। पुलिस की ओर से जब्त किये गये मृतिका मनीषा के मोबाइल में

पुलिस को एक घंटे का वीडियो मिला है। मायके वालों को मनीषा की हत्या कर दिये जाने की आशंका थी। वीडियो देखने के बाद उन्हें विश्वास हो गया कि उसकी मौत में ससुरालवाले का हाथ नहीं था। हां, इतना जरूर है कि मनीषा अपने ससुराल में और खास कर अपने पति से खुश नहीं थी। उसने दो पन्ने के सुसाइड नोट में स्पष्ट लिखा था कि उसे पति से वो प्यार नहीं मिला, जिसकी उसे उम्मीद थी। आठ सितंबर को मनीषा की मौत हो गई थी। लाइव हैंगिंग देख पुलिसवाले भी हैरत में मनीषा की ओर से बनायी गयी एक घंटे की लाइव हैंगिंग का वीडियो को देख कर पुलिस वाले भी आश्चर्यचकित थे। वीडियो में स्पष्ट दिख रहा था कि मनीषा काफी दुखी थी। उसने चार बार गले में फंदा डाला और खोल भी लिया।फंदा डालते ही उसका मन बदल जा रहा था और वह फंदा खोल कर कुछ देर रुक जाती थी और सोचने लगती थी। पांचवीं बार वह पूरी तरह से कठोर हो चुकी थी और ज्यादा समय नहीं लगाते हुए फंदे से झूल गयी।महज 15 से 20 सेकेंड के अंदर उसका शरीर शांत पड़ गया था। एक साड़ी के टुकड़े से मनीषा ने फंदा लगाया था। इशाकचक पुलिस को मृतका का दो मोबाइल मिला था। जिसमें से एक मोबाइल में यह वीडियो मिला हैजिस कमरे में मनीषा ने खुदकुशी की, उस कमरे में कोई भी बेड नहीं था। इस कारण जब मनीषा के पति और ससुराल वाले इस घटना से अवगत हुए तो उनलोगों ने आनन - फानन में मनीषा की बॉडी को फंदे से उतार कर दूसरे कमरे में लिटा दिया था। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गयी।घटना की सूचना पर मनीषा के मायके वाले और स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची, तो देखा कि शव दूसरे कमरे में था। इसी कारण सिर्फ मनीषा के मायके वाले ही नहीं बल्कि इशाकचक पुलिस को भी मनीषा की मौत को लेकर संदेह था। मनीषा अपने पीछे आठ साल की बेटी और तीन साल का बेटा को छोड़ गयी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में भी फंदे से लटकने की वजह से मौत की पुष्टि हुई है।

दबंगों पर तीन कट्ठा जमीन कब्जा करने का आरोप

भागलपुर। के सुल्तानगंज थाना क्षेत्र में एक मजदूर की जमीन पर दबंगों के अवैध कब्जा करने का आरोप है। कसमाबाद गांव के मजदूर बबलू मंडल की तीन कट्ठा जमीन पर स्थानीय दबंगों ने कब्जा जमा लिया है। पीड़ित बबलू मंडल ने बताया कि दो साल पहले गांव के श्याम मंडल, खीरों मंडल और संजीव मंडल ने उनसे एक लाख रुपए की रंगदारी मांगी थी। रंगदारी न देने पर इन लोगों ने उनकी जमीन पर कब्जा कर

लिया। तीन लाख रुपए की रंगदारी मांगने का आरोप मामले में पीड़ित ने सुल्तानगंज थाना और भागलपुर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को लिखित शिकायत दी। लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। अब दबंग तीन लाख रुपए की रंगदारी मांग रहे हैं। साथ ही पीड़ित को जान से मारने की धमकी दे रहे हैं।गांव के निवासी राज कुमार ने पुष्टि की है कि विवादित जमीन बबलू मंडल की है। सीसीटीवी फुटेज में रंगदारी मांगने और जमीन पर कब्जा करने की पूरी घटना कैद हो गई है। विधि व्यवस्था डीएसपी नवनीत कुमार के अनुसार आवेदन के आधार पर मामले की जांच की जा रही है।

भागलपुर में विश्व शांति दिवस पर गोष्ठी का आयोजन

भागलपुर। प्रखंड के छोटी जमीन में रविवार शाम 4 बजे पीस सेंटर परिधि ने विश्व शांति दिवस पर एक चर्चा गोष्ठी का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में युवाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। संस्कृति कर्मी उदय ने कहा कि आज

की दुनिया में किसी एक जगह की घटना का प्रभाव पूरी दुनिया पर पड़ता है। उन्होंने बताया कि विश्व व्यापार संगठन के बाद दुनिया एक गांव बन गई है। यह सिर्फ व्यापार तक सीमित नहीं है। इसका विस्तार सांस्कृतिक, वैचारिक, राजनीतिक और आर्थिक क्षेत्रों में हुआ है। पीस सेंटर परिधि के संयोजक राहुल ने कहा कि समता शांति का मूल आधार है। युद्ध का कारण विषमता है। किसी को बराबरी का न मानने से ही युद्ध की भावना जन्म लेती है। समाज में भी जब किसी समुदाय, जाति, नस्ल, लिंग या वर्ग को समान नहीं माना जाता, तो तनाव पैदा होता है। उन्होंने कहा कि समता और सम्मान के बिना शांति संभव नहीं है। शांति के बिना विकास नहीं हो सकता। इतिहास बताता है कि शांतिपूर्ण माहौल में ही विज्ञान, कला, संस्कृति और साहित्य का विकास हुआ है। शांति एक ऐसा सार्वभौम सत्य है, जिसे हर कोई चाहता है।

क्या आप भी बार- बार करवाते हैं फेस क्लीन-अप ? तो जानिए इसके फायदे हैं या नुकसान

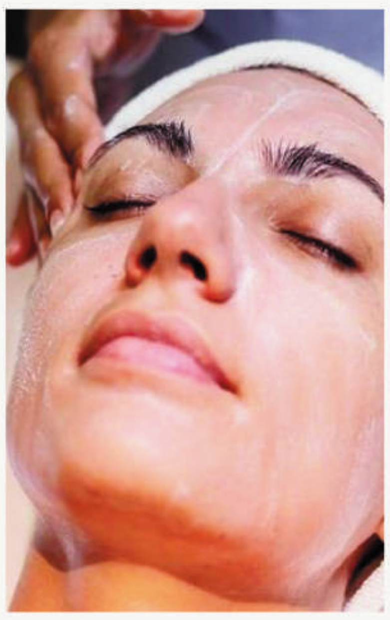

आजकल फेस क्लीन-अप स्किन केयर रूटीन का अहम हिस्सा बन गया है। कई लोग इसे हर महीने करवाते हैं ताकि चेहरा साफ और ग्लोइंग बना रहे। लेकिन बहुत से लोगों के मन में यह सवाल होता है कि क्या सचमुच मासिक फेस क्लीन-अप सुरक्षित हैं नहीं? चलिए जानते हैं इस सवाल का जवाब।

फेस क्लीन-अप क्या है?

फेस क्लीन-अप एक स्किन ट्रीटमेंट है जिसमें चेहरे की गहराई तक सफाई की जाती है। इसमें क्लींजिंग, स्क्रबिंग, स्टीम, ब्लैकहेड/व्हाइटहेड रिमूवल और फेस पैक लगाया जाता है। यह फेशियल से हल्का और कम समय लेने वाला होता है।

मासिक फेस क्लीन-अप के फायदे

गहराई से सफाई- इससे धूल, मिट्टी, पसीना और ऑयल के कारण जमी गंदगी हटती है।

एक्ने और ब्लैकहेड्स में राहत- इससे पोर्स साफ हो जाते हैं जिससे पिंपल्स कम होते हैं।

ग्लोइंग स्किन- डेड स्किन सेल्स हटने से चेहरा चमकने लगता है।

खून का संचार बेहतर- मसाज से ब्लड सर्कुलेशन बढ़ता है और स्किन हेल्दी दिखती है।

कम खर्चीला- यह फेशियल से सस्ता और जल्दी हो जाने वाला प्रोसेस है।

किन बातों का ध्यान रखें?

संवेदनशील त्वचा वाले लोगों को हर महीने क्लीन-अप करने से जलन, लालिमा या एलर्जी हो सकती है। बार-बार स्क्रबिंग या स्टीम लेने से ड्रायनेस और इरीटेशन हो सकती है। अगर किसी को एक्टिव एक्ने, रैशेज या स्किन डिज़ीज है तो पहले डॉक्टर या डर्मेटोलॉजिस्ट से सलाह लें। क्लीन-अप हमेशा साफ-सुथरे और प्रोफेशनल सैलून/क्लिनिक में ही करवाएं।

किसे कितनी बार करवाना चाहिए?

ऑयली या नॉर्मल स्किन वालों के लिए महीने में एक बार क्लीन-अप करवाना फायदेमंद है। ड्राय या सेंसिटिव स्किन के लिए 6-8 हफ्तों में एक बार ही पर्याप्त है। पिंपल्स/एलर्जी प्रोन स्किन वाले डॉक्टर की सलाह पर ही क्लीन-अप करवाएं। मासिक फेस क्लीन-अप ज्यादातर लोगों के लिए सुरक्षित है, बशर्ते यह आपकी स्किन टाइप के हिसाब से और सही तरीके से किया जाए।

क्या आप भी रोज फाउंडेशन लगाते हैं?

आज के जमाने में मेकअप महिलाओं के जीवन का अहम हिस्सा बन चुका है। खासकर फाउंडेशन का इस्तेमाल चेहरे की त्वचा को एक समान टोन देने, दाग-धब्बों और असमान रंगत को छुपाने के लिए किया जाता है। फाउंडेशन से चेहरे का लुक निखरता है और आत्मविश्वास बढ़ता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि रोजाना फाउंडेशन लगाने से आपकी त्वचा को नुकसान भी पहुंच सकता है? यह आर्टिकल उन खतरों को विस्तार से समझाएगा, जो फाउंडेशन के निरंतर उपयोग से हो सकते हैं, साथ ही इन नुकसान से बचने के लिए महत्वपूर्ण सुझाव भी देगा।

फाउंडेशन क्या है और क्यों इस्तेमाल करते हैं?

फाउंडेशन एक प्रकार का मेकअप प्रोडक्ट है जो चेहरे की रंगत को एक समान बनाता है और त्वचा की खामियों को छुपाता है। यह कई तरह के फॉर्मूलों में आता है। लिक्विड, पाउडर, क्रीम या स्टिक के रूप में। फाउंडेशन का मुख्य उद्देश्य चेहरे को एकदम फ्रेश, स्मूथ और चमकदार बनाना होता है।

रोजाना फाउंडेशन लगाने के नुकसान

1. पोर क्लॉगिंग

फाउंडेशन में कई बार भारी क्रीम्स और केमिकल्स होते हैं जो आपकी त्वचा के पोर्स को बंद कर देते हैं। पोर्स बंद होने से त्वचा सांस नहीं ले पाती और इससे पिंपल्स, ब्लैकहेड्स और व्हाइटहेड्स जैसी समस्याएं जन्म लेती हैं। अगर पोर्स लगातार बंद रहे तो त्वचा की स्वाभाविक सफाई में बाधा आती है।

2. त्वचा की सांस लेने की क्षमता कम होना

त्वचा भी एक जिंदा अंग है जिसे ऑक्सीजन की जरूरत होती है। जब आप रोजाना फाउंडेशन लगाते हैं, तो त्वचा की सतह पर एक परत जम जाती है जो ऑक्सीजन के प्रवेश को रोकती है। इससे त्वचा का नेचुरल ग्लो कम हो जाता है और आपकी त्वचा दम तोड़ने लगती है।

3. त्वचा की जलन और एलर्जी

फाउंडेशन में मौजूद केमिकल्स, परफ्यूम और प्रिजर्वेटिव्स कई बार त्वचा के लिए एलर्जी पैदा कर सकते हैं। खासकर संवेदनशील त्वचा वाले लोगों को फाउंडेशन से रैशेस, खुजली और सूजन जैसी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। इस लिए रोज- रोज फाउंडेशन नहीं लगाना चाहिए।

4. त्वचा का रूखा होना

कई फाउंडेशन त्वचा से नमी सोख लेते हैं जिससे त्वचा रूखी, खुरदरी और बेजान दिखने लगती है। सूखी त्वचा पर फाउंडेशन ठीक से नहीं लगता, जिससे मेकअप का लुक भी खराब होता है।

5. त्वचा की उम्र जल्दी बढ़ना

फाउंडेशन में मौजूद कुछ हार्श केमिकल्स त्वचा के प्राकृतिक कोलेजन और इलास्टिन को नुकसान पहुंचाते हैं। इससे त्वचा जल्दी बुढ़ाने लगती है और झुर्रियों, लाइनें पड़ने लगती हैं।

6. धूप से नुकसान और टैनिंग

अधिकतर फाउंडेशन में पर्याप्त स्क्र्न नहीं होता, जिससे त्वचा सूरज की हानिकारक यूवी किरणों से सुरक्षित नहीं रहती। इसके कारण त्वचा टैनिंग, डार्क स्पॉट्स और झुर्रियों का शिकार हो सकती है।

7. त्वचा में बैक्टीरिया का विकास

रोजाना मेकअप के कारण त्वचा की सफाई ठीक से न हो पाये तो त्वचा में बैक्टीरिया पनपने लगते हैं। इससे चेहरे पर फोड़े-फुंसी, संक्रमण और सूजन की समस्या हो सकती है।

फाउंडेशन लगाने से होने वाले और भी संभावित नुकसान

मुंहासे की समस्या बढ़ना : क्लॉग्ड पोर्स और त्वचा पर जमा मैल मुंहासे को बढ़ावा देते हैं।

त्वचा का रंग फीका पड़ना- लगातार केमिकल्स के संपर्क में रहने से त्वचा का प्राकृतिक रंग फीका पड़ सकता है।

त्वचा की संवेदनशीलता बढ़ना: केमिकल प्रोडक्ट्स की वजह से त्वचा और अधिक संवेदनशील हो जाती है और पर्यावरणीय कारकों का असर ज्यादा होता है।

फाउंडेशन लगाने से बचने और त्वचा को स्वस्थ रखने के टिप्स

1. हर दिन मेकअप हटाएं : रोजाना फाउंडेशन लगाने के बाद रात को सही तरीके से मेकअप हटाना बहुत जरूरी है। मेकअप रिमूवर या क्लीनिंग ऑयल का इस्तेमाल करें और चेहरे को गुनगुने पानी से धोएं। इससे पोर्स खुलेंगे और त्वचा सांस ले सकेगी।

2. हल्का फाउंडेशन या बी.बी.क्रीम चुनें - रोजाना के इस्तेमाल के लिए भारी और मोटे फॉर्मूले वाले फाउंडेशन की जगह हल्का, ऑयल फ्री और स्किन फ्रेंडली बी.बी. क्रीम या टिंटेड मॉइस्चराइजर का चयन करें।

3. मॉइस्चराइजर और प्राइमर जरूर लगाएं : फाउंडेशन लगाने से पहले त्वचा को मॉइस्चराइजर से हाइड्रेट करें। प्राइमर लगाने से फाउंडेशन की परत त्वचा पर अच्छी तरह चिपकती है और मेकअप ज्यादा समय तक टिकता है।

4. साप्ताहिक स्किन केयर रूटीन अपनाएं : हफ्ते में एक या दो बार एक्सफोलिएशन और डीप क्लीनिंग करें ताकि मृत त्वचा की परत हटे और पोर्स साफ़ रहें। जिससे चेहरा चमकने लगे।

5. सनस्क्रीन का उपयोग करें : फाउंडेशन के ऊपर भी एक अच्छा एसपीएफ वाला सनस्क्रीन लगाना न भूलें। यह त्वचा को यूवी किरणों से बचाता है और टैनिंग से रोकता है।

6. त्वचा को आराम दें : सप्ताह में कम से कम एक या दो दिन बिना फाउंडेशन के बिताएं ताकि त्वचा को सांस लेने का मौका मिले और वह पुन : स्वस्थ हो सके।

7. नेचुरल और ऑर्गेनिक प्रोडक्ट्स चुनें : जिन फाउंडेशन में हानिकारक केमिकल्स नहीं होते, वे आपकी त्वचा के लिए बेहतर होते हैं। ऑर्गेनिक प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करने से त्वचा को नुकसान कम होता है और नैचुरल ग्लो भी मिलता है।

फाउंडेशन का सही इस्तेमाल आपकी खूबसूरती को निखार सकता है, लेकिन इसका रोजाना और अधिक इस्तेमाल आपकी त्वचा के लिए नुकसानदायक हो सकता है। पिंपल्स, ड्राईनेस, एलर्जी, और बुढ़ापा जैसे कई नुकसान फाउंडेशन के गलत और ज्यादा इस्तेमाल से हो सकते हैं। इसलिए मेकअप के साथ-साथ अपनी त्वचा की देखभाल पर भी ध्यान देना बेहद जरूरी है। सही प्रोडक्ट चुनें, नियमित रूप से त्वचा की सफाई करें, और त्वचा को आराम भी दें।

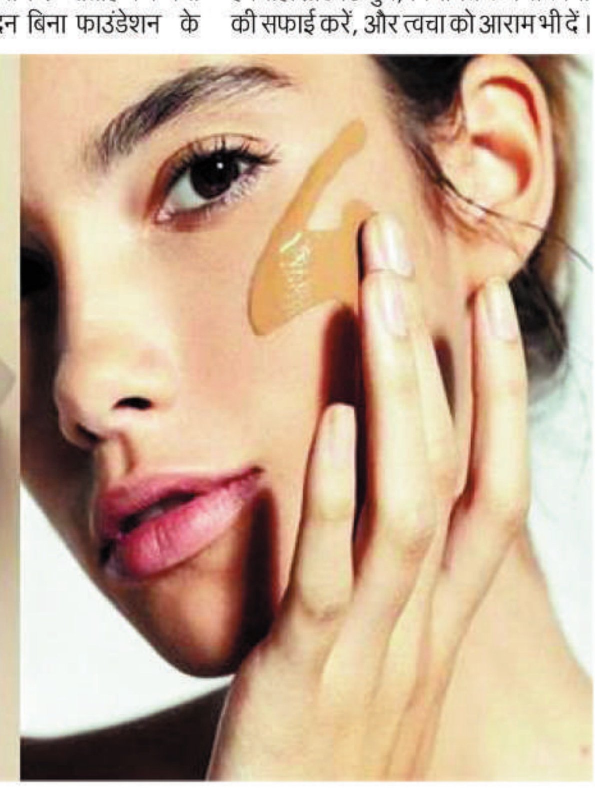

कम बजट और कम समय में घर की सजावट

आज के समय में लोग अपने घर के इंटीरियर को खूबसूरत लुक देने के लिए कई तरह के प्रयोग करते हैं. कई तरह की थीम का चुनाव कर आकर्षक बनाते हैं. जिसमें अच्छा खासा पैसा भी खर्च किया जाता है. इंटीरियर आज के समय की मांग है जिसे ज्यादातर लोग करवाना पसंद करते हैं. बहुत से लोग ऐसे भी हैं जो अपने घर का इंटीरियर लुक बदलना तो चाहते हैं लेकिन उनके पास इसके लिए अच्छा बजट नहीं होता या फिर समय की कमी होती है. यदि आप भी कम खर्च और कम समय में अपने घर को सुन्दर बनाना चाहते हैं तो इसके लिए आपको बहुत सारे पैसे खर्च करने की जरुरत नहीं है. हम आपको बताते हैं कि किस तरह आप कम खर्च और कम समय में अपने घर को एक आकर्षक लुक दे सकते हैं.

रंग/प्रकार के आधार पर समूह बनाएं

रंग/प्रकार सभी घर की सजावट के विचारों के लिए एक महत्वपूर्ण विचार है। क्यूरियोस को अलग दिखाने के लिए, उन्हें घर के चारों ओर बिखेरने के बजाय रंग के आधार पर समूहीकृत करने पर विचार करें। आप अपने घर में क्षेत्रों को परिभाषित करने के लिए सजावट की वस्तुओं को रंग, रूप या प्रकार के आधार पर समूहीकृत कर सकते हैं। उदाहरण के लिए, भोजन क्षेत्र नीला हो सकता है, जबकि एक खुली मंजिल की योजना में रहने की जगह बरगंडी टोन लेती है। इसी तरह, आप लिविंग एरिया में फ्लोटिंग शेल्फ या कैबिनेट पर क्यूरियोस और डाइनिंग स्पेस या हॉलवे में प्राचीन वस्तुओं या संग्रहणीय वस्तुओं को प्रदर्शित कर सकते हैं।

खेल-खेल में पुनः उपयोग करें

आपको अपने घर को सजाने के लिए हमेशा नई चीजें खरीदने की ज़रूरत नहीं है। अपने पास जो कुछ भी है उसे देखें और सोचें कि उसे कैसे फिर से इस्तेमाल किया जा सकता है। क्या कोई पुराना दरवाजा हेडबोर्ड बन सकता है? इसी तरह, एक टोकरी पेंडेंट लैंपशेड बन सकती है। अपने घर की सजावट को निजीकृत करने के लिए पुरानी चीज़ों को फिर से इस्तेमाल करने के बारे में सोचें।

मौसम के अनुसार खिड़कियों का ख्याल रखें

आप खिड़कियों को जिस तरह से सजाते हैं, वह आपके घर के बारे में बहुत कुछ बताता है। छत से लटके मुलायम पर्दे कमरे को रोमांटिक लुक देते हैं, जबकि वैलेंस एक ठाठ कॉटेज लुक को पूरा करते हैं। खिड़कियों के उपचार कार्यात्मक भी होते हैं - वे गोपनीयता बनाए रखते हैं और सूरज की रोशनी के प्रवाह को सीमित करते हैं। मौसम के साथ खिड़कियों के उपचार को बदलने से आपके घर का समग्र रूप बदल सकता है और एक आरामदायक इनडोर तापमान बनाए रखने में मदद मिल सकती है। इसलिए सूरज की रोशनी को अंदर आने देने वाले पर्दे सर्दियों के लिए आदर्श होते हैं जबकि भारी फर्श-लंबाई वाले पर्दे गर्मियों के मौसम के लिए उपयुक्त होते हैं।

बनावट में विविधता लाएं

जैसे आपके घर में अलग-अलग रंग होते हैं, वैसे ही आपको अलग-अलग बनावट की भी ज़रूरत होती है। अलग-अलग बनावट होने से गहराई पैदा होती है। कुछ बनावट, जैसे जूट और रेशम, स्पर्शनीय होती हैं। इसके विपरीत, अन्य, जैसे वॉलपेपर, दृश्य बनावट बनाते हैं। कभी-कभी, एक ही रंग के कपड़ों की अलग-अलग बनावट भी कमरे को ज़्यादा घर जैसा बना सकती है।

ऑफ-ग्रिड जाएं

ग्रिड एक आम होम डेकोर आइडिया है, लेकिन हम आपको यह बताने जा रहे हैं कि आपको हमेशा चीजों को सीधी रेखाओं में रखने की ज़रूरत नहीं है। जब आप गैलरी की दीवार बना रहे हों, तो इसे और अधिक ऑर्गेनिक लुक देने के लिए फ्रेम के आयामों और आकृतियों के साथ खेलें। इसी तरह, आप अपने फर्नीचर की व्यवस्था करते समय एक सुसंगत अपील प्रदान करने के लिए आसानी से और रचनात्मक रूप से विभिन्न कोणों के साथ खेल सकते हैं।

फर्नीचर और सजावट की वस्तुओं को इधर-उधर ले जाएं

किसी जगह का रूप बदलने का सबसे आसान तरीका है चीज़ों को इधर-उधर करना। अपने सोफ़े और आरामकुर्सियों की जगह बदलें। पतझड़ के मौसम के लिए एक बेंच को लिविंग रूम में ले जाएँ, और इसी तरह। सर्दियों में गलीचे और कालीन बिछाएँ ताकि एक आरामदायक लुक मिले। गर्मियों में हरियाली के लिए बड़े पौधे और फूलों के कलश लगाएँ।

एक स्टेटमेंट पीस लाएँ

चाहे वह दीवार पर लगी पेंटिंग हो, विंग चेयर की जोड़ी हो या झूमर, एक ऐसा डेकोर पीस ढूंढें जो आपकी पहचान को दर्शाता हो और उसे एक फोकल पीस के रूप में स्टाइल करें। जब आपके पास एक स्टेटमेंट पीस हो जो सभी का ध्यान आकर्षित करता हो, तो आप अपनी बाकी सजावट को जितना चाहें उतना कम रख सकते हैं।

रंगीन रोशनी का प्रयोग करें

अपने कमरे के लुक को बदलने के लिए अलग-अलग रंग के लाइट बल्ब का इस्तेमाल करें - दिन के लिए सफ़ेद लाइट और पार्टी के लिए गुलाबी? आज के स्मार्ट बल्ब आपको हर बार बल्ब बदले बिना अलग-अलग मूड के हिसाब से रंग बदलने देते हैं।

अपने संग्रह का प्रदर्शन करें

घर की सजावट के लिए संग्रहणीय वस्तुओं को प्रदर्शित करने वाली एक प्रदर्शन इकाईअपने घर की सजावट की शैली से अपने जुनून को दर्शाएं

अपने आसनों को परतदार बनायें

जब आपके घर में गर्माहट लाने की बात आती है तो गलीचे से बेहतर कुछ नहीं है। यह आलीशान लगता है। अनुभव को बेहतर बनाने के लिए, अपने गलीचे को परत-दर-परत बिछाएँ। एक बड़ा, तटस्थ गलीचा आधार के रूप में अच्छा काम करता है। इसके साथ एक छोटे से विपरीत रंग का गलीचा बिछाएँ। आदर्श रूप से ऊपर का गलीचा नीचे वाले गलीचे के कम से कम 2/3 आयाम का होना चाहिए। अपने कीमती सीपों और छोटी कारों के संग्रह को बक्सों में बंद करके रखने के बजाय, उन्हें अपने घर में सजाएँ। इन संग्रहणीय वस्तुओं के लिए एक डिस्प्ले यूनिट बनाएँ; वे जल्द ही आपके सभी मेहमानों के लिए चर्चा का विषय बन जाएँगे।

अपने प्रवेश द्वार में जीवन जोड़ें

प्रवेश द्वार वह स्थान है जो आपके मेहमानों का स्वागत करता है। वह स्थान जो आपके घर के बारे में पहली छाप बनाने में मदद करता है। इसलिए, हमारा सुझाव है कि आप उस स्थान में थोड़ी जान डालें। अपने प्रवेश द्वार को दिलचस्प बनाने का एक आसान तरीका गमले में लगे पौधे या एक बड़ी दीवार का टुकड़ा लगाना है।

एशिया कप सुपर फोर में आज होगा श्रीलंका और पाकिस्तान का मुकाबला

अबुधाबी (एजेंसी)। श्रीलंका और पाकिस्तान की टीम मंगलवार को सुपर 4 चरण में आमने-सामने होगी। दोनो ही टीमें सुपर फोर के अपने पहले की मैच में हार गयीं थी। ऐसे में दोनो का लक्ष्य इस मैच को जीतकर फाइनल की दौड़ में बने रहना होगा। गत विजेता श्रीलंकाई टीम ग्रुप चरण में एक भी मैच नहीं हारी थी पर सुपर फोर में उसे बांग्लादेश से एक रोमांचक मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा। इससे टी20 एशिया कप में उसके आठ मैचों के विजय अभियान को झटका लगा जिससे अब वह उबरना चाहेगी हालांकि इस मैच में वह जीत की प्रबल दावोदार मानी जा रही है क्योंकि पाक टीम का प्रदर्शन अब तक काफी खराब रहा है।

पाक टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। उसे लीग स्तर के बाद सुपर फोर में भी भारतीय टीम ने आसानी से हरा दिया। ये दोनो ही मुकाबले एकतरफा रहे और पाक बल्लेबाज व गेंदबाज कोई भी प्रभाव नहीं छोड़ पाये। इससे वह अंक तालिका में अंतिम स्थान पर है। अभी सुपर फोर में भारत और बांग्लादेश के दो अंक है पर बेहतर रनरेट के आधार पर भारतीय टीम पहले और बांग्लादेश दूसरे, श्रीलंका तीसरे व पाक चौथे नंबर पर है।

अब पाक टीम को टूर्नामेंट में बने रहने के लिए श्रीलंका के खिलाफ बड़ी जीत हासिल करनी होगी। पाकिस्तानी टीम को अब हर हालत में जीत दर्ज करनी होगी। हालांकि ये उसके लिए आसान नहीं होगा क्योंकि उसके बल्लेबाज और गेंदबाज अब तक असफल रहे हैं। गेंदबाजी की बात करें तो उसके लेग स्पिनर अबरार अहमद केवल ओमान और यूएई जैसी टीमों के खिलाफ ही सफल रहे और भारतीय बल्लेबाजों ने उन्हें जमकर पीटा।

दूसरी ओर श्रीलंका की बात करें तो उसका मध्यक्रम कमजोर है। दासुन शनाका ने बांग्लादेश के खिलाफ पांचवें नंबर पर अच्छी बल्लेबाजी की परन्तु ग्रुप चरण में लगातार दो अर्धशतक लगाने वाले पाथुम निसांका लय हासिल नहीं कर पाये हैं हालांकि कुसल मेंडिस और कामिल मिशारा अच्छे फॉर्म में है और टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचा सकते हैं। गेंदबाजी में उसके तेज गेंदबाज नुवान तुषारा ने अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है और उनका सामना करना पाक बल्लेबाजों के लिए आसान नहीं होगा। इसके अलावा रहस्यमयी स्पिनर वानिंदु हसरंगा भी पाक बल्लेबाजों पर अंकुश लगाने का प्रयास करेंगे। हसरंगा ने अब तक इस टूर्नोमेंट में छह विकेट लिए हैं।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

पाकिस्तान = सलमान अली आगा (कप्तान), अबरार अहमद, फहीम अशरफ, फखर जमां, हारिस रऊफ, हसन अली, हसन नवाज, हुसैन तलत, खुशदिल शाह, मोहम्मद हारिस, मोहम्मद नवाज, मोहम्मद वसीम जूनियर, साहिबजादा फरहान, सईम अयूब, सलमान मिर्जा, शाहीन शाह अफरीदी, सुफयान मोकिम।

श्रीलंका = चरित असलंका (कप्तान), पाथुम निसांका, कुसल मेंडिस, कुसल परेरा, नुवानिदु फर्नांडो, कामिंडु मेंडिस, कामिल मिशारा, दासुन शनाका, जेनिथ लियानगे, चमिका करुणारत्ने, डुनिथ वेलालेज, वानिंदु हसरंगा, महीश थीक्षाना, दुष्मंथा चमीरा, बिनुरा फर्नांडो, नुवान तुषारा, मथीशा पथिराना।

23 और 24 सितंबर को वेस्ट इंडीज के खिलाफ सीरीज के लिए भारतीय टीम का चयन करेगी बीसीसीआई : सैकिया

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) सचिव देवजीत सैकिया ने कहा है कि वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए भारतीय टीम का चयन 23 या 23 सितंबर को किया जाएगा। इसी के साथ ही भारतीय टीम का घरेलू सत्र शुरु होगा। पहला टेस्ट 2 अक्टूबर से अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा।

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 के तहत ये भारतीय टीम की पहली घरेलू सीरीज होगी। भारतीय टीम ने 2025-27 चक्र की शुरुआत शुभमन गिल की कप्तानी में इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज से की थी जो 2-2 से बराबरी पर रही थी। सैकिया ने कहा कि वेस्टइंडीज सीरीज के लिए ऑनलाइन बैठक में टीम पर फैसला होगा।

सैकिया ने कहा, वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम का चयन 23 या 24 सितंबर को होगा। चयन बैठक ऑनलाइन होगी। भारत और वेस्टइंडीज की टीम के बीच दूसरा टेस्ट मैच 10 अक्टूबर से 14 अक्टूबर के बीच दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेला जाएगा। वहीं ये सीरीज न चेज की कप्तानी वाली वेस्टइंडीज टीम के लिए भी नए आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप चक्र में जून-जुलाई 2025 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू सीरीज के बाद दूसरी सीरीज है। इस सीरीज के लिए वेस्टइडीज ने बाएं हाथ के स्पिनर खैरी पियरे को पहली बार टीम में शामिल किया है। टीम में तेगनारायण चंद्रपॉल और एलिक अथानाजे को भी जगह मिली है।

क्विंटन डि कॉक ने संन्यास से वापसी का फैसला लिया, इस एशियाई टीम के खिलाफ खेलेंगे पहला मैच

केप टाउन (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंटन डी कॉक ने एकदिवसीय क्रिकेट से संन्यास लेने का अपना फैसले वापस ले लिया है और चयनकर्ताओं उन्हें पाकिस्तान दौरे के लिए एकदिवसीय और टी-20 टीमों में शामिल किया गया है। इसके साथ ही वह नामीबिया के साथ एकमात्र टी20 मैच भी खेलेंगे।

डी कॉक ने 2023 के एकदिवसीय विश्व कप के बाद 50 ओवर के क्रिकेट से संन्यास ले लिया था,और दक्षिण अफ्रीका के लिए उनका आखिरी सीमित ओवरों का मैच बारबाडोस में 2024 का टी-20 विश्व कप फाइनल था। हालांकि उन्होंने आधिकारिक तौर पर टी-20 से संन्यास नहीं लिया। इस बीच वह हाल ही में समाप्त हुई सीपीएल सहित दुनिया भर की टी-20 लीगों में सक्रिय रहे हैं।

वर्तमान मुख्य कोच शुकरी कॉनराड ने डी कॉक के साथ चर्चा की है और कहा है कि उन्होंने फिर से राष्ट्रीय टीम के लिए प्रतिबद्धता जताई है। कॉनराड ने कहा, 'क्विंटन की सफेद गेंद वाली टीम में वापसी हमारे लिए एक बड़ी उपलब्धि है। जब हमने पिछले महीने उनके भविष्य के बारे में बात की थी, तो यह स्पष्ट था कि उनमें अभी भी अपने देश का प्रतिनिधित्व करने की तीव्र महत्वाकांक्षा है। हर कोई जानता है कि वह टीम में क्या गुण लाते हैं और उनकी वापसी से टीम को ही फायदा होगा।' अपने एकदिवसीय संन्यास के समय डी कॉक ने संकेत दिया था कि 2027 में दक्षिण अफ्रीका के घरेलू विश्व कप को देखते हुए, उन्हें वापसी के लिए मना लिया जा सकता है। उन्होंने कहा कि इस समय मुझे ऐसा होता नहीं दिख रहा है। लेकिन आप कभी नहीं जानते। जिदगी में अजीबोगरीब चीजे होती हैं। यह एक संभावना हो सकती है, लेकिन मुझे नहीं लगता।

पाक बल्लेबाज फरहान ने बंदूक की तरह बल्ले को लहराया , भारतीय प्रशंसक भड़के

दुबई (एजेंसी)। एशिया कप के सुपर फोर मैच में भी पाकिस्तान को भारतीय क्रिकेट टीम के हाथों करारी हार का सामना करना पड़ा है। इस मैच में पाक बल्लेबाज फरहान ने अर्धशतक पूरा करने के बाद उसे बंदूक की तरफ लहराया जिससे विवाद को गया। इसका एक विडियो भी आया है, इससे पता चलता है कि पाक टीम की सोच कैसी है। पाक में बंदूके मिलना आसान है और देश भर में आतंकी खुलेआम घूमते रहते हैं। यही कारण है कि खेल में भी बंदूक के अंदाज में खिलाड़ी जश्न मना रहे हैं। बहरहाल फरहान की इस शर्मनाक हरकत की प्रशंसकों ने कड़ी आलोचना की है। जैसे ही फरहान का जश्न का अंदाज सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। उनकी आलोचना शुरु हो गयी। लोगों के अनुसार फरहान ने इस प्रकार का जश्न मना कर भारतीय टीम और प्रशंसकों को चिढ़ाया है।

फरहान के ऐसे आक्रामक जश्न से साफ है कि पाक में लोगों को लोगों को आतंकवाद ही पाठ पढ़ाया जाता है।

पाक ने खेल के मैदान में भी नफरत और दुश्मनी का माहौल बना दिया है। फरहान का बल्ला जब बंदूक की तरह लहराया, तो सभी ने साफ देख लिया कि पाक खिलाड़ी भी आतंकी मानसिकता से भरे हैं, जो उनके यहां आम बात है। खेल के मैदान में पिटने के बाद भी वह आतंकी चेहरा दिखाने से बाज नहीं आते। यही कारण है कि फरहान ने बल्ले बो बंदूक की तरह लहराया।

ये तब होता है देश मे आतंकवाद का माहौल और संस्कृति हो। इसी कारण आतंकियों को पनाह देने वाले पाक खिलाड़ी भी खेल के मैदान में आतंकी सोच का प्रदर्शन कर रहे हैं। इससे खेल में पाक लगातार पीछे जा रहा है। वहीं इससे पहले भारतीय टीम के कप?तान सूर्यकुमार यादव ने लीग मैच में मिली जीत सेना और पहलगाम हादसे में जान गंवाने वाले लोगों को समर्पित की थी। भारतीय टीम ने पहले मैच की तरह ही सुपर फोर के मुकाबले में भी पाक खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाया और न ही उनसे किसी भी प्रकार का संपर्क किया।

बांग्लादेश की टीम अब भारत के खिलाफ खेलने के लिए तैयार

दुबई ।बांग्लादेश की टीम एशिया कप 2025 के सुपर-4 मुकाबले में श्रीलंका के खिलाफ मिली जीत से उत्साहित है। श्रीलंका के खिलाफ मैच विजेता पारी खेलने वाले युवा सलामी बल्लेबाज सैफ हसन का कहना है कि अब उनका ध्यान भारत के खिलाफ 24 सितंबर को होने वाले मैच पर रहेगा। इसके बाद उसे 25 सितंबर को सितंबर को पाकिस्तान से खेलना है। बांग्लादेश ने श्रीलंका को एक गेंद शेष रहते चार विकेट से हराया जिसके बाद से ही टीम का मनोबल बढ़ा हुआ है। सैफ के अनुसार उनकी टीम को फाइनल में पहुंचने का भरोसा है। साथ ही कहा कि टीम यूएई यह मानकर ही पहुंची थी। सैफ ने कहा, हां, बिल्कुल, हमें फाइनल में पहुंचने का पूरा भरोसा है, यहां आने से पहले, सभी को भरोसा था कि हम फाइनल खेलेंगे। अब हम एक कदम आगे हैं और अभी हमारे लिए दो मैच और बाकी हैं, और हमारा अगला ध्यान सिर्फ अगले मैच पर है।

हरभजन ने पश्चिम बंगाल के खेल मंत्री के साथ दुर्गा पूजा पंडाल का उद्घाटन किया

कोलकाता ।पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह ने कोलकाता में एक दुर्गा पूजा पंडाल का उद्घाटन किया है। हरभजन ने पश्चिम बंगाल के खेल मंत्री अरूप विश्वास के साथ मिलकर अशोक नगर इलाके के एक दुर्गा उत्सव पूजा पंडाल का उद्घाटन किया। इस अवसर पर हरभजन ने मां दुर्गा के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त करते हुए कोलकाता के लोगों के प्यार एवं सम्मान के लिए आभार जताया। उद्घाटन समारोह हरभजन ने कहा, सबसे पहले मैं मां दुर्गा का प्रणाम करते हुए जिन्होंने मुझे यहां तक पहुंचाया। खेल मंत्री अरूप विश्वास के इस प्रकार सम्मान देने के लिए मैं उनका धन्यवाद देता हूं। मैं खुद को बहुत भाग्यशाली मानता हूं कि मैं यहां आया। कोलकाता में मुझे हमेशा बहुत प्यार मिलता है। मैं यही कामना करता हूं कि मां दुर्गा सब पर अपनी कृपा बनाए रखें और सभी खुश रहें। हरभजन ने दुर्गा पूजा के महत्व को लेकर कहा, दुर्गा पूजा एक ऐसा उत्सव है, जिसका हम सभी को बेसब्री से इंतजार रहता है। मां दुर्गा की पूजा हर जगह होती है पर कोलकाता में इसे एक भव्य त्योहार के रूप में मनाया जाता है। यह मां का आशीर्वाद है कि मैं आज यहां मौजूद हूं। हरभजन सिंह ने दादा के नाम से लोकप्रिय पूर्व कप्तान सौरव गांगुली के बंगाल क्रिकेट संघ (सीएबी) के अध्यक्ष पद की दौड़ में शामिल होने पर कहा, गांगुली मेरे लिए बड़े भाई जैसे हैं। जीवन में एक ऐसा व्यक्ति होता है, जो कठिन वक्त में आपका साथ देता है और आपके हाथ को थामता है। मेरे लिए दादा वही व्यक्ति हैं। मैं उनका बहुत सम्मान करता हूं और उनकी जीत की कामना करता हूं।

शोएब अख्तर ने पाक टीम को जमकर फटकार लगायी, 200 रन बनाते तो भी हारते

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने एशिया कप में भारतीय टीम के हाथों मिली करारी हार पर पाक टीम को जमकर फटकार लगायी है। अख्तर ने कहा कि पाक टीम अगर 200 रन भी बना लेती तो भी हारती। अख्तर ने सुपर 4 में भारतीय टीम के हाथों पाकिस्तान की छह विकेट से करारी पर कहा कि जिस प्रकार से गेंदबाजी करारी गयी उससे तो हारना तय था। इस मैच में पाक टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए साहिबजादा फरहान के अर्धशतक की सहायता से पहले बल्लेबाजी करते हुए 5 विकेट पर 171 रन बनाए थे। इस लक्ष्य को भारतीय टीम ने 19 वें ओवर में ही चार विकेट खोकर हासिल कर लिया।

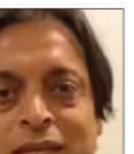

पाक टीम को लगा था कि 171 रन काफी हैं पर भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाजों अभिषेक शर्मा और शुभमन गिल ने आक्रामक बल्लेबाजी कर मैच उनके हाथ से छीन लिया। इन दोनो की 105 रन की शुरुआती साझेदारी से भारतीय टीम ने 18.5 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया। अख्तर ने कहा अगर इस टीम के पास 200 रन होते तो उसको भी उसके गेंदबाज उसका बचाव नहीं कर पाते। डिफेंड नहीं कर पाते. अख्तर ने मैच के बाद एक टीम को आड़े हाथों लिया और कहा, 卐अगर फहीम से ही गेंदबाजी करानी थी तो नई गेंद से कराना चाहिये था। सैम अयूब की जगह उनको बुलाते तो शायद लाभ मिलता। अबरार मुख्य गेंदबाज था पर उससे पहले पार्ट टाइम गेंदबाज अयूब आ रहा है। साथ ही कहा कि आपकी गेंदबाजी लाइन अप बेहद खराब थी।

भारत ने 24 घंटे के अंदर पाकिस्तान को दूसरी बार हराया, दर्ज की शानदार जीत

स्पोर्ट्स डेस्क । भारत और पाकिस्तान की खेलों की दुनिया में प्रतिद्वंदिता किसी से छुपी नहीं है। चाहे क्रिकेट का मैदान हो या फुटबॉल का। एक तरफ दुबई में एशिया कप 2025 के सुपर-4 मुकाबले में भारतीय क्रिकेट टीम ने पाकिस्तान को 6 विकेट से हराया, तो दूसरी तरफ श्रीलंका की राजधानी कोलंबो में साउथ एशियन फुटबॉल फेडरेशन (स्ध्न्न) अंडर-17 चैंपियनशिप में भारतीय युवा फुटबॉलरों ने पाकिस्तान पर 3-2 से जीत दर्ज की। इन दोनों जीत ने साबित कर दिया कि भारत हर मैदान पर पाकिस्तान पर भारी पड़ रहा है।

सोमवार 22 सितंबर को कोलंबो में खेले गए SAFF अंडर-17 चैंपियनशिप के ग्रुप बी मुकाबले में भारत ने पाकिस्तान को 3-2 से हराकर अपने ग्रुप में पहला स्थान हासिल किया। मैच की शुरुआत से ही भारतीय टीम ने आक्रामक रवैया दिखाया। 31वें मिनट में डलालमुओं गंगटे ने गोल दागकर टीम इंडिया को 1-0 की बढ़त दिलाई। हालांकि पाकिस्तान ने 43वें मिनट में पेनल्टी पर गोल करके स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया।

दूसरे हाफ में भारत ने एक बार फिर बढ़त बनाई। 63वें मिनट में गुनलीबा वांगखेराकपम ने शानदार गोल किया और स्कोर 2-1 कर दिया। लेकिन पाकिस्तान ने हार मानने के बजाय फिर वापसी की और 70वें मिनट में हमजा यासिर ने गोल करके स्कोर 2-2 कर दिया। पाकिस्तान की यह खुशी ज्यादा देर तक कायम नहीं रही। केवल 3 मिनट बाद ही 73वें मिनट में रेहान अहमद ने भारत के लिए तीसरा गोल दाग दिया और टीम को 3-2 की बढ़त दिला दी। इसके बाद भारतीय खिलाड़ियों ने बेहतरीन डिफेंस खेलते हुए पाकिस्तान को बराबरी का मौका नहीं दिया।

पूरे 90 मिनट के खेल के बाद भारतीय टीम विजेता बनी और तीनों ग्रुप मैच जीतकर शीर्ष पर रही। इस जीत के साथ ही भारतीय टीम ने सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली है जहां उसका सामना नेपाल से होगा। वहीं पाकिस्तान की टीम हार के बावजूद सेमीफाइनल में पहुंच गई है और उसका मुकाबला बांग्लादेश से होगा।

भारत की यह जीत खास इसलिए भी है क्योंकि SAFF अंडर-17 चैंपियनशिप में उसका प्रदर्शन ऐतिहासिक रहा है। टीम इंडिया अब तक सबसे ज्यादा 6 बार यह खिताब जीत चुकी है और मौजूदा चैंपियन भी है। पाकिस्तान जहां केवल एक बार ही चैंपियन बना है, वहीं भारत अब 7वीं बार खिताब जीतने की दहलीज पर खड़ा है।

राशिद ने सलमान की कप्तानी पर सवाल उठाये

लाहौर । पाकिस्तान की टीम के पूर्व कप्तान राशिद लतीफ ने सुपर फोर में भारतीय टीम के खिलाफ मिली हार के के बाद कप्तान सलमान अली आगा की जमकर आलोचना करते हुए उनकी कप्तानी पर ही सवाल उठा दिये। पाक टीम को लीग मैच में सात जबकि सुपर फोर में छह विकेट से हार मिली है। एशिया कप 2025 में ये पाकिस्तान की लगातार दूसरी हार है। पाक को पिछले सात मैचों में भारतीय टीम के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा है। लतीफ ने कहा है कि इस मैच में हमारी बल्लेबाजी लचर थी। टीम बीच के ओवरों में 37 गेंदों तक एक भी चौका तक नहीं लगा पायी। लतीफ ने कहा, पाकिस्तान शुरुआत में अच्छी बल्लेबाजी कर रहा था पर अचानक से स्थिति खराब कैसे हो गई? उसने आक्रामक होने के प्रयास किये बिना ही हार मान ली। टीम ने बीच के ओवरों में आक्रमण करने की कोशिश क्यों नहीं की, ये समझ से परे है। सैम अयूब के आउट होने तक मैच पाक के हाथ में था पर चौथे नंबर पर उतरे हुसैन तलत ने साहिबजादा फरहान के साथ 17 गेंदों में केवल 17 रन की बनाये जिससे मैच में टीम पिछड़ गयी।

जोहोर कप : भारतीय जूनियर टीम की कप्तानी करेंगे रोहित

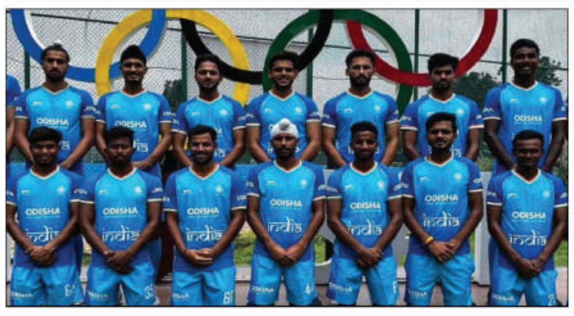

नयी दिल्ली। डिफेंडर रोहित मलेशिया में हो रहे सुल्तान जोहोर कप टूर्नामेंट में भारत की कप्तानी करेंगे और उनका लक्ष्य पिछली बार के कांस्य पदक से बेहतर प्रदर्शन करना होगा। टूर्नामेंट 11 अक्टूबर से शुरू होकर 18 अक्टूबर को खत्म होगा और यह 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक चेन्नई और मदुरै में होने वाले जूनियर विश्व कप की तैयारी के लिए अहम होगा। भारत को 11 अक्टूबर को ब्रिटेन से खेलना है जबकि 12 अक्टूबर को सामना न्यूजीलैंड से होगा। भारत और पाकिस्तान का सामना 14 अक्टूबर को होगा जबकि आस्ट्रेलिया से 15 अक्टूबर को मैच है। राउंड रॉबिन चरण में आखिरी मैच 17 अक्टूबर को मलेशिया से खेलना है। राउंड रॉबिन चरण से शीर्ष दो टीमें 18 अक्टूबर को फाइनल खेलेंगी। भारत के कोच पी आर श्रीजेश ने कहा, 'टीम सुल्तान जोहोर कप की अच्छी तैयारी कर रही है। हमारे पास अच्छी टीम है और जूनियर विश्व कप को देखते हुए यह तैयारी का अच्छा मौका होगा जिसमें मजबूत टीमों के खिलाफ खुद को आंक सकेंगे।'

टीम = गोलकीपर : ब्रिकमजीत सिंह, प्रिंसदीप सिंह

डिफेंडर : रोहित (कप्तान), तालेम प्रियब्रत, अनमोल इक्का, आमिर अली, सुनील पीबी, रवनीत सिंह

मिडफील्डर : अंकित पाल, टी इंगेलम्बा लुवांग, अद्रोहित इक्का, अराइजीत सिंह हुंडल, रोशन कुजूर , मनमीत सिंह

फॉरवर्ड : अर्शदीप सिंह, सौरभ आनंद कुशवाहा, अजीत यादव, गुरजोत सिंह

स्टैंडबाय : विवेक लाकड़ा, शारदानंद तिवारी, टी किंगसन सिंह, रोहित कुल्लू, दिलराज सिंह।

'वह क्रिकेट की दुनिया में तहलका मचाने जा रहा है', अश्विन ने पाकिस्तान के खिलाफ मैच के बाद इस खिलाड़ी की तारीफ की

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के खिलाफ अभिषेक शर्मा की शानदार पारी ने पूर्व दिग्गज खिलाड़ी रविचंद्रन अश्विन और केविन पीटरसन को आश्चर्यचकित कर दिया। भारतीय ऑफ स्पिनर ने तो यहां तक कह दिया है कि यह युवा खिलाड़ी 'भारत के लिए सीमित ओवरों के क्रिकेट में सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में से एक' बन जाएगा। अभिषेक की 39 गेंद पर 74 रन की ताबड़तोड़ पारी से भारत ने रविवार को एशिया कप के सुपर चार चरण के मुकाबले में पाकिस्तान को आसानी से छह विकेट से मात दी। अभिषेक ने इस पारी में धैर्य और आक्रमण का शानदार मिश्रण दिखाते हुए कमाल के शॉट लगाए।

अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, 'मैं आपको बताना चाहता हूं कि यह अभिषेक शर्मा का आगमन नहीं है। यह तो बस शुरुआत है। उसने अभी-अभी शुरू किया है और उसका भविष्य बहुत लंबा है। वह क्रिकेट की दुनिया में तहलका मचाने जा रहा है।' अश्विन ने 23 साल के अभिषेक की तारीफ करते हुए कहा कि वह अपने गुरु युवराज सिंह की विरासत को आगे बढ़ाएंगे। उन्होंने कहा, 'यह बात लिख लीजिए। उनमें बहुत क्षमता है। जिस तरह से युवराज सिंह सीमित ओवरों में भारत के लिए सबसे शानदार खिलाड़ियों में से एक रहे हैं अभिषेक के पास भी सीमित ओवरों के प्रारूप में सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज बनने की क्षमता है। वह उस स्तर तक आसानी से पहुंच सकते हैं। मुझे लगता है कि वह युवराज की विरासत को आगे बढ़ाएंगे। वह एक अद्भुत प्रतिभा हैं।'

अभिषेक की पारी में छह चौके और पांच छक्के शामिल थे, लेकिन अश्विन के लिए उनके शॉट लगाने की कलात्मकता सबसे अलग थी। इस खब्बू बल्लेबाज ने पारी के आठवें ओवर में सईम अयूब के खिलाफ महान महेंद्र सिंह धोनी के अंदाज में 'हेलीकॉप्टर शॉट' जैसे स्ट्रोक के साथ चौका जड़ा। अश्विन ने कहा, 'अभिषेक शर्मा ने धोनी की तरह हेलीकॉप्टर कवर ड्राइव मारा। हर कोई उनके पांच छक्कों की बात करेगा, लेकिन मैं इस कवर ड्राइव के बारे में बात करना चाहता हूं, क्योंकि यह काफी दिलकश शॉट था।'

अभिषेक ने अपने बचपन के दोस्त शुभमन गिल के साथ 105 रन की साझेदारी कर भारत की जीत की नींव रखी। वह टूर्नामेंट के मौजूदा सत्र में सबसे ज्यादा (173) रन बनाने वाले बल्लेबाज है। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन ने भी अभिषेक के कसीदे गढ़े। पीटरसन ने 'एक्स' पर लिखा, 'अभिषेक शर्मा अलग स्तर का खिलाड़ी है। वह ऐसा खिलाड़ी है जो कभी-कभी असफल होगा और ऐसे शॉट पर आउट होगा जिसकी काफी आलोचना होगी। वह अपने करियर में लाखों लोगों के चेहरों पर मुस्कान और खुशी लाएंगा क्योंकि वह दुनिया भर के गेंदबाजों के खिलाफ तेजी से रन बटोरेगा। उनकी आंखें में रनों की भूख दिखती है। दोस्त, इस तेवर को बनाए रखो।'

मैकमिलन के मार्गदर्शन में बेहतर प्रदर्शन के लिए अभ्यास कर रही न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट टीम

चेन्नई ।न्यूजीलैंड की महिला क्रिकेट टीम 30 सितंबर से भारत और श्रीलंका में शुरु हो रहे विश्वकप में कोच क्रेग मैकमिलन के मार्गदर्शन में उतरेगी। न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट टीम विश्वकप में बेहतर प्रदर्शन के लिए अभ्यास में लगी है। भारतीय हालातों के अनुकूल ढ़लने के लिए टीम पहले ही यहां पहुंच गयी थी। मैकमिलन को बल्लेबाजी और क्षेत्ररक्षण बनाये जाने से भी टीम में उत्साह है। नई भूमिका के तहत मैकमिलन का काम महिला टीम को बेहतर बनाना रहेगा। इस बीच वह कमेंट्री और अन्य प्रतिबद्धताओं से दूर रहेंगे। क्रेग इससे पहले पार्ट-टाइम करार पर कोच थे पर अब उन्हें पूरे समय के लिए कोच बनाया गया है। मैकमिलन साल 2024 में यूएई में हुए आईसीसी टी20 विश्व कप की खिताबी जीत के समय भी टीम के साथ थे। मैकमिलन ने कहा, इस भूमिका में होना मेरे लिए बेहद खास है। महिला क्रिकेट लगातार मजबूत हो रहा है। उन्होंने कहा, पिछला साल बहुत जल्दी बीत गया। मुझे उस टीम का हिस्सा होने का हर पल बहुत अच्छा लगा, जो लगातार बेहतर होती जा रही है, टीम एक-दूसरे को चुनौती देती है और विश्व मंच पर खास प्रदर्शन करती है। मैकमिलन ने बताया कि विश्व कप को लेकर न्यूजीलैंड की तैयारियां जोरों पर हैं। चेन्नई में ट्रेनिंग कैंप में भी टीम के खिलाड़ियों का प्रदर्शन भी अच्छा रहा है।

बक्सर-टाटा सुपरफास्ट ट्रेन की बोगी में अचानक आग... यात्री बोगियों से बाहर कूदे

जामताड़ा (एजेंसी)। झारखंड में बक्सर-टाटा सुपरफास्ट ट्रेन की एक बोगी में अचानक आग लग गई। घटना से यात्रियों में हड़कंप मच गया। ये घटना विद्यासागर और जामताड़ा स्टेशन के बीच कालाझरिया गांव के पास हुई। रेलवे के अनुसार, इंजन के बाद तीसरी बोगी से धुआं और आग की लपटें उठने लगीं। लोको पायलट ने तत्परता दिखाकर ट्रेन रोक दी। घटना से डरे यात्री बोगियों से बाहर कूदने लगे। हालांकि, किसी यात्री को गंभीर चोट नहीं आई और कोई जानमाल का नुकसान नहीं हुआ। रेलवे स्टाफ ने फायर एक्सटिंग्विशर की मदद से आग पर नियंत्रण पाया गया। शुरुआती जांच में यह पता चला कि आग बोगी के नीचे के अंडर गियर से उठी चिंगारी के कारण लगी। इसके बाद ट्रेन करीब 45 मिनट तक रुकी रही। उसके बाद स्थिति सामान्य होने पर फिर से रवाना कर दिया गया। रेलवे अधिकारियों ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

जम्मू-कश्मीर में सीमा से सटे इलाकों में नजर आया संदिग्ध ड्रोन, सर्च अभियान तेज

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में सीमा से सटे इलाकों में फिर ड्रोन घुसपैठ की घटनाएं बढ़ी हैं। इस इलाके में इस महीने चौथी बार ड्रोन देखा गया है। इस घटना के बाद सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों ने इलाके में सर्च अभियान तेज कर दिया है। बीएसएफ को शक है कि पाक ड्रोन ने या तो ड्रग्स या हथियारों की खेप सप्लाई की है। मीडिया रिपोर्ट में अधिकारियों के हवाले से बताया गया है कि जम्मू जिले के आरएस पुरा स्थित एक गाँव के पास अंतरराष्ट्रीय सीमा के करीब एक ड्रोन की गतिविधि देखने के बाद बीएसएफ ने तलाशी अभियान शुरू किया है। इस महीने में यह चौथी बार देखा गया ड्रोन, एक दिन पहले शाम करीब 7 बजे भारतीय सीमा में मंडराता हुआ देखा गया था। अधिकारियों को शक है कि संदिग्ध ड्रोन ने इस इलाके में या तो हथियार या फिर ड्रग्स की संभावित सप्लाई की है। हथियारों या नशीले पदार्थों की किसी भी संभावित हवाई गिरावट की संभावना को खारिज करने के लिए इलाके में सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। पांच दिन पहले भी सीमा सुरक्षा बलों ने संदिग्ध गतिविधि देखने के बाद तलाशी अभियान चलाया था। इस दौरान बीएसएफ के जवानों ने सीमा चौकी क्षेत्र में बाड़ के आगे एक एके-सीरीज़ की असॉल्ट राइफल और एक मैगज़ीन बरामद की थी। इससे पहले 13 सितंबर को भी राज्य पुलिस को शहर के बाहरी इलाके अखनूर में थर्मल पेलोड वाला एक ड्रोन मिला था। 6 सितंबर को भी सांबा जिले में एक सैन्य छावनी के ऊपर एक संदिग्ध ड्रोन देखे जाने के बाद सुरक्षा बलों ने तलाशी अभियान शुरू किया था।

डबल लो प्रेशर बनने से ओडिशा में 23 से हो सकती है बारिश

भुवनेश्वर (एजेंसी)। ओडिशा में बारिश ने मौसम में ठंडक घोल दी है। मौसम विभाग ने बंगाल की खाड़ी में डबल लो प्रेशर बनने की संभावना जताई है, जिससे ओडिशा में लगातार बारिश होने की संभावना है। मौसम पूर्वानुमान के मुताबिक उत्तर अंडमान और म्यांमार तट से लगे क्षेत्र में चक्रवाती परिसंचरण सक्रिय है। इसके असर से पिछले 24 घंटों में उत्तरी बंगाल की खाड़ी में एक लो प्रेशर बनने की संभावना जताई गई है। इसी तरह 25 सितंबर को उत्तरी मध्य और उससे लगे उत्तरी बंगाल की खाड़ी में एक और लो प्रेशर विकसित होने की संभावना है। भारी आरिश को देखते हुए केंदुझर और मयूरभंज जिले के लिए येलो वार्निंग जारी की गई है। 24 सितंबर को बादल छाए रहने और हल्की बारिश की संभावना है। वहीं, 25 सितंबर से ओडिशा में बारिश तेज हो सकती है। दूसरी ओर ओडिशा में पहले से ही चक्रवाती परिसंचरण सक्रिय है, जिसके कारण राज्य के कई हिस्सों में बारिश हो रही है। अनुमान है कि यह डिप्रेशन 29 सितंबर से छत्तीसगढ़ होते हुए नागपुर की ओर बढ़ेगा। 30 सितंबर के बाद मौसम शुष्क रह सकता है।

कार्यकर्ता कंकोणकर पर हमले का साजिशकर्ता हिस्ट्रीशीटर कार्डसो गिरफ्तार

पणजी (एजेंसी)। गोवा पुलिस ने पिछले हफ्ते कार्यकर्ता रमा कंकोणकर पर हमले की साजिश रचने के आरोप में हिस्ट्रीशीटर जेनिटो कार्डसो को गिरफ्तार कर लिया गया है। एसपी (उत्तर) ने बताया कि कंकोणकर पर हमले के सिलसिले में गिरफ्तार किए गए सात लोगों से पूछताछ में कार्डसो का नाम सामने आया था। पिछले हफ्ते पणजी के पास कारनजलेम में हुए हमले में कंकोणकर गंभीर रूप से घायल हो गए थे। एसपी ने बताया कि कार्डसो के खिलाफ कई मामले दर्ज हैं और शुरुआती जांच से पता चलता है कि अपराध के पीछे पुरानी रंजिश होने की आशंका है। कंकोणकर पर हमले के बाद लोगों में आक्रोश फैल गया और कई सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं नेताओं ने राज्य में कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाए। बिहार में चुनाव प्रचार के बाद रविवार को गोवा लौटे सीएम प्रमोद सावंत ने कहा कि किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि हमले में शामिल सभी लोगों को गिरफ्तार किया जाएगा।

कांगड़ा में बड़ा हादसा : कांग्रेस नेता के होटल में घुसा ट्रक, ड्राइवर घायल

कांगड़ा (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले के देहरा में रविवार देर रात एक भीषण सड़क हादसा हो गया। दिल्ली नंबर का तेज रफ्तार ट्रक नियंत्रण खो बैठा और सीधे होटल हवेली के गेट को तोड़ते हुए रिसेप्शन तक जा घुसा। यह होटल कांग्रेस नेता एवं हिमाचल प्रदेश शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन डॉ. राजेश शर्मा का बताया जा रहा है। हादसा रात लगभग 12-45 बजे हुआ। ट्रक सामान से भरा हुआ था और टक्कर इतनी जोरदार थी कि होटल का गेट पूरी तरह टूट गया और दीवारों में भी दरारें पड़ गईं। इस हादसे में एक बाइक और कार को भी नुकसान पहुंचा। सबसे ज्यादा चोट ट्रक चालक को आई, जो टक्कर के बाद वाहन में ही फंस गया। उसे निकालने के लिए करीब ढाई घंटे तक रेस्क्यू ऑपरेशन चला। इलेक्ट्रिक कटर से ट्रक का हिस्सा काटकर ड्राइवर को बाहर निकाला गया और तुरंत देहरा अस्पताल पहुंचाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर हालत को देखते हुए उसे टांडा मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया।

देश में जल्द शुरु हो सकती है एसआईआर प्रक्रिया

-चुनाव आयोग ने राज्यों को 30 सितंबर तक तैयार रहने दिए निर्देश

चेन्नई (एजेंसी)। नई दिल्ली, (ईएमएस)। चुनाव आयोग ने सभी राज्य चुनाव अधिकारियों को विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के लिए 30 सितंबर तक तैयार रहने का निर्देश दिया है। इससे संकेत मिलता है कि अगले महीने से पूरे देश में मतदाता सत्यापन और मतदाता सूची सुधार की प्रक्रिया शुरू हो सकती है। अधिकारी बताते हैं कि अक्टूबर-नवंबर की शुरुआत में मतदाता सूची की सफाई का काम शुरू हो सकता है।

चुनाव आयोग के इस निर्देश से पहले, इस महीने की शुरुआत में राज्य के मुख्य चुनाव अधिकारियों (सीईओ) के सम्मेलन में उन्हें अगले 10-15 दिनों में एसआईआर के लिए तैयार रहने की सूचना दी गई थी। स्पष्टता के लिए अब 30 सितंबर की समय सीमा तय की गई है। राज्यों के सीईओ को कहा गया है कि वे अपनी मतदाता सूचियां तैयार रखें। अधिकांश राज्यों ने अपनी पिछली एसआईआर के बाद प्रकाशित वोटर लिस्ट अपनी वेबसाइट पर उपलब्ध करवा दी है। उदाहरण के लिए, दिल्ली की वेबसाइट पर 2008 की और उत्तराखंड की वेबसाइट पर 2006 की मतदाता सूची उपलब्ध है।

चुनाव आयोग ने बताया कि बिहार के बाद पूरे देश में एसआईआर लागू किया जाएगा। अधिकांश राज्यों में अंतिम एसआईआर 2002 और 2004 के बीच हुई थी। पिछले गहन पुनरीक्षण के अनुसार वर्तमान मतदाताओं का मिलान लगभग पूरा हो चुका है। विशेष गहन पुनरीक्षण का उद्देश्य जन्म स्थान की जांच कर विदेशी अवैध प्रवासियों को सूची से बाहर करना है। यह कदम विशेष रूप से उन राज्यों में महत्वपूर्ण है जहां बांग्लादेश और म्यांमार से अवैध प्रवासियों की समस्या रही है।

आगामी विधानसभा चुनावों के मद्देनजर यह प्रक्रिया असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में 2026 में होने वाले चुनावों के लिए भी अहम होगी। चुनाव आयोग का कहना है कि इस गहन पुनरीक्षण से मतदाता सूची की पारदर्शिता और विश्वसनीयता सुनिश्चित होगी।

चावल और चीनी लेकर सोमालिया जा रहे जहाज में सुभाषनगर जेटी पर लगी आग

पोरबंदर (एजेंसी)। गुजरात के जामनगर से चावल और चीनी लेकर जा रहे एक मालवाहक जहाज में सुभाषनगर जेटी पर आग लग गई। सोमालिया के बोसासो जा रहे जहाज में आग लगने से हड़कंप मच गया। सूचना पाते ही दमकलकर्मी तीन गाड़ियों मौके पर पहुंची। चूंकि आग तेजी से बढ़ रही थी, इसलिए जहाज को और अधिक नुकसान से बचाने के लिए खुले पानी में खींच लिया गया। जामनगर की एचआरएम एंड संस की ओर से संचालित जहाज का नाम हरिदासन था। जहाज पर 950 टन चावल और 100 टन चीनी लदी थी। आग लगने के बाद, अग्निशमन विभाग ने आग पर काबू पाने के लिए तीन दमकल गाड़ियों और एक हाइड्रेंट सिस्टम को मौके पर पहुंचाया। जहाज में लदे सामान, जिसमें डीजल भी शामिल था, के कारण आग और भड़क गई। इसकारण अधिकारियों को बंदरगाह को और जोखिम से बचाने के लिए जहाज को जेटी से करीब 1 किलोमीटर दूर और अंततः समुद्र में 100 किलोमीटर अंदर खींचना पड़ा। तटरक्षक बल ने आग बुझाने के प्रयासों में मदद की। अधिकारियों ने जहाज़ को खुले पानी में तब तक रखा जब तक कि आग को सुरक्षित रूप से नियंत्रित न हो सके। इस बीच, पोरबंदर की दमकल टीम स्थिति पर नजर बनाए हुए है और स्टैंडबाय पर है।

रूस में भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेष लेकर जाएंगे डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ (एजेंसी)। प्रधानमंत्री कार्यालय के निर्देश पर यूपी के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य रूस की ऐतिहासिक यात्रा पर रवाना होंगे। वे वहां भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों को लेकर आयोजित होने वाले विशेष कार्यक्रम में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। भारत सरकार का संस्कृति मंत्रालय 24 सितंबर से एक अक्टूबर तक रूस के काल्मिकिया प्रांत में भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों का प्रदर्शन करेगा। इस आयोजन का उद्देश्य भारतीय संस्कृति और बौद्ध धरोहर की समृद्ध परंपरा को वैश्विक स्तर पर प्रदर्शित करना है।

तय कार्यक्रम के अनुसार, उप मुख्यमंत्री मौर्य कल 23 सितंबर को वायुसेना के विशेष विमान से रूस के लिए प्रस्थान करेंगे। वहां 25 से 28 सितंबर तक एलिस्ता में भगवान बुद्ध से जुड़ी दुर्लभ कलाकृतियों और ऐतिहासिक धरोहरों की प्रदर्शनी आयोजित होगी। इसमें भारत से ले जाए गए अवशेष और कलाकृतियां भी शामिल होंगी। केशव प्रसाद भगवान बुद्ध के पवित्र पिपरहवा (कपिलवस्तु) मे रखे गए अवशेषों को लेकर जाएंगे। प्रदेश सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, इस दौरे से भारत और रूस के बीच सांस्कृतिक संबंध और गहरे होंगे। साथ ही, यह आयोजन बौद्ध धर्म की वैश्विक विरासत और भारतीय संस्कृति की गरिमा को अंतरराष्ट्रीय मंच पर नई पहचान दिलाने वाला साबित होगा।

उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सोमवार को कहा भगवान बुद्ध संपूर्ण मानवता के लिए भारत की सबसे अनमोल धरोहर है। करुणा, दया और शांति पर आधारित उनका दर्शन आज भी समाज को सह अस्तित्व और मानवीय संवेदनों का सशक्त संदेश देता है। (काल्मिकिया) रूस में भगवान बुद्ध के पवित्र पिपरहवा (कपिलवस्तु) अवशेषो की प्रदर्शनी आयोजित कराने व भारतीय प्रतिनिधि मण्डल का नेतृत्व करने का अवसर उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य को देने के लिए बौद्ध भिक्षुओं द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

टैरिफ और एच-1बी वीजा को लेकर जयशंकर-गोयल की अमेरिका यात्रा बेहद अहम

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और अमेरिका के बीच रिश्ते पिछले कुछ महीनों से तनाव में हैं। खासतौर पर टैरिफ और एच-1बी वीजा के जरिये भारत को जिस तरह का तनाव झेलना पड़ रहा है, उसके बाद दोनों देशों के रिश्तों पर असर पड़ रहा है। इसी बीच भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर और वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल अमेरिका पहुंचे हैं, जिससे उम्मीद है कि नए व्यापार समझौते पर बातचीत हो रही है। 16 सितंबर को अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय की टीम भारत आई थी, जहां समझौते के कई पहलुओं पर चर्चा हुई।

अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के जाने के बाद तुरंत वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल भारत के प्रतिनिधिमंडल के साथ अमेरिका दौरे पर हैं। यहां वे सोमवार को अमेरिकी वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लुटनिक से मुलाकात करेंगे और व्यापार समझौते को जल्द पूरा करने पर चर्चा करेंगे। वहीं जयशंकर भी अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो से रात 8 बजे मुलाकात करेंगे। अमेरिका और भारत के बीच इस वक्त जो मुद्दा चर्चा में हैं उनमें टैरिफ मुद्दा है। भारत पर अमेरिका ने रूस से तेल खरीदने पर अतिरिक्त 25 फीसदी टैरिफ लगा रखा है। इसकी वजह से दोनों देशों के बीच व्यापार प्रभावित हो रहा है।

भारत के कुछ सेक्टर्स पर तो इस टैरिफ का काफी बुरा असर पड़ा है। ऐसे में कोशिश होगी कि इस मामले में दोनों देश मिलकर कुछ बीच का रास्ता निकाल पाएं। इसे लेकर वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल अपने अमेरिकी समकक्षों के साथ बातचीत करेंगे। दूसरा मुद्दा ये है कि भारत-अमेरिका की ट्रेड डील पर बात आगे बढ़े, जो टैरिफ वॉर की वजह से अटकी नजर आ रही थी। तीसरा बड़ा मुद्दा अब एच-1बी वीजा है, जो अमेरिका में काम करने वाले भारतीयों पर सीधा असर डाल रहा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका और भारत के विदेश मंत्रियों मार्को रुबियो और एस जयशंकर के बीच यह तीसरी मुलाकात होगी। जनवरी में पहली बार रूबियो और जयशंकर क्वाड विदेश मंत्रियों की बैठक में मिले थे। इसके बाद जुलाई में क्वाड बैठक में दोनों विदेश मंत्रियों की मुलाकात हुई थी। हालांकि इस बार जब दोनों नेता मिलेंगे, तो परिस्थितियां काफी उतार-चढ़ाव भरी हैं। ऐसे में ये बैठक दोनों देशों के रिश्तों को लेकर बेहद अहम मानी जा रही है।

असंभव को संभव बना सकते हैं पीएम मोदी: उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन

नई दिल्ली(एजेंसी)। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वैश्विक नेतृत्व और अंतरराष्ट्रीय संबंधों की सराहना करते हुए कहा कि मोदी नामुमकिन को मुमकिन बनाने की क्षमता रखते हैं। वे राजधानी में प्रधानमंत्री के भाषणों पर आधारित दो पुस्तकों के विमोचन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

उपराष्ट्रपति ने अपने पहले सार्वजनिक कार्यक्रम में कहा कि अमेरिका द्वारा भारत पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाए जाने के बावजूद, पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हमेशा मोदी को अच्छा दोस्त कहा। उन्होंने कहा, ट्रंप कभी नहीं बोले कि मैं मोदी के खिलाफ हूं। उन्होंने हमेशा कहा कि मैं मोदी के साथ हूं।

राधाकृष्णन ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के रूस और चीन दोनों देशों के शीर्ष नेताओं से भी अच्छे संबंध हैं। उनके अनुसार, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन मोदी के करीबी मित्र हैं, वहीं अंतरराष्ट्रीय राजनीति में मतभेदों के बावजूद चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग भी मोदी को मित्र मानते हैं। उपराष्ट्रपति ने कहा, कि यही वजह है कि प्रधानमंत्री नामुमकिन को मुमकिन कर दिखाते हैं। मोदी के दृष्टिकोण का जिक्र करते हुए राधाकृष्णन ने कहा कि प्रधानमंत्री जनता के लिए निस्वार्थ भाव से काम करते हैं और बदले में किसी तरह की अपेक्षा नहीं रखते। उन्होंने इसे मोदी के नेतृत्व का सबसे बड़ा गुण बताया।

इस मौके पर राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने भी प्रधानमंत्री की शैली की तारीफ की। उन्होंने कहा कि मोदी जनता की भाषा में बात करते हैं और उनकी आवाज आम लोगों की भावनाओं को प्रतिबिंबित करती है। इस कार्यक्रम ने न सिर्फ प्रधानमंत्री मोदी की वैश्विक छवि को रेखांकित किया, बल्कि उनके नेतृत्व में भारत की बढ़ती अंतरराष्ट्रीय साख को भी सामने रखा।

इंपीरियल ग्रुप की 80 करोड़ से ज्यादा की अघोषित विदेशी संपत्ति का खुलासा !

-ईडी ने हिमाचल प्रदेश और दिल्ली में छह ठिकानों की ली थी तलाशी

शिमला (एजेंसी)। ईडी ने पिछले दिनों को हिमाचल प्रदेश और दिल्ली में छह ठिकानों पर छापेमारी की थी। यह कार्रवाई इंपीरियल ग्रुप के चेयरमैन मानविंदर सिंह, उनकी पत्नी सागरी सिंह और ग्रुप की संबंधित कंपनियों और व्यक्तियों पर की गई थी। विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के तहत शुरू हुई इस जांच में अघोषित विदेशी संपत्तियों, निवेशों और वित्तीय हितों का जाल सामने आया है। ईडी ने खुफिया जानकारी के आधार पर मामला दर्ज किया था, जिसमें ग्रुप के विदेशी कारोबार की अनियमितताओं का शक था।

इंपीरियल ग्रुप एयरोस्पेस और रियल एस्टेट क्षेत्रों में सक्रिय कंपनियों का समूह है, जिसके चेयरमैन मानविंदर सिंह हैं। हिमाचल के नालदेहरा में स्थित लग्जरी आवासीय परियोजना औरमा वैली भी इसी ग्रुप का हिस्सा है। तलाशी में ईडी ने मानविंदर और सागरी सिंह के नाम पर विदेशी कंपनियों में अघोषित हितों के कई सबूत जब्त किए। इनमें सिंगापुर की एयरोस्टार वेंचर प्राइवेट लिमिटेड और दुबई की यूनाइटेड एयरोस्पेस डीडब्ल्यूसी एलएलसी प्रमुख हैं, जहां दोनों ही लाभकारी मालिक हैं। मानविंदर एकमात्र निदेशक हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दुबई की कंपनी के जरिए करोड़ों के असुरक्षित ऋण दिए गए, जो भारतीय संस्थाओं को लौटाए जा रहे हैं। मई 2025 में इस कंपनी ने हांगकांग की एक बिना नाम की संस्था से 7 करोड़ रुपए का ऋण लेकर रॉबिन्सन 66 हेलीकॉप्टर खरीदा था, जिसे औरमा वैली के निवासियों के लिए भारत आयात किया गया था। लीज भुगतान दुबई कंपनी को ही लौटाया जा रहा है, जिससे अघोषित संपत्ति बढ़ रही है। 31 मार्च 2025 तक इस कंपनी के पास 38 करोड़ रुपए की संपत्ति थी।

इसके अलावा, थाईलैंड के कोह समुई में विला समायरा नामक विला की खरीद का खुलासा हुआ, जहां सिंह दंपति और परिवार लाभार्थी हैं। ब्रिटिश वर्जिन द्वीप समूह की कंपनियों और सिंगापुर के बैंक खातों में भी अघोषित हित पाए गए। ईडी के मुताबिक इन विदेशी संपत्तियों, हितों व खातों का कुल मूल्य 80 करोड़ रुपए से ज्यादा है।

औरमा वैली परिसर में तलाशी में चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। समानांतर बहीखातों से पता चला है कि फ्लैटों की बिक्री का 29 करोड़ रुपए नकद वसूला गया। ईडी को शक है कि यह नकदी हवाला या अन्य तरीकों से विदेश भेजी जा रही है, जिसके बाद अघोषित संपत्तियां खरीदी जा रही हैं या राउंड ट्रिपिंग की जा रही है। यह प्रक्रिया इंपीरियल ग्रुप की रियल एस्टेट गतिविधियों से उत्पन्न धन को सफेद करने का जरिया लग रहा है।

एसबीआई कार्ड ने 'खुशियां अनलिमिटेड' कैंपेन के साथ अपने फेस्टिव ऑफर 2025 की शुरूआत की

पटना (एजेंसी)। भारत में क्रेडिट कार्ड जारी करने वाली सबसे बड़ी कंपनी, एसबीआई कार्ड ने 'खुशियाँ अनलिमिटेड' कैंपेन की शुरूआत के साथ, पूरे देश में 2025 के फेस्टिव सीजन के लिए कई तरह के रोमांचक ऑफर्स पेश किए हैं। ग्राहक देश के टियर 2 और टियर 3 श्रेणी के शहरों सहित 2900 से ज्यादा शहरों में ऑनलाइन एवं ऑफलाइन प्लेटफॉर्म पर मर्चेंट की ओर से दिए जाने वाले 1,250 से ज्यादा ऑफर्स, कैशबैक और तत्काल छूट का लाभ उठा सकते हैं।

ये फेस्टिव ऑफर्स घरेलू सामानों, मोबाइल, लैपटॉप, फैशन, फर्नीचर, गहने, ई-कॉमर्स और किराना जैसे सभी प्रमुख श्रेणियों पर लागू हैं। ज्यादा कीमत वाली खरीदारी को कार्डधारकों के लिए अधिक आसान एवं सुविधाजनक बनाने के उद्देश्य से, एसबीआई कार्ड ने ईएमआई को ध्यान में रखकर कई मशहूर ब्रांड्स के सहयोग से कई ऑफर भी पेश किए हैं। इस उत्सव के माहौल में चार चांद लगाने के लिए, एसबीआई कार्ड अपने प्रमुख भागीदार ब्रांड्स से खरीदारी पर इंस्टेंट डिस्काउंट का बहुत ही रोमांचक ऑफर दे रहा है, जिसमें अमेजन, रिलायंस रिटेल ग्रुप, मैक्स, रेमंड्स, मोंटे कार्लो और इसी तरह के कई दूसरे ब्रांड शामिल हैं। इसके अलावा, एसबीआई कार्ड की ओर से कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, मोबाइल और लैपटॉप जैसी लोकप्रिय श्रेणियों में ईएमआई को ध्यान में रखकर ऑफर की पेशकश की गई है, जिनमें 27.5% तक की तत्काल छूट भी शामिल है। फेस्टिव ऑफर के तहत शुरू की गई इस पहल में भाग लेने वाले प्रमुख ब्रांड्स में सैमसंग, हायर, एलजी, सोनी, ओप्पो, वीवो, पैनासोनिक, व्हर्लपूल, बॉश, आईएफबी, एचपी, लॉयड आदि शामिल हैं। ऑफर्स और डिस्काउंट की इतनी बड़ी रेंज के साथ, एसबीआई कार्ड अपने ग्राहकों के लिए कुल मिलाकर खरीदारी के अनुभव को बेहतर बना रहा है, जो ज्यादा बचत, बेमिसाल सुविधा और बेजोड़ कीमतों की वजह से उनके लिए और भी फायदेमंद हो गया है।

कर्नाटक में जाति जनगणना शुरु, 15 दिनों तक चलेगा सर्वे, कई कर रहे विरोध

-कई समुदायों ने बैठक कर की अपील, सिर्फ अपनी जाति बताएं उपजाति नहीं

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक में सोमवार से जाति जनगणना शुरु हो रही है। 15 दिनों तक यह सर्वे चलेगा और रिपोर्ट भी जल्द जारी करने की तैयारी है। सिद्धारमैया के नेतृत्व वाली सरकार के इस फैसले का उनकी कैबिनेट के ही कुछ सदस्यों समेत लोग विरोध कर रहे हैं, लेकिन सिद्धारमैया का कहना है कि वह राहुल गांधी की लाइन पर चल रहे हैं, जिनका कहना है कि जातिगत जनगणना से सही आंकड़े आएंगे और फिर उसके आधार पर योजनाएं बनाने और सभी वर्गों को प्रतिनिधित्व देने में मदद मिलेगी।

राज्य के प्रभावशाली लिंगायत, वोक्कालिगा, कुर्बा, मुस्लिम, जैन और ब्राह्मण समुदाय के लोगों की बैठक हुई है। इन बैठकों में शीर्ष नेताओं ने समाज से अपील की है कि वे 15 दिनों तक चलने वाली जातिगत जनगणना में अपनी उपजाति ना बताएं। सिर्फ जाति का ही जिक्र करें ताकि उपजाति बताने से संख्या कम ना नजर आए। एक बार पहले भी सूबे में सर्वे हो चुका है, जिसे लिंगायत और वोक्कालिगा समुदाय की ओर से खारिज कर दिया गया था।

केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने इस सर्वे को स्थगित करने की मांग की है या फिर इसे तीन महीने में कराने की मांग की है ताकि कोई खामी न रहे। वोक्कालिगा समाज के एक मठ के स्वामी ने कहा कि हमें शक है कि यह सर्वे सही से नहीं होगा। उन्होंने कहा कि हमारे राज्य की आबादी 7 करोड़ हैं और महज 15 दिन में ही सर्वे करने की बात कही जा रही है। इससे पहले तेलंगाना में 65 दिन तक सर्वे चला था, जबकि वहां की आबादी हमारे यहां के मुकाबले आधी है। शुक्रवार को वीरशैव-लिंगायत समाज की हुबली में बैठक हुई थी। इस बैठक में प्रस्ताव रखा गया कि खुद को लिंगायत ही लिखें। उसमें कोई उपजाति ना बताएं। इसके अलावा मुस्लिम, जैन, ब्राह्मण समाज के लोगों की भी बैठक हुई। इन बैठकों में प्रस्ताव दिया गया कि अपनी जाति ही लिखें, उपजाति का जिक्र ना करें। जैसे कहा गया कि ब्राह्मण समुदाय के लोग अपनी जाति में ब्राह्मण ही लिखें। कोई उपनाम आदि ना लिखें। इसी तरह जैन समुदाय के लोगों का भी कहना है कि जैन ही लिखा जाए। इसके अलावा मुसलमानों से भी कहा गया कि अपना धर्म इस्लाम ही लिखवाएं और जाति के स्थान पर मुस्लिम लिखा जाए। वोक्कालिगा समाज में भी काफी सक्रियता दिख रही है।

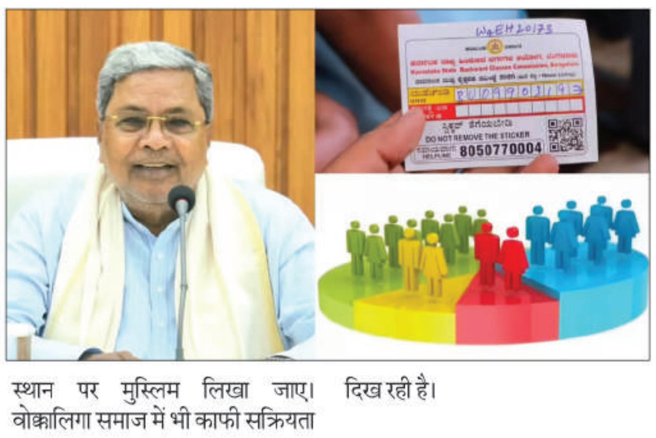

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, कार्यकारी संपादक- भीष्म सिंह, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह. 9334331934, 7903538992, 9570107019, RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902